

Monthly Current Affairs February 2019

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

01.02.2019

1. बजट 2019-20 के प्रमुख बिंदु



प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पी.एम.-किसान)



- दो हेक्टेयर तक की कृषि योग्य भूमि रखने वाले किसान परिवारों के लिए 6000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से प्रत्यक्ष आय समर्थन का विस्तार किया जाएगा।
- भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित इस योजना के अंतर्गत, लगभग 12 करोड़ लघु और सीमांत किसान परिवारों के बैंक खातों में 2000 रुपये प्रत्येक किश्त की दर से तीन समान किश्तों के रूप में धनराशि हस्तांतरित की जाएगी।

- यह कार्यक्रम 1 दिसंबर, 2018 से प्रभावी किया जाएगा और 31 मार्च, 2019 तक की अवधि की पहली किश्त का भुगतान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन

- इस योजना के अंतर्गत, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु के बाद 3,000 रुपये प्रतिमाह की सुनिश्चित मासिक पेंशन प्रदान की जाएगी।
- इस योजना का लाभ उठाने के लिए श्रमिकों को 100 रुपये महीने का योगदान देना होगा।

राष्ट्रीय कामधेनु आयोग

- यह आयोग गाय संसाधनों के स्थायी आनुवंशिक उन्नयनों को सम्पन्न करने और गायों के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाने हेतु जिम्मेदार है।

टॉपिक-जी.एस.-3- अर्थव्यवस्था

स्रोत-पी.आई.बी.

2. दूरदर्शन पर 'रंग रंग में गंगा' नामक एक अद्वितीय यात्रा वृत्तांत लांच किया गया है।
 - केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा कायाकल्प मंत्री ने दूरदर्शन पर "रंग रंग में गंगा" नामक यात्रा वृत्तांत कार्यक्रम लांच किया है।
 - यह श्रृंखला दूरदर्शन ने राष्ट्रीय स्वच्छ मिशन (एन.एम.सी.जी.) के साथ मिलकर बनाई गई है।
 - यह कार्यक्रम गंगा नदी के कायाकल्प की आवश्यकता के संदेश को प्रसारित करने के साथ ही गंगा को साफ करने में सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी प्रदान करता है, इस जानकारी को एक अद्वितीय और रुचिकर प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

3. डी.आई.पी.पी. का नाम बदलकर डी.पी.आई.आई.टी. कर दिया गया है।
 - सरकार ने औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डी.आई.पी.पी.) का नाम बदलकर उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) करने की अधिसूचना जारी की है।

- अधिसूचना में डी.आई.पी.पी. के उत्तरदायित्वों की चार नई श्रेणियों को भी शामिल किया गया है। इनमें शामिल हैं:
- 1. आंतरिक व्यापार का संवर्धन (खुदरा व्यापार सहित)
- 2. व्यापारियों और उनके कर्मचारियों का कल्याण
- 3. ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सुगम बनाने से संबंधित मामले
- 4. स्टार्ट-अप से संबंधित मामले

सम्बंधित जानकारी

औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग

- औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डी.आई.पी.पी.), भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है।
- यह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए औद्योगिक क्षेत्र की प्रगति के लिए प्रचारक और विकासात्मक उपायों के सूत्रीकरण और कार्यान्वयन हेतु जिम्मेदार है।
- इसके अतिरिक्त यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) का देश में प्रवाह बढ़ाने और इसे सुगम बनाने हेतु जिम्मेदार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

4. ध्रुवीय भंवर

- हाल ही में उत्तरी ध्रुवीय भंवर के दक्षिण-दिशीय प्रवाह ने संयुक्त राज्य अमेरिका में घातक शीत लहरें उत्पन्न कर दी हैं।
- कारण- सर्दियों के दौरान उत्तरी गोलार्द्ध में भंवर कमजोर और प्रसारित हो जाता है, आर्कटिक शीत पवनों को दक्षिण दिशा में भेजता है जिसके कारण से उत्तरी ध्रुवीय भंवरों ने संयुक्त राज्य अमेरिका में घातक शीत लहरें उत्पन्न कर दी हैं।

सम्बंधित जानकारी

ध्रुवीय भंवर

- ध्रुवीय भंवर, निम्न दाब का एक बड़ा क्षेत्र है जो निरंतर रूप से उत्तर और दक्षिण ध्रुवों पर निर्भर करता है।

- यह हमेशा ध्रुवों के पास मौजूद रहता है लेकिन गर्मियों में कमजोर हो जाता है और सर्दियों में मजबूत होता है।
- इन्हें ठंड की अधिकता, सघन हवा के कारण वॉरटेक्सेस कहते हैं, ये सघन हवाएं, तूफान की भांति वामावर्त दिशा में घूमती हैं।
- यह ध्रुवीय भंवर, उत्तरी गोलार्द्ध में गंभीर शीत लहर प्रकोप ला सकता है, उत्तरी गोलार्द्ध में उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया शामिल हैं।
- यह एक समय पर कई दिनों के लिए नए क्षेत्रों में सबजीरो तापमान उत्पन्न करने में सक्षम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- साइंस डेली

5. पीयूष गोयल को कार्नोट पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया है।

- केंद्रीय रेल मंत्री, पीयूष गोयल को कार्नोट पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया है।
- केंद्रीय ऊर्जा मंत्री रहने के दौरान उनके द्वारा अपने कार्यकाल में लाए गए परिवर्तकारी बदलावों के लिए उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

सम्बंधित जानकारी

कार्नोट पुरस्कार

- कार्नोट पुरस्कार, अमेरिका-आधारित क्लीनमैन ऊर्जा नीति केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली वार्षिक मान्यता है, जो छात्रवृत्ति अथवा अभ्यास के माध्यम से ऊर्जा नीति में विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान की जाती है।
- इस पुरस्कार का नाम फ्रांसीसी वैज्ञानिक साडी कार्नोट के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने अग्नि की परावर्तन चालन शक्ति के 1824 प्रकाशन किए थे जो ऊष्मागतिकीय के दूसरे नियम का आधार बना था।
- कार्नोट ने यह स्वीकार किया कि भाप इंजन की शक्ति मानव विकास में "एक महान ऊर्जा क्रांति" उत्पन्न करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण पुरस्कार

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. ग्लोबल वार्मिंग ने 21वीं शताब्दी में अल नीनो को प्रभावित किया है।

- अल नीनो पर ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों का सबसे हालिया प्रक्षेपण, वैज्ञानिक पत्रिका "नेचर" में प्रकाशित हुआ है, जिसमें 21वीं शताब्दी में अल नीनो पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है।

अध्ययन के निष्कर्ष

- अल नीनो, सबसे बड़ी जलवायु परिघटना बनी हुई है जो प्रायः सूखा, बाढ़, जंगल की आग, धूल और बर्फ के तूफान, मछली के मरने और यहां तक कि नागरिक संघर्षों के अधिक जोखिमों को उत्पन्न करके होती रहती है।
- अल नीनो के कार्यों का स्थान उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर है लेकिन प्रत्येक बार इसकी वैश्विक पहुंच में वैश्विक समुदाय के दसियों अरब डॉलर खर्च होते हैं।

संबंधित जानकारी

अल नीनो

- एक सामान्य वर्ष में, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया के क्षेत्र में निम्न सतह दाब विकसित होता है और पेरू के तट पर उच्च दाब प्रणाली उत्पन्न होती है।
- अल नीनो, मध्य और पूर्व-मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के असामान्य रूप से गर्म होने को संदर्भित करता है, जिससे मध्य प्रशांत के बड़े क्षेत्रों और दक्षिण अमेरिका के तट पर हवा का दाब कम होता है।
- प्रशांत महासागर के गर्म पानी के कारण कई क्षेत्रों में हवाओं की दिशा पलट जाती है।
- हवा की दिशा में यह परिवर्तन होने के कारण सर्दियां गर्म और गर्मियां अधिक गर्म हो रही हैं और मानसून के दौरान वर्षा की मात्रा में कमी होती जा रही है।

अल नीनो का प्रभाव

- अल नीनो, वैश्विक मौसम को प्रभावित करता है।
- अल नीनो, ठंडे पानी के उमड़ने को कम करता है, समुद्र के तल से पोषक तत्वों के ऊपर आने

को कम करता है जो समुद्री जीवन, समुद्री पक्षियों और मत्स्य उद्योग को प्रभावित करता है।

- अल नीनो के कारण उत्पन्न हुआ सूखा बहुत बड़े पैमाने पर फैल सकता है, यह दक्षिण अफ्रीका, भारत, दक्षिण पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया और प्रशांत द्वीप समूह को प्रभावित कर सकता है।
- अल नीनो के स्वास्थ्य परिणामों पर हाल ही में डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में मध्य और दक्षिण अमेरिका में मच्छरों द्वारा फैलने वाले वेक्टर-जनित रोगों के बढ़ने का अनुमान लगाया गया है।
- भारत में मलेरिया के चक्र भी अल नीनो से संबंधित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. जैवबहुलक अनुसंधान, नए उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

- राजस्थान नए उत्पादों के निर्माण और अधिक रोजगार अवसरों के सृजन पर जोर देने के साथ जैवबहुलक क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित कर रहा है।
- कौशल एवं तकनीकी समर्थन केंद्र और राष्ट्रीय फैशन संस्थान द्वारा जैवबहुलक पर शोध कार्य किया जाता है।
- इस पहल से हस्तशिल्प उद्योग को भी मदद मिलेगी।

जैवबहुलक

- जैवबहुलक, सजीव सूक्ष्मजीवों द्वारा बनाए गए बहुलक होते हैं।
- वे सामान्यतः स्टार्च के बहुलक होते हैं।
- ये मोनोमेरिक इकाइयों से मिलकर बने होते हैं।
- सेल्युलोज, पृथ्वी पर पाया जाने वाला सबसे सामान्य कार्बनिक यौगिक और जैवबहुलक है।
- जैवबहुलक के अन्य उदाहरणों में रबर, सुबेरिन, मेलेनिन और लिग्निन शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत-द हिंदू

8. गोमूत्र, ग्लोबल वार्मिंग का एक कारण हो सकता है: अध्ययन

- एक अध्ययन में पाया गया है कि गोमूत्र भी ग्लोबल वार्मिंग में योगदान कर सकता है, गोमूत्र- भारत में अपने औषधीय लाभों के लिए शोध का एक छोटा उद्गम है।
- जुगाली करने वाले का पशुओं का मूत्र, नाइट्रस ऑक्साइड उत्सर्जन (N₂O) का एक स्रोत है, यह गैस, कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 300 गुना अधिक शक्तिशाली है।
- मवेशी और पशुधन मेथेन गैस का महत्वपूर्ण स्रोत हैं, जो कि एक ग्रीनहाउस गैस है और इसलिए यह ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देने वाली एक प्रसिद्ध गैस है।

संबंधित जानकारी

- भारत ने प्रति गाय अथवा भैंस अथवा अन्य पशुधन पशुओं के गोबर और मूत्र उत्पादन के साथ-साथ 2012 की पशुधन जनगणना के अनुसार उनकी आबादी के लिए उनके समग्र अनुमानों की गणना की है।
- लेकिन भारत से कुल नाइट्रस ऑक्साइड उत्सर्जन में गोमूत्र के सटीक योगदान का सटीक अनुमान नहीं लगाया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

9. अफ्रीकी एशियाई ग्रामीण विकास संगठन

- संयुक्त मत्स्य पालन प्रबंधन योजनाओं को विकसित करने हेतु अफ्रीकी एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (ए.ए.आर.डी.ओ.) के सदस्य देशों के मध्य क्षेत्रीय सहयोग के लिए मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई है।

संबंधित जानकारी

ए.ए.आर.डी.ओ.

- ए.ए.आर.डी.ओ., एक स्वायत्त अंतर-सरकारी संगठन है जो वर्ष 1962 में अफ्रीका और एशिया के 33 सदस्यों से मिलकर बना था।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

- इस संगठन की स्थापना ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयासों, अनुभवों के विनिमय और सहयोगी कार्यवाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- भारत, इस संगठन के संस्थापक सदस्यों में से एक है और सदस्यता योगदान के मामले में भारत, सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।
- ग्रामीण पुनर्निर्माण पर 18-25 जनवरी, 1961 के दौरान नई दिल्ली में अफ्रीकी-एशियाई सम्मेलन का ऐतिहासिक सत्र आयोजित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- द हिंदू

04.02.2019

1. इंकजेट के सौर पैनल, हरित ऊर्जा को नयी आकृति प्रदान करने हेतु तैयार हैं।

- एक पी.एच.डी. विद्वान ने पेट्रोव्सकाइट्स- सस्ते सौर सेल की नई पीढ़ी, के लिए नॉवेल इंकजेट प्रसंस्करण विधि विकसित की है।
- यह लागत को बहुत अधिक कम करते हुए निम्न तापमान के अंतर्गत सौर पैनल उत्पन्न करने को संभव बनाता है।
- खनिज से लेपित सौर पैनल हल्के, लचीले, सक्षम और सस्ते होते हैं और ये अलग-अलग रंगों और पारदर्शिता की कोटि में आते हैं।
- इन्हें बिजली उत्पन्न करने के लिए आसानी से लगभग किसी भी सतह- लैपटॉप, कार, ड्रोन, अंतरिक्ष यान अथवा भवनों में लगाया जा सकता है, इन्हें छाया अथवा घर के भीतर भी लगाया जा सकता है।

पेट्रोव्सकाइट्स

- पेट्रोव्सकाइट्स, कैल्शियम टाइटेनियम ऑक्साइड खनिज है जो कैल्शियम टाइटेनेट (CaTiO₃) से मिलकर बना है।
- इस संरचना में विभिन्न कैटायनों को एम्बेड किया जा सकता है, जिससे विविध सामग्री डिजाइन के विकास को स्वीकृति मिलती है।

- इस खनिज की खोज रूस के यूराल पर्वत पर वर्ष 1839 में गुस्तव रोज़ द्वारा की गई थी और इसका नाम रूसी खनिजविद लेव पेरोवस्की (1792-1856) के नाम पर रखा गया है।
- पृथ्वी के आच्छादन में पाया जाता है, फेल्सपार के साथ पैराजिनेसिस में अस्थिरता के कारण अल्ट्रामैफिक चट्टानों और फ्वाइडोलाइट्स के असंतृप्त खिबिना पर्वन श्रृंखला पर पर्वोस्काइट का पाया जाना प्रतिबंधित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

2. यू.एन.एस.सी. ने मध्य अफ्रीकी गणराज्य के खिलाफ एक और वर्ष हेतु प्रतिबंधों को बढ़ाने हेतु एक प्रस्ताव को अपनाया है।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सी.ए.आर.) के खिलाफ एक और वर्ष हेतु प्रतिबंधों को बढ़ाने हेतु प्रस्ताव 2454 को अपनाया है।

प्रस्ताव 2454 की विशेषताएं

- इसे 15 सदस्यीय परिषद द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया है, यह 31 जनवरी, 2020 तक प्रतिबंध शासन प्रणाली- शस्त्र निषेध, यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति जब्त के पुनर्नवीनीकरण को निर्धारित करता है।
- इसके अतिरिक्त यह विशेषज्ञों के पैनल के शासनादेश के विस्तार को निर्धारित करता है, जो 29 फरवरी, 2020 तक प्रतिबंधों के कार्यान्वयन में सुरक्षा परिषद की मदद करता है।
- यह प्रस्ताव विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख बैंचमार्क स्थापित करने की परिकल्पना करता है, जो 30 अप्रैल, 2019 तक सी.ए.आर. सरकार पर लगाए गए शस्त्र निषेध की समीक्षा करने में सुरक्षा परिषद की मदद करता है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यू.एन.एस.सी.)

- यह संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के साथ ही संयुक्त राष्ट्र में नए सदस्यों को स्वीकार करने का कार्य सौंपा गया है।

- यह संयुक्त राष्ट्र के विशेषाधिकारों में किसी भी प्रकार के बदलाव को मंजूरी प्रदान करने में भी मदद करेगा।
- इसकी शक्तियों में शांतिपूर्ण संस्थानों की स्थापना करना, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों की स्थापना करना और सुरक्षा परिषद प्रस्तावों के माध्यम से सैन्य कार्रवाई का प्राधिकरण करना शामिल हैं।
- यह सदस्य राष्ट्र का एकमात्र निकाय है जिसे सदस्य राष्ट्रों को अनिवार्य प्रस्ताव जारी करने का अधिकार प्राप्त है।
- सुरक्षा परिषद में पंद्रह सदस्य (5 स्थायी + 10 गैर स्थायी) होते हैं।
- दस (10) गैर-स्थायी सदस्यों को दो वर्ष के कार्यकाल के लिए क्षेत्रीय आधार पर चुना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

3. विश्व आद्रभूमि दिवस 2019: "आद्रभूमि एवं जलवायु परिवर्तन"
- विश्व आद्रभूमि दिवस 2019, 2 फरवरी को "आद्रभूमि एवं जलवायु परिवर्तन" की थीम के साथ मनाया गया है।
- इसे 2 फरवरी, 1971 को आद्रभूमि समझौते पर हस्ताक्षर करने का जश्न मनाने के लिए मनाया गया था, इसे रामसर सम्मेलन भी कहते हैं क्योंकि यह कैस्पियन सागर के तट पर ईरानी शहर रामसर में मनाया गया था।
- रामसर सम्मेलन के दो उद्देश्य, आद्रभूमि का संरक्षण एवं सतत उपयोग करना और आद्रभूमि के अतिक्रमण एवं नुकसान को रोकना हैं।

आद्रभूमि

- आद्रभूमि, पानी के साथ दलदली अथवा पीटलैंड क्षेत्र हैं जो समुद्री जल के क्षेत्रों सहित स्थिर या बहते हुए, ताजा, खारे अथवा नमकीन पानी के क्षेत्र हो सकते हैं।
- ये स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के मध्य संक्रमण क्षेत्र हैं, जैसे मैंग्रोव, झील तट (झीलों के उच्चतम और निम्नतम जल स्तर के मध्य का सीमांत क्षेत्र), बाढ़ के मैदान (प्राकृतिक तटबंधों से ऊपर नदी प्रणालियों के आसन्न आने

वाले क्षेत्र और नदी में उच्च निर्वहन के दौरान आवर्तिक रूप से बाढ़ग्रस्त रहने वाले क्षेत्र) और अन्य दलदली अथवा धसाऊ क्षेत्र हैं।

- जलयुक्त मिट्टी, अनुकूलित वनस्पति (जलोद्भिद) और नम मिट्टी (पर्याप्त ऑक्सीजन न होना), आर्द्रभूमि की मुख्य विशेषताएं हैं।
- भारत में कुल 27,403 वर्ग कि.मी. आर्द्रभूमि हैं, जिनमें से 23,444 वर्ग कि.मी. अंतर्देशीय आर्द्रभूमि हैं और 3,959 वर्ग कि.मी. तटीय आर्द्रभूमि है।
- देश के 18.4% क्षेत्र पर आर्द्रभूमि हैं, जिनमें से 70% आर्द्रभूमि पर धान की खेती की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. मेरे भारत को जानें कार्यक्रम

- राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव संघ (एन.एफ.सी.एच.), बेंगलूर में शुरू होने वाले मेरे भारत को जानें कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले समय में सांप्रदायिक हिंसा का शिकार हो चुके 15 से 22 वर्ष के आयु वर्ग के 42 युवाओं के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन कर रहा है।
- इसका उद्देश्य एकता, भाईचारा और राष्ट्रीय एकता का संवर्धन करने के लिए देश के विभिन्न राज्यों/ क्षेत्रों के फाउंडेशनों के आर्थिक रूप से सहायता प्राप्त बच्चों को एक साथ लाना है।
- यह कार्यक्रम प्रमुख रूप से देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले लोगों के वातावरण, पारिवारिक जीवन, सामाजिक रीति-रिवाजों आदि से परिचित होने, देश की सामान्य ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की समझ विकसित करने के संदर्भ में है।

संबंधित जानकारी

एन.एफ.सी.एच.

- एन.एफ.सी.एच., गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

- 5. खानाबदोश समुदायों के कल्याण हेतु एक नए पैनल का गठन किया जाएगा।

- केंद्र खानाबदोश, अर्द्ध घुमंतू और गैर-अधिसूचित समुदायों हेतु एक कल्याण पैनल का गठन करेगा।
- गैर-अधिसूचित, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू समुदायों, विशेषकर आजीविका की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमने वाले लोगों की पहचान के कार्य को पूरा करने हेतु इस समिति का गठन नीति अयोग के अंतर्गत किया जाएगा।
- यह समिति, रेनके आयोग और आइडेट आयोग के कार्यों का अनुसरण करेगी।
- मुश्किल से पहुँच प्राप्त इन समुदायों के लिए कार्यक्रमों को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय के अंतर्गत एक कल्याण विकास बोर्ड भी स्थापित किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण समिति

स्रोत- द हिंदू

- 6. केरल ने दवा मूल्य निगरानी इकाई की स्थापना की है।

- केरल, औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश (डी.पी.सी.ओ.) के अंतर्गत आवश्यक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कीमतों के उल्लंघन का पता लगाने के लिए मूल्य निगरानी एवं अनुसंधान इकाई (पी.एम.आर.यू.) स्थापित करने वाला पहला राज्य बन गया है।

चिंता

- फार्मा कंपनियों पर डी.पी.सी.ओ. द्वारा निर्धारित अनुसूचित श्रेणी में दवाओं की कीमतों का अधिक मूल्य लगाने का आरोप लगाया गया है और इसके दायरे से बाहर की दवाओं के मूल्य और भी अधिक हैं।

मूल्य निगरानी अनुसंधान इकाई

- राज्य स्वास्थ्य सचिव, इस सोसाइटी के अध्यक्ष होंगे और दवा नियंत्रक इसके सदस्य सचिव होंगे।
- इसके सदस्यों में राज्य सरकार के प्रतिनिधि, निजी दवा कंपनियों के प्रतिनिधि और उपभोक्ता अधिकार संरक्षण मंच के प्रतिनिधि से शामिल होंगे।

- यह नया प्रहरी राज्य दवा नियंत्रक और एन.पी.पी.ए. को दवाओं की अधिसूचित कीमतों की निगरानी करने, डी.पी.सी.ओ. के प्रावधानों के उल्लंघन का पता लगाने, कीमत के अनुपालन की जांच करने, दवाओं के परीक्षण नमूने एकत्र करने और अनुसूचित दवाओं साथ ही गैर-अनुसूचित फार्मूलेशन के बाजार आधारित जानकारी का एकत्रीकरण और संकलन करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

नोट: दवा कीमतों की निगरानी करने के लिए एन.पी.पी.ए. और राज्य दवा नियंत्रक और राज्य ड्रग इंस्पेक्टरों के मध्य फील्ड-स्तरीय लिंक की कमी के परिणामस्वरूप पी.एम.आर.यू. स्थापित करने का सुझाव दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. ऋषि कुमार शुक्ला को सी.बी.आई. निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है।

- ऋषि कुमार शुक्ला को नए सी.बी.आई. निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

सी.बी.आई. निदेशक की नियुक्ति कैसे की जाती है?

- सी.बी.आई. ने 1946-दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम (डी.एस.पी.ई.) से अपनी वैधता का निर्माण किया है।
- सी.बी.आई. की अग्रदूत विशेष पुलिस प्रतिष्ठान था, जो भ्रष्टाचार की जांच करने वाली भारत की पहली संस्था थी। इसकी स्थापना वर्ष 1946 में अंग्रेजों द्वारा की गई थी।
- लोकपाल अधिनियम के बनने से पहले सी.बी.आई. निदेशक की नियुक्ति डी.एस.पी.ई. अधिनियम द्वारा की जाती थी।
- अब लोकपाल अधिनियम, सी.बी.आई. निदेशक की नियुक्ति को नियंत्रित करता है।
- सी.बी.आई. निदेशक की नियुक्ति केंद्र द्वारा एक खोज समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाती है, इस खोज समिति के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं, भारत के मुख्य न्यायाधीश और विपक्ष के नेता भी समिति में शामिल होते हैं।

- भारत के मुख्य न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को नामित कर सकते हैं यदि वह खोज समिति की बैठक में शामिल नहीं होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. प्रतिष्ठित बौद्ध प्रतिमा पर दुर्लभ कलाकृतियां, भारत-भूटान संबंधों का जश्न मनाती हैं।

- दुर्लभ कलाकृतियों की प्रदर्शनी के साथ ही गुरु पद्मसंभव के जीवन और विरासत पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। गुरु पद्मसंभव को प्रायः द्वितीय बौद्ध कहा जाता है। यह सम्मेलन भारत, नेपाल और भूटान के प्रतिष्ठित विद्वानों को एक साथ एकत्र करता है।
- इस सम्मेलन का शीर्षक "गुरु पद्मसंभव का जीवन और विरासत" है।
- यह सम्मेलन भारत और भूटान के मध्य 50 साल के राजनयिक संबंधों का भी जश्न मनाता है।

संबंधित जानकारी

पद्मसंभव

- गुरु पद्मसंभव को द्वितीय बुद्ध के रूप में जाना जाता है क्योंकि कि उन्होंने पूर्वोत्तर भारत, नेपाल, भूटान और तिब्बत सहित हिमालय क्षेत्र में बौद्ध धर्म और बौद्ध शिक्षाओं को फैलाने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- तिब्बती में, गुरु पद्मसंभव को सामान्यतः गुरु रिनपोचे के रूप में जाना जाता है, जिसका अर्थ "अनमोल गुरु" होता है।
- उन्होंने भारत, भूटान, तिब्बत और नेपाल में कई यात्राएं की थीं।
- थांगका चित्रकारी, मूर्तियां और तस्वीरें, गुरु के जीवन और शिक्षाओं को दर्शाती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. महाराष्ट्र में "गुलाबी क्रांति" शांतिपूर्ण ढंग से स्थापित हो रही है।

- महाराष्ट्र में "गुलाबी क्रांति" शांतिपूर्ण ढंग से स्थापित हो रही है।

- इसका उद्देश्य आबादी के एक बड़े हिस्से में जो सस्ते मांस तक पहुँच से वंचित हैं, प्रोटीन की कमी की समस्या का समाधान करने हेतु आयातित सूअरों का उत्पादन करना है, इसके अतिरिक्त यह किसानों को आजीविका भी प्रदान करेगा।
- गुलाबी क्रांति का उद्देश्य 5-6 वर्षों की अवधि में पाँच लाख उच्च-गुणवत्ता वाले सूअर पैदा करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

10. ईरान के साथ व्यापार करने के लिए ब्रिटेन, फ्रांस और यू.के. ने "इंस्टेक्स" नामक फर्म बनायी है।
- तीन प्रमुख यूरोपीय सहयोगियों ने विनिमय व्यापार के समर्थन में उपकरण के रूप में वित्तीय तंत्र, इंस्टेक्स नामक नई कंपनी को शुरू की थी, यह प्रत्यक्ष वित्तीय हस्तांतरणों अथवा डॉलर का उपयोग किए बिना ईरानी और विदेशी कंपनियों के मध्य उत्पादों के विनिमय को अनिवार्य रूप से स्वीकृति प्रदान करेगी।
- इंस्टेक्स, जो कि फ्रांस में पंजीकृत थी और तकनीकी रूप से एक विशेष प्रयोजन वाहन के रूप में जानी जाती है, यह तीन देशों द्वारा संयुक्त रूप से वित्तपोषित होगी और एक जर्मन बैंकर द्वारा संचालित की जाएगी।

संबंधित जानकारी

- राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान परमाणु समझौते से बाहर निकाले जाने और पिछले वर्ष दंडात्मक बैंकिंग प्रतिबंधों को फिर से लागू करने के बाद, यूरोपीय नेताओं ने तेहरान को विश्व के शेष देशों के साथ व्यापार करने में सक्षम बनाने का तरीका खोजने का निर्णय किया था।
- यूरोपीय देशों- ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी- वर्ष 2015 में ईरान समझौते के लिए सभी हस्ताक्षरकर्ता थे, राष्ट्रपति ओबामा के नतुत्व में अमेरिका भी इस संधि का हस्ताक्षरकर्ता था। रूस और चीन के साथ-साथ यूरोपीय, जो हस्ताक्षरकर्ता भी थे, ने समझौते की शर्तों को बनाए रखने की कसम खाई थी, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि ईरान परमाणु हथियार का निर्माण नहीं कर सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर -2- अंतर्राष्ट्रीय घटनाएं

स्रोत- टी.ओ.आई.

05.02.2019

1. केंद्र ने एंजेल टैक्स मुद्दे की जांच करने हेतु एक पैनल का गठन किया है।
- सरकार ने एंजेल टैक्स मुद्दे की जांच करने और दिशानिर्देश जारी करने हेतु एक पांच-सदस्यीय कार्यकारी समिति का गठन करने का निर्णय लिया है।
- पैनल ने इस मुद्दे के बारे में स्टार्ट-अप द्वारा अनुरोध किए गए कुछ प्रमुख परिवर्तनों को लागू करने पर भी सहमति जताई है।

कुछ प्रमुख परिवर्तन

- पिछली अधिसूचना के अनुसार, वे स्टार्ट-अप्स जिनके पास शेयर के प्रस्तावित मुद्दे के बाद भुगतान की गई शेयर पूंजी और शेयर प्रीमियम की कुल धनराशि 10 करोड़ से अधिक नहीं है, वे टैक्स से छूट के पात्र हैं, लेकिन अब सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारी इस सीमा को बढ़ाकर 25 करोड़ करने पर सहमत हैं।
- वे स्टार्ट-अप की परिभाषा को संशोधित करने के लिए भी सहमत हैं, अब स्टार्ट-अप में 7 वर्ष की पिछली सीमा के बजाय 10 वर्ष तक संचालन करने वाली कंपनियां भी शामिल की जाएंगी।
- इससे पहले एंजेल निवेशक को उस वर्ष के लिए कम से कम 50 लाख रूपए का आयकर रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य था जिसके पिछले वर्ष निवेश किया गया था और परिणामी मूल्य 2 करोड़ था। अब इसे क्रमशः 25 लाख और 1 करोड़ में संशोधित किया जाएगा।

एंजेल टैक्स

- यह एक गैर-सूचीबद्ध कंपनी द्वारा उन शेयरों के उचित बाजार मूल्य से अधिक के शेयरों के मुद्दे के माध्यम से कमाई गई अतिरिक्त पूंजी पर टैक्स है।
- इस अतिरिक्त पूंजी को आय के रूप में माना जाता है और उसी के अनुसार टैक्स लगाया जाता है।

- यह टैक्स सबसे अधिक स्टार्ट-अप और उन्हें समर्थन प्रदान करने वाले एंजेल निवेशकों को प्रभावित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थव्यवस्था

स्रोत- द हिंदू

2. **96 हाथी गलियारों को सुरक्षित करने हेतु दान**
 - एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, झारखंड, यू.पी., असम, पश्चिम बंगाल, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड में सात हाथी गलियारों भूमि उपयोग परिवर्तन के कारण पहले से ही बुरी हालत में हैं।
 - इस समस्या से निपटने के लिए एशियाई हाथी संधि, पाँच एन.जी.ओ. हाथी परिवारों, अंतर्राष्ट्रीय पशु कल्याण निधि, आई.यू.सी.एन. नीदरलैंड और विश्व भूमि ट्रस्ट द्वारा शुरू की गई एक छत्रीय पहल ने इस संधि में डब्ल्यू.टी.आई के साथ साझेदारी की है।
 - ये भारत के 12 राज्यों में हाथियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मौजूदा 101 गलियारों में से 96 को सुरक्षित करने के लिए एक साथ आए हैं।
 - ये संयुक्त उद्यम हैं जिनका उद्देश्य अगले दस वर्षों में नए और पुराने, 96 शेष हाथी गलियारों का संरक्षण करना है।
 - वर्ष 2012-15 के अध्ययन में डब्ल्यू.टी.आई. द्वारा 101 हाथी गलियारों की पहचान की गई थी, जिनमें से पांच- मेघालय में दो और असम, केरल और कर्नाटक में एक-एक गलियारा, राज्य सरकार के समर्थन और संरक्षण साझेदारों की सहायता से डब्ल्यू.टी.आई. (भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट) द्वारा पहले से ही संरक्षित किया गया है।

भारतीय हाथी

- यह एशियाई हाथी की तीन मान्यता प्राप्त उप-प्रजातियों में से एक है और ये मुख्य भूमि एशिया के मूल निवासी है।
- एशियाई हाथी को आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- वर्ष 1940 से 1930 के दशक में अर्थात तीन हाथी पीढ़ियों से वन जनसंख्या में कम से कम 50% की कमी हुई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

3. **किसानों के लिए उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु उड़ीसा की कालिया छात्रवृत्ति योजना**
 - उड़ीसा के मुख्यमंत्री ने "कालिया छात्रवृत्ति योजना" नामक योजना की शुरुआत की है।
 - यह योजना कियोझर जिले में कृषक आजीविका एवं आय आवर्धन सहायता (कालिया) के अंतर्गत किसानों के बच्चों के लिए है।
 - यह किसानों के बच्चों के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने में मदद करेगी।
 - इस योजना के अंतर्गत, लाभार्थियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में निशुल्क उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

4. **सिंधु नदी डॉल्फिन, पंजाब का राज्य जलीय पशु है।**
 - हाल ही में पंजाब ने लुप्तप्राय सिंधु नदी डॉल्फिन- विश्व के सबसे दुर्लभ स्तनधारियों में से एक को राज्य के जलीय पशु के रूप में घोषित किया है।

संबंधित जानकारी

सिंधु नदी डॉल्फिन

- यह दूसरी सबसे अधिक लुप्तप्राय ताजे पानी की नदी की डॉल्फिन है।
- वर्तमान में पाकिस्तान के सिंधु में इन मछलियों की संख्या लगभग 1,800 रह गई है।
- सिंधु नदी डॉल्फिन, ताजे पानी की जलीय स्तनपायी हैं जो केवल पंजाब के बीस में पाई जाती हैं।
- यह खतरनाक पशुओं की आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध है और इसका अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय लुप्तप्राय प्रजाति व्यापार सम्मेलन (सी.आई.टी.ई.एस.) के परिशिष्ट I के अंतर्गत सूचीबद्ध होने के कारण प्रतिबंधित कर दिया गया है।

- सिंधु डॉल्फिन, गंगीय नदी डॉल्फिन के समान कार्यात्मक रूप से अंधी होती है और नदी के मटमैले पानी में शिकार करने, संचार करने और नेवीगेट करने हेतु इकोलोकेशन पर निर्भर करती है।

गंगीय डॉल्फिन

- गंगीय डॉल्फिन, भारत में एकमात्र जीवित ताजे पानी की डॉल्फिन है।
- गंगीय डॉल्फिन गंगा नदी, ब्रह्मपुत्र, मेघना और कर्णफुली- सांगु, नेपाल, भारत और बांग्लादेश में नदी प्रणालियों में पाई जाती हैं।
- गंगीय डॉल्फिन की आई.यू.सी.एन. स्थिति लुप्तप्राय है।
- गंगीय डॉल्फिन, भारत का राष्ट्रीय जलीय पशु है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. नेत्रहीनों के लिए ब्रेल मतदाता पर्ची

- भारतीय निर्वाचन आयोग, लोकसभा चुनाव 2019 में दृष्टिहीन और नेत्रहीन मतदाताओं के लिए ब्रेल मतदाता पर्ची जारी करेगा।
- यह 'सुलभ चुनाव' के लिए अपने रणनीतिक ढांचे का हिस्सा है, आयोग ने सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से कहा है कि वे नेत्रहीन अथवा दृष्टिबाधित मतदाताओं को ब्रेल लिपि के साथ सुलभ फोटो मतदाता पर्ची जारी करें।
- इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में पहले से ही ब्रेल सुविधा उपलब्ध है।

संबंधित जानकारी

- सुलभ चुनावों पर रणनीतिक रूपरेखा, भारत निर्वाचन आयोग और भारत सरकार के विकलांग व्यक्ति सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का संकलन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

6. नासा ने बौनी आकाशगंगा की खोज की है।

- नासा के हबल दूरदर्शी ने मिल्की वे आकाशगंगा के पड़ोस में एक बौनी आकाशगंगा की खोज की है।

- खगोलविदों द्वारा बौनी आकाशगंगा को 'बेदिन 1' नाम दिया गया है।
- यह एक मामूली आकार की लम्बी आकाशगंगा है।
- यह अपनी सबसे बड़ी सीमा में लगभग 3000 प्रकाश-वर्षों को मापता है जो मिल्की वे के आकार का एक अंश है।
- "बौनी आकाशगंगा", आकाशगंगा के लिए प्रयोग किया जाने वाला एक सामान्य शब्द है जो आकार में धुंधली और छोटे आकार की होती हैं और इनमें प्रकाश की कमी होती है, धूल की कमी और पुरानी तारकीय आबादी होती है।
- बौना आकाशगंगा, एन.जी.सी. 6752 के भीतर केवल 30 मिलियन प्रकाश वर्ष दूरी पर खोजी गई है।

महत्व

- इसके सितारों के गुणों से वैज्ञानिक यह अनुमान लगाने में सक्षम हैं कि आकाशगंगा लगभग 13 बिलियन वर्ष पुरानी है- लगभग ब्रह्मांड जितनी पुरानी है।
- इसके पृथक्करण के कारण प्रारंभिक ब्रह्मांड को समझने में बेदिन 1 मददगार साबित होगा।

ग्लोबुलर क्लस्टर:

- ग्लोबुलर क्लस्टर, पुराने सितारों का एक बड़ा समूह है जो सममित और कुछ गोलाकार रूप में मजबूती से बंधे हुए हैं।
- ग्लोबुलर क्लस्टर, बेहद चमकदार वस्तुएं हैं और इनमें हजारों से लाखों तारे हो सकते हैं।

संबंधित जानकारी

नासा की महान वेधशालाएँ

1. हबल अंतरिक्ष दूरदर्शी

- कार्यक्रम का पहला तत्व और यकीनन सबसे अच्छा ज्ञात तत्व हबल अंतरिक्ष दूरदर्शी (एच.एस.टी.) है।
- हबल दूरदर्शी को 1990 में नासा स्पेस शटल द्वारा तैनात किया गया था।
- यह यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के योगदान के साथ नासा द्वारा बनाया गया था।

2. द कॉम्पटन गामा किरण वेधशाला (सी.जी.आर.ओ.)

- यह नासा की महान वेधशालाओं में से दूसरी है।
- इस मिशन ने ब्रह्माण्ड की कुछ सबसे हिंसक भौतिक प्रक्रियाओं पर डेटा एकत्र किया है जिसमें उनकी अत्यधिक ऊर्जा की विशेषता थी।

3. चन्द्र एक्स-रे वेधशाला

- यह तीसरी महान वेधशाला है।
- यह वेधशाला ई.एम. स्पेक्ट्रम के एक्स-रे के पूरे भाग में ब्लैक होल, क्वासर और उच्च तापमान गैसों जैसी वस्तुओं को अवलोकन करती है।

4. स्पिट्जर अंतरिक्ष दूरदर्शी

- स्पिट्जर स्पेस दूरदर्शी, नासा के महान वेधशाला कार्यक्रम में चौथे और अंतिम तत्व का प्रतिनिधित्व करता है।
- स्पिट्जर को आधार-ऊष्मा अवरक्त से उपलब्ध नहीं तरंगदैर्घ्य कवरेज में एक महत्वपूर्ण अंतर में रखा जाता है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत-इंडियन एक्सप्रेस

7. केरल की ग्राम बाजरा योजना

- केरल सरकार ने राज्य के अन्य जिलों में ग्राम बाजरा योजना का विस्तार करने का निर्णय लिया है।
- बाजरा ग्राम योजना, सबसे पहले केरल के पलक्कड़ जिले के अट्टापड्डी में शुरू की गई थी।
- बाजरा ग्राम योजना के अंतर्गत, सरकार ने रागी (उंगली बाजरा), थिना (कँगनी), चोलम (चारा) और कुथिरवाली (बरनीदार बाजरा) की फसल को बढ़ावा दिया जाएगा।
- इस परियोजना का उद्देश्य बाजरा की पारंपरिक किस्मों का संरक्षण करना और आदिवासियों के लिए खाद्य सुरक्षा और आजीविका को सुनिश्चित करना है।
- यह योजना किसानों को बाजरा की फसलों की खेती करने हेतु वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है।

संबंधित जानकारी

भारत में बाजरा उत्पादन

- बाजरा की खेती कम उपजाऊ भूमि, पहाड़ी, आदिवासी और वर्षा आधारित क्षेत्रों में की जाती है।
- इन क्षेत्रों में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना शामिल हैं।
- बाजरा को 'पोषक-अनाज' के रूप में भी जाना जाता है और इसमें उच्च प्रोटीन सामग्री होती है और इसकी खेती हेतु छोट मौसमी सीजन, जलवायु परिवर्तन लचीलापन और कम पानी की आवश्यकता होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. असम में मंदिरों ने कछुए के विलुप्त होने का निवारण किया है।

- हाल ही में असम और बांग्लादेश के कुछ मंदिर तालाबों में काले रंग के सॉफ्टशेल कछुए लाए गए हैं।

संबंधित जानकारी

- काला सॉफ्टशेल कछुए, भारत (असम) और बांग्लादेश (चटगांव और सिलहट) में पाए जाने वाले ताजे पानी के कछुए की एक प्रजाति है।
- आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट में काले सॉफ्टशेल कछुए के आंकड़े "जंगल में विलुप्त" के रूप में सूचीबद्ध हैं।
- भारत में कछुओं की 28 प्रजातियाँ हैं, जिनमें से 20 प्रजातियाँ असम में पाई जाती हैं।
- लेकिन कछुए के मांस और अंडों की खपत, तलछट खनन, आर्द्रभूमि का अतिक्रमण और बाढ़ प्रारूपों में बदलाव के राज्य की कछुआ आबादी पर विनाशकारी प्रभाव पड़े हैं।
- दुर्भाग्यवश असम में पाई जाने वाली प्रजातियों में से 70% प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

9. 'ऑपरेशन स्माइल' के अंतर्गत हैदराबाद में 325 बाल मजदूरों को बचाया गया है।

ऑपरेशन स्माइल

- लापता बच्चों का पता लगाने के लिए इस वर्ष 1 जनवरी को ऑपरेशन स्माइल शुरू किया गया था।
- एक महीने-लंबे इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल श्रमिकों, दान-दक्षिणा के लिए भिक्षा माँगने वाले बच्चों को इस चंगुल से छुड़ाना है।

टॉपिक- जी.एस.-2- गर्वनेस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

06.02.2019

1. इसरो द्वारा जीसैट-31 लॉन्च किया गया

- इसरो ने अपने 40वें संचार उपग्रह जीसैट -31 को फ्रेंच गुयाना के स्पेसपोर्ट से सफलतापूर्वक लॉन्च किया है।
- यह उपग्रह 15 वर्षों के मिशन जीवनकाल के साथ कुछ इन-ऑर्बिट उपग्रहों पर परिचालन सेवाओं को निरंतरता प्रदान करेगा और भू-स्थिर कक्षा में के.यू.-बैंड ट्रांसपोंडर क्षमता को बढ़ाएगा।
- इस उपग्रह का भार लगभग 2,535 किलोग्राम है, इस उपग्रह को फ्रेंच गुयाना में कोरुओ से आरियान -5 (वी.ए. 247) पर लॉन्च किया गया था।

अनुप्रयोग

- यह उपग्रह, भारतीय मुख्य भूमि और द्वीप का कवरेज प्रदान करता है।
- जीसैट -31 का उपयोग वीसैट नेटवर्क, टेलीविजन अपलिक, डिजिटल उपग्रह समाचार सभा, डी.टी.एच. टेलीविजन सेवाओं, सेलुलर बैकहॉल कनेक्टिविटी और ऐसे कई अनुप्रयोगों के समर्थन के लिए किया जाएगा।
- यह उपग्रह वाइडबैंड ट्रांसपोंडर का प्रयोग करते हुए अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर के बड़े हिस्से से मिलकर बने व्यापक समुद्री क्षेत्र पर संचार की सुविधा प्रदान करने हेतु व्यापक बीम कवरेज प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डी.डी.न्यूज

2. भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम को मिनीरत्न श्रेणी (श्रेणी II) के अंतर्गत विजेता के रूप में चुना गया है।

- भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम को एम.एस.एम.ई. मंत्रालय द्वारा मिनीरत्न श्रेणी (श्रेणी II) के अंतर्गत विजेता के रूप में चुना गया है।
- यह एम.एस.एम.ई. मंत्रालय द्वारा एस.सी./एस.टी. उद्यमियों के संवर्धन की दिशा में उनके अनुकरणीय कार्य को मान्यता प्रदान करते हुए चुनिंदा सी.पी.एस.ई. को सम्मानित करने के प्रयास के हिस्से के रूप में किया गया है।

एन.एफ.डी.सी. (राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड)

- इसका गठन भारत सरकार द्वारा और इसे वर्ष 1975 में निगमित किया गया था।
- इसे भारतीय फिल्म उद्योग के व्यवस्थित, कुशल और एकीकृत विकास की योजना बनाने और बढ़ावा देने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ निगमित किया गया था।
- विभिन्न भारतीय भाषाओं में इन फिल्मों की व्यापक रूप से प्रशंसा की गई है और इन्हें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

3. राष्ट्रीय वयोश्री योजना

- यह योजना वर्ष 2017 में सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी।
- इस योजना का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों, बी.पी.एल. श्रेणी से संबंधित और आयु से संबंधित विकलांगता/ दुर्बलताओं से पीड़ित लोगों को ऐसे भौतिक उपाय और सहायक जीवित उपकरण प्रदान करना है जो उनके शारीरिक कार्यों में लगभग सामान्य स्थिति को पुनः वापस ला सकते हैं।
- इस योजना के अंतर्गत लाभार्थी वरिष्ठ नागरिकों को बेंत, एल्बो क्रचेज, वॉकर/ बैसाखी, ट्राइपोड्स/ क्वाड्रॉप्स, श्रव्य सहायक उपकरण, व्हीलचेयर, कृत्रिम दांतों की पंक्ति और नजर के चश्मे जैसे सहायक जीवित उपकरण निशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

- यह योजना एकमात्र कार्यान्वयन संस्था, एस.जे. एवं ई. मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम “कृत्रिम अंग विनिर्माण निगम (एलिम्को)” के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है।
- 80 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को उनके घर पर यह उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – समाज के कमजोर वर्ग हेतु योजनाएं

स्रोत-पी.आई.बी.

4. पी.एम.-जे.ए.वाई. ऐप

- पी.एम.-जे.ए.वाई. ऐप, केंद्रीय मंत्री द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लॉन्च किया गया है।
- यह ऐप उपयोगकर्ताओं की योजना के बारे में जानकारी की आसान पहुँच प्राप्त करने, पात्रता की जांच करने, नजदीकी अस्पतालों को खोजने और सहायता प्राप्त करने में मदद करता है।
- यह ऐप आयुष्मान भारत पी.एम.-जे.ए.वाई. पर सभी महत्वपूर्ण जानकारी को प्राप्त करने और उससे जुड़ने का तरीका प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. बुलेट ट्रेन को फ्लेमिंगो हेवन, राष्ट्रीय उद्यान से स्वीकृति मिल गई है।

- हाल ही में, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री की अध्यक्षता में एक समिति ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर को वन्यजीव स्वीकृति प्रदान की है, यह कॉरिडोर, फ्लेमिंगो (राजहंस) अभयारण्य और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के कुछ भूभाग का प्रयोग करता है, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, मुंबई में तेंदुओं का निवास स्थान है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एम.ए.एच.आर.ए.एस.) कॉरिडोर

- यह परियोजना, भारत की पहली "बुलेट ट्रेन" परियोजनाओं में एक है, जिसका अनावरण सितंबर, 2017 में अहमदाबाद में प्रधानमंत्री और उनके जापानी समकक्ष शिंजो अबे ने किया था।

- इसके वर्ष 2022 तक तैयार होने की उम्मीद है।
- यह ट्रेन साबरमती (गुजरात) से बांद्रा (मुंबई, महाराष्ट्र) तक 508 कि.मी. से अधिक की दूरी को 320 कि.मी./घंटे की उच्च गति से लगभग 2.58 घंटे में तय करेगी, समान दूरी को तय करने में वर्तमान में 7-8 घंटे का समय लगता है।
- इस परियोजना में, जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संस्था (जे.आई.सी.ए.) द्वारा लगभग 80% लागत धनराशि 0.1% प्रति वर्ष की ब्याज दर पर एक सॉफ्ट ऋण के रूप में प्रदान की जाएगी।
- यह ऋण जापान को 50 वर्षों की अवधि में 15 वर्ष की छूट अवधि के साथ चुकाया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र एवं विकास

स्रोत- द हिंदू

6. लोकसभा चुनावों के लिए वी.वी.पी.ए.टी. का 100% उपयोग किया जाएगा: ई.सी.

- चुनाव आयोग ने मद्रास उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि उसने वर्ष 2017 में यह स्पष्ट कर दिया था कि लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान मतदाता निरीक्षण पेपर ऑडिट परीक्षण (वी.वी.पी.ए.टी.) प्रणाली का 100% उपयोग किया जाएगा।
- चुनाव आयोग की वी.वी.पी.ए.टी. मशीनों के उपयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराए जाने की उम्मीद है।

संबंधित जानकारी

मतदाता निरीक्षण पेपर ऑडिट परीक्षण (वी.वी.पी.ए.टी.)

- वी.वी.पी.ए.टी. प्रणाली में जब कोई मतदाता इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) में अपनी पसंद के उम्मीदवार के लिए बटन दबाता है तो मतदाता के लिए एक मतपत्र निकलता है जिसमें क्रम संख्या, उम्मीदवार का नाम और चुनाव चिन्ह होता है।
- मतदाता, सात सेकंड तक मतदाता निरीक्षण पेपर ऑडिट परीक्षण पर्ची देख पाएंगे, जिसके बाद इसे यह एक सील बंद बॉक्स में जमा की जाएगी।
- वी.वी.पी.ए.टी. मशीनों को एक स्वतंत्र सत्यापन प्रणाली के रूप में संदर्भित किया जा सकता है क्योंकि यह-

- मतदाताओं को यह सत्यापित करने की अनुमति देती है कि उनका मत सही तरीके से डाला गया है,
- संभावित चुनाव धोखाधड़ी अथवा खराबी का पता लगाती है और
- संग्रहीत इलेक्ट्रॉनिक परिणामों को ऑडिट करने का माध्यम प्रदान करती है

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. रूस, वर्ष 2021 तक अमेरिका का मुकाबला करने के लिए नई मिसाइल प्रणाली विकसित करेगा।

- रूस ने राष्ट्रपति ट्रम्प की घोषणा की प्रतिक्रिया में घोषणा की है कि वह दो नई भूमि-आधारित मिसाइल लॉन्च प्रणाली विकसित करने की योजना बना रहा है, ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका ऐतिहासिक परमाणु हथियार संधि से बाहर हो जाएगा।
- मास्को ने अमेरिका के विकास का मुकाबला करने के क्रम में अपनी मिसाइल क्षमताओं में वर्ष 2021 तक इस प्रणाली को विकसित करने का इरादा जताया है।
- अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में अमेरिका और अन्य ने रूस पर संधि का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जो वर्ष 2014 से 300 से 3,400 मील की दूरी की परमाणु एवं पारंपरिक जमीन से लांच की जाने वाली मिसाइलों को यूरोप में तैनात करने हेतु प्रतिबंधित है।

संबंधित जानकारी

मध्यम दूरी परमाणु बल (आईएनएफ) संधि

- 1987 में अमेरिकी राष्ट्रपति रонаल्ड रीगन और रूसी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के बीच आई.एन.एफ. संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- संधि का उद्देश्य शीत युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका और यू.एस.एस.आर. के बीच हथियारों की दौड़ को समाप्त करने और यूरोप में थोड़ी रणनीतिक स्थिरता को सुनिश्चित करना था।

- आई.एन.एफ. संधि ने 500-5,000 कि.मी. के बीच दूरी वाले लघु और मध्यम श्रेणी के ग्राउंड-लांच परमाणु मिसाइलों के विकास, परीक्षण और अधिकार पर प्रतिबंध लगा दिया।
- इसके साथ ही, 500-1,000 कि.मी. (छोटी दूरी) और 1000-5,500 कि.मी. (मध्यम दूरी) के साथ सभी परमाणु और पारंपरिक मिसाइलों के साथ-साथ उनके लांचर प्रतिबंधित कर दिए गए थे।
- यह संधि यूरोप में किसी भी व्यापक स्तर के परमाणु युद्ध के विरुद्ध एक शक्तिशाली निवारक साबित हुई।

नई स्टार्ट (सामरिक शस्त्र कटौती संधि)

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका और रूसी संघ के बीच एक परमाणु हथियार कटौती संधि है जिसका औपचारिक नाम सामरिक हमलावर हथियारों की आगे की कटौती एवं बाध्यता के लिए उपाय है।
- इस संधि पर 8 अप्रैल 2010 में प्राग में हस्ताक्षर किए गए और अमुमोदन के बाद 5 फरवरी 2011 से यह लागू हो गयी।
- यह कम से कम 2021 तक चलने की उम्मीद है।
- नई स्टार्ट संधि ने माँस्को (एस.ओ.आर.टी.) संधि का स्थान लिया है, जो दिसम्बर 2012 में समाप्त होने जा रही थी।
- संधि की शर्तों के तहत, सामरिक परमाणु मिसाइल लांचरों की संख्या आधे से कम कर दी जाएगी।
- एस.ओ.आर.टी. तंत्र के स्थान पर, एक नई निरीक्षण और सत्यापन व्यवस्था स्थापित की जाएगी।
- यह रूसी और अमेरिकी हथियार खजानों में हजारों की संख्या में रहने वाले परिचालनीय निष्क्रिय स्टॉक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित नहीं करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2-अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

8. एन.टी.ए. स्टूडेंट्स ऐप

- राष्ट्रीय परीक्षण संस्था (एन.टी.ए.) ने हाल ही में एक 'मोबाइल ऐप' लॉन्च किया है जिसके माध्यम से छात्र अपने कंप्यूटर अथवा स्मार्टफोन पर अभ्यास कर सकते हैं अथवा मॉक टेस्ट दे सकते हैं।
- अब पूरे देश के छात्र टी.पी.सी. में जाने के लिए एन.टी.ए. वेबसाइट अथवा एन.टी.ए. स्टूडेंट्स ऐप पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय परीक्षण संस्था

- नवंबर, 2017 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में उच्च शिक्षण संस्थानों (एच.ई.आई.) के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए एक स्वायत्त और आत्मनिर्भर प्रमुख परीक्षण संगठन के रूप में राष्ट्रीय परीक्षण संस्था (एन.टी.ए.) के गठन को स्वीकृति प्रदान की है।
- इसकी अध्यक्षता एक शिक्षाविद् द्वारा की जाएगी जिसे एम.एच.आर.डी. द्वारा नियुक्त किया जाएगा।
- इस संस्था में बोर्ड ऑफ गवर्नर होगा जो सदस्य संस्थानों का प्रतिनिधित्व करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

9. समग्र शिक्षा अभियान

- विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने विद्यालय शिक्षा की एकीकृत योजना- समग्र शिक्षा शुरू की है। सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए.), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आर.एम.एस.ए.) और शिक्षक शिक्षा (टी.ई.) नामक तीन पूर्व केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं को इस योजना के अंतर्गत कर दिया है, यह नियम वर्ष 2018-19 से प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है।
- नई एकीकृत योजना विद्यालय शिक्षा की प्री-स्कूल से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक सतत रूप में परिकल्पना करती है।

- इसका उद्देश्य सभी स्तरों पर समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करना है।
- यह आर.टी.ई. अधिनियम, 2009 के कार्यान्वयन और शिक्षक शिक्षा संस्थानों को मजबूत करने में राज्यों का समर्थन करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सरकारी योजना

स्रोत-पी.आई.बी.

10. पालघर में 'अर्थकवेक स्वरम'

- उत्तरी महाराष्ट्र के पालघर जिले को छोटे भूकंपों की एक श्रृंखला ने हिलाकर रख दिया था।

संबंधित जानकारी

भूकंप का झुंड (अर्थकवेक स्वरम)

- एन.सी.एस. (राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र) ने असामान्य झटके को भूकंप के झुंड के रूप में वर्गीकृत किया है जो कम तीव्रता वाले भूकंपों की एक श्रृंखला है जो स्थानीय क्षेत्रों में घटित होती है और दिनों, हफ्तों और महीनों तक की अवधि तक जारी रह सकती है।
- जब भूकंपीय ऊर्जा पृथ्वी के भीतर इकट्ठी हो जाती है और निश्चित बिंदुओं से कम मात्रा में निकलती है तो भूकंप की श्रृंखला घटित हो सकती है।
- कभी-कभी, पृथ्वी की ये गड़गड़ाहट ध्वनिक अथवा ध्वनि उत्सर्जन के साथ भी घटित होती है।
- ये भूकंप आने के बाद वाले झटके से भिन्न होता है, अवलोकनों से यह ज्ञात हुआ है कि इस श्रृंखला में कोई भी भूकंप प्रमुख झटके के रूप में नहीं था।
- ऐसा माना जाता है कि ऐसा विवर्तनिक प्लेटों की गति के कारण होता है जो भारतीय प्रायद्वीप में एक सामान्य घटना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

11. शहरी समृद्धि उत्सव का शुभारंभ किया गया है।

- यह आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (एम.ओ.एच.यू.ए.) की एक पहल है।

- यह राष्ट्रीय प्रदर्शनी और नई दिल्ली में आयोजित की गई स्वयं सहायता समूह के उत्पादों और राष्ट्रीय स्ट्रीट फूड महोत्सव की सेल है।
- इसका उद्देश्य दीनदयाल अन्त्योदय मिशन-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डी.ए.वाई.-एन.यू.एल.एम.) की पहुँच का विस्तार करना है, यह पहल समाज के कमजोर वर्ग को प्रदर्शित करती है और अन्य सरकारी योजनाओं तक स्वयं सहायता समूहों (एस.एच.जी.) की पहुँच की सुविधा प्रदान करती है।

संबंधित जानकारी

दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डी.ए.वाई.-एन.यू.एल.एम.)

- यह केंद्रीय आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- इसका उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से स्थायी आजीविका के अवसरों को बढ़ाकर शहरी गरीबों का उत्थान करना है।
- इसके लक्षित लाभार्थी शहरी गरीब (सड़क विक्रेता, झोपड़पट्टी वाले, बेघर, कूड़ा बीनने वाले), बेरोज़गार और विकलांग हैं।
- यह प्रशिक्षण सदस्यों और हैंड होल्डिंग के लिए स्व-सहायता समूहों (एस.एच.जी.) के गठन के माध्यम से सामाजिक गतिशीलता और संस्था विकास भी प्रदान करता है, प्रत्येक समूह को 10, 000 रुपये का प्रारंभिक समर्थन प्रदान किया जाता है।
- यह शहरी गरीबों को सब्सिडी प्रदान करता है अर्थात 2 लाख रुपये तक के ऋण के साथ व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्यम की स्थापना के लिए और समूह उद्यमों के लिए 10 लाख रुपये तक की ऋण सीमा के साथ 5-7 प्रतिशत की ब्याज सब्सिडी प्रदान करता है।
- दीनदयाल अन्त्योदय योजना- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत ऋण के त्वरित प्रसंस्करण के लिए एक केंद्रीकृत इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म, पैसा पोर्टल लॉन्च किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

07.02.2019

1. भारत-नॉर्वे महासागर वार्तालाप पर भारत और नॉर्वे के मध्य समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत-नॉर्वे महासागर वार्तालाप पर भारत और नॉर्वे के मध्य समझौता जापन को मंजूरी प्रदान की है।

लाभ:

- यह समझौता जापन ब्लू इकोनॉमी के विकास से संबंधित पारस्परिक हित के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगा।
- ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में नॉर्वे एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता है और इसके पास मत्स्य पालन, हाइड्रोकार्बन, अक्षय ऊर्जा, समुद्री संसाधनों और समुद्री परिवहन का सतत दोहन जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता है।
- प्रस्तावित समझौता जापन निम्न क्षेत्रों में योगदान देगा:
 1. हाइड्रोकार्बन और अन्य समुद्री संसाधनों के दोहन जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर पैदा करने में,
 2. बंदरगाहों का प्रबंधन करने में,
 3. पर्यटन विकास में,
 4. मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर में नई प्रौद्योगिकियों के समावेशन के माध्यम से खाद्य सुरक्षा के उद्देश्य में योगदान देगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत-पी.आई.बी.

2. मंत्रिमंडल ने आयकर लोकपाल और अप्रत्यक्ष कर लोकपाल संस्थानों के उन्मूलन को मंजूरी प्रदान की है।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयकर लोकपाल और अप्रत्यक्ष कर लोकपाल संस्थानों के उन्मूलन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

- यह मंजूरी जनता द्वारा चुनी गई वैकल्पिक शिकायत निवारण तंत्र के परिणामस्वरूप प्रदान की गई है और लोकपाल संस्थान, शिकायत निवारण के नियमित मौजूदा समानांतर चैनलों की तुलना में अधिक प्रभावी साबित नहीं हो सकता है।

संबंधित जानकारी

आयकर लोकपाल संस्थान

- इसकी स्थापना वर्ष 2003 में आयकर से संबंधित शिकायतों के निपटान से संबंधित जनता की शिकायतों से निपटने हेतु की गई थी।
- हालांकि, लोकपाल संस्थान अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है।
- यह देखा गया कि नई शिकायत संस्था, पहले की तुलना में अधिक विफल रही है।
- इसके अतिरिक्त करदाताओं ने सी.पी.जी.आर.ए.एम.एस. (केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली), आयकर सेवा केंद्र आदि जैसे शिकायत निवारण के वैकल्पिक तरीकों को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. अनियमित जमा योजना विधेयक, 2018 पर प्रतिबंध लगाने हेतु संशोधन
 - केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त पर स्थायी समिति (एस.सी.एफ.) की सिफारिशों के मुताबिक अनियमित जमा योजना विधेयक, 2018 को प्रतिबंधित करने की अपनी मंजूरी प्रदान की है।
 - उद्देश्य- देश में अवैध जमा गतिविधियों के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटना और इस तरह की योजनाओं में गरीब और भोली-भाली जनता की बचत को लगने से रोकना है।

संबंधित जानकारी

अनियमित जमा योजना विधेयक, 2018 का प्रतिबंध

- यह निम्न के माध्यम से देश में अवैध जमा योजनाओं के खतरे से निपटने के लिए व्यापक कानून प्रदान करता है:

1. अनियमित जमा गतिविधियों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध;
2. अनियमित जमा योजना को बढ़ावा देने अथवा संचालित करने हेतु कठोर सजा;
3. जमाकर्ताओं को पुनर्भुगतान करने में धोखाधड़ी अपराधों हेतु सख्त सजा;
4. किसी जमा लेने वाले प्रतिष्ठान द्वारा की गई धोखाधड़ी के मामले में जमा धनराशि के पुनर्भुगतान को सुनिश्चित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा एक सक्षम प्राधिकरण की नियुक्ति करना;
5. सक्षम प्राधिकरण की शक्तियाँ और कार्य में धोखा करने वाले प्रतिष्ठान की संपत्ति को संलग्न करने की शक्ति भी शामिल है।
6. जमाकर्ताओं के पुनर्भुगतान और अधिनियम के अंतर्गत अपराधों की जांच करने हेतु न्यायालयों को नियुक्त करना;
7. विधेयक में विनियमित जमा योजनाओं की सूची है, इस विधेयक का एक खंड केंद्र सरकार को सूची का विस्तार करने अथवा छंटनी करने में सक्षम बनाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. राष्ट्रीय कामधेनु आयोग
 - केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गायों और उनकी संतानों के संरक्षण और विकास के लिए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।
 - इसकी स्थापना की घोषणा वित्त मंत्री द्वारा बजट 2019-20 में की गई थी।

प्रभाव

- यह देश में देशी नस्लों के विकास और संरक्षण सहित मवेशियों की आबादी की सुरक्षा, संरक्षण और विकास को बढ़ावा देगा।
- इसके परिणामस्वरूप पशुधन क्षेत्र में वृद्धि होगी, जो अधिक समावेशी होगा और महिलाओं और छोटे एवं सीमांत किसानों को लाभान्वित करेगा।

- यह आयोग गाय, जैविक खाद, बायोगैस आदि के प्रजनन और पालन के क्षेत्र में अनुसंधान के कार्य में लगे हुए केंद्र/राज्य सरकार के पशु चिकित्सा, पशु विज्ञान अथवा कृषि विश्वविद्यालय अथवा विभागों अथवा संगठनों के साथ मिलकर काम करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत-पी.आई.बी.

5. कोयला और लिग्नाइट के अन्वेषण हेतु केंद्रीय क्षेत्र योजना
 - मंत्रिमंडल ने "कोयला और लिग्नाइट के अन्वेषण" की योजना को जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।
 - इस योजना को वर्ष 2017-18 से वर्ष 2019-2020 तक 3 वर्षों की अवधि के लिए बढ़ाया जाएगा।
 - इस योजना के अंतर्गत, लगभग 7 बिलियन टन संसाधनों की स्थापना की जाएगी और 11 बिलियन टन संसाधनों को प्रमाणित किया जाएगा।
 - देश में उपलब्ध संसाधनों का अनुमान लगाने और इन्हें प्रमाणित करने हेतु कोयला और लिग्नाइट का अन्वेषण आवश्यक है।

देश में कोयला और लिग्नाइट का अन्वेषण दो व्यापक चरणों में किया जाता है:

- क्षेत्रीय अन्वेषण और
- विस्तृत अभ्यास (ड्रिलिंग)

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत-पी.आई.बी.

6. राजस्थान में छात्रों के लिए पहला कैरियर पोर्टल लांच किया गया है।
 - छात्रवृत्ति और कैरियर विकल्पों के संदर्भ में जानकारी के लिए माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक छात्रों की आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए भारत का पहला "कैरियर पोर्टल" लांच किया गया है, यह पोर्टल संयुक्त राष्ट्र बाल निधि द्वारा समर्थित है।

लाभ

- यह पोर्टल राज्य में रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देगा और कक्षा IX से XII तक के छात्रों को 200 व्यावसायिक और 237 पेशेवर करियर, 455 रोजगार के अवसर, 960 छात्रवृत्ति, 955 प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्चतर शिक्षा के 10,000 संस्थानों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा।
- यह छात्रों के मध्य लैंगिक समानता के संदर्भ में पर्याप्त प्रगति को दर्शाने में भी मदद करेगा।
- यह छात्रों को उनकी आकांक्षाओं, रुचि, झुकाव और योग्यता के अनुरूप अपने कैरियर मार्ग का चयन करने में सक्षम बनाते हुए शैक्षणिक क्षेत्रों में आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

राजस्थान ही क्यों?

- रोजगारोन्मुख शिक्षा में अपने ट्रैक रिकॉर्ड के कारण यूनिसेफ ने पोर्टल को लॉन्च करने के लिए राजस्थान का चयन किया था।
- राजस्थान में यूनिसेफ के अध्ययनों में यह बताया गया है कि छात्रों के लिए कैरियर की जानकारी के दो सबसे बड़े स्रोत, शिक्षक और परिवार के सदस्य होते हैं।
- लगभग 69% छात्रों ने उल्लेख किया है कि वे अपने कैरियर से संबंधित प्रश्नों के लिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं जो यह इंगित करता है कि किशोर, शीघ्र ही कैरियर पोर्टल का उपयोग करना सीख जाएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

7. मंत्रिमंडल ने आई.एफ.एस.सी. के लिए एकीकृत विनियामक को मंजूरी प्रदान की है।
 - मंत्रिमंडल ने एकीकृत प्राधिकरण की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है, जो गांधीनगर में गुजरात अंतर्राष्ट्रीय वित्त टेक सिटी (जी.आई.एफ.टी.) जैसे अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों (आई.एफ.एस.सी.) में सभी वित्तीय सेवाओं को विनियमित करेगा।
 - यह अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण विधेयक, 2019 के माध्यम से किया जाना है।

- वर्तमान में, आई.एफ.एस.सी. में बैंकिंग, पूंजी बाजार और बीमा क्षेत्रों को कई विनियामकों अर्थात् आर.बी.आई., सेबी और इरडा द्वारा विनियमित किया जा रहा है।

संबंधित जानकारी

आई.एफ.एस.सी. क्या है?

- आई.एफ.एस.सी. का उद्देश्य उन भारतीय कंपनियों को प्रोत्साहित करना है जो लंदन और सिंगापुर जैसे विदेशी वित्तीय केंद्रों में कारोबार कर रही हैं, जिससे कि उन्हें वैश्विक स्तर का विनियामक और व्यावसायिक वातावरण प्रदान करके उन व्यवसायों को भारत में लाया जा सके।
- आई.एफ.एस.सी., घरेलू अर्थव्यवस्था के अधिकार क्षेत्र से बाहर के ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता है। ऐसे केंद्र एक देश से दूसरे देशों में वित्त, वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के प्रवाह से संबंधित मामलों को कार्यान्वयन करते हैं।
- आई.एफ.एस.सी., भारत में वित्तीय बाजारों के भविष्य के विकास को संपूर्णता प्रदान करेगा और बढ़ावा देगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

8. आर.बी.आई. द्वारा सरकार को आकस्मिक निधि हस्तांतरित करने की संभावना नहीं है।
- वर्ष 2016-17 और वर्ष 2017-18 में आकस्मिक निधि के लिए अलग रखी गई धनराशि को हस्तांतरित करने की सरकार की मांग को आर.बी.आई. द्वारा पूरा किए जाने की संभावना नहीं है।
- आकस्मिक निधि के लिए आर.बी.आई. द्वारा वर्ष 2017 में 27,330 करोड़ रुपए और वर्ष 2018 में 14,190 करोड़ रुपए अलग रखे गए थे।
- सरकार ने पिछले वित्त वर्ष की अनुरूपता पर वित्त वर्ष 2018-19 के लिए अंतरिम अधिशेष प्रदान करने और वर्ष 2016-17 और वर्ष 2017-18 के अधिशेष पर रोक लगाई गई धनराशि को हस्तांतरित करने के लिए आर.बी.आई. से अनुरोध किया है।

संबंधित जानकारी

आकस्मिक निधि

- आकस्मिकता निधि अथवा आकस्मिक निधि, आपात अथवा अप्रत्याशित बहिर्वाह, मुख्यतः आर्थिक संकट के लिए एक निधि है।

भारत के संबंध में आकस्मिक निधि

- भारत के संविधान ने संसद को भारत की आकस्मिक निधि स्थापित करने के लिए अधिकृत किया है।
- भारत की आकस्मिक निधि, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 267 के अंतर्गत स्थापित की गई है।
- यह अग्रिम (विशेष उद्देश्य के लिए बनाए रखा गया धन) प्रकृति की होती है। तदनुसार, संसद ने भारत आकस्मिक निधि अधिनियम, 1950 को अधिनियमित किया था।
- यह निधि, भारत के राष्ट्रपति की ओर से वित्त सचिव (आर्थिक मामलों के विभाग) के पास होती है और इसे कार्यकारी कार्रवाई द्वारा संचालित किया जा सकता है।
- भारत की आकस्मिक निधि, आपदा और संबंधित अप्रत्याशित व्यय के लिए होती है।

राज्यों के लिए आकस्मिक निधि

- प्रत्येक राज्य सरकार की आकस्मिक निधि को संविधान के अनुच्छेद 266 के अंतर्गत स्थापित किया जाता है।
- यह राज्य विधानमंडल द्वारा लंबित प्राधिकरण, तत्काल अप्रत्याशित व्यय को पूरा करने के लिए नकदी के विनियमन करने में राज्य पाल को सक्षम करते हुए उसे राज्यपाल के निपटान में रखा गया है।
- इस तरह के खर्च के लिए और समेकित निधि से एक समतुल्य राशि को निकालने के लिए विधानमंडल की स्वीकृति बाद में प्राप्त की जाती है, जहां आकस्मिक निधि से निकली राशि, निधि को संतुलित करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

9. आपदा तन्त्र्यता अभ्यास: अभ्यास राहत

- अभ्यास राहत, संयुक्त रूप से मानवीय सहायता और आपदा राहत अभ्यास है।
- मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों के प्रयासों के तालमेल बनाए रखने हेतु यह संयुक्त अभ्यास, एन.डी.एम.ए. के साथ समन्वय में किया जा रहा है।
- सशस्त्र बलों, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रतिक्रिया तंत्र (एन.डी.एम.आर.एम.), और एस.डी.एम.ए. राजस्थान के प्रतिनिधि इस अभ्यास में भाग लेंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

10. ई.एस.ए. का हेरा मिशन और नासा का दोहरा क्षुद्रग्रह पुनर्निर्देशन परीक्षण

- यूरोपीय अंतरिक्ष संस्था (ई.एस.ए.) का हेरा मिशन, एक बाइनरी क्षुद्रग्रह- डिडीमॉस पेयर का पता लगाने वाला पहला अंतरिक्ष यान बनकर एक नया रिकार्ड बनाने जा रहा है।
- डिडीमॉस की परिक्रमा करने वाले चांद को डिडीमून कहते हैं, इस डिडीमून का आकार, इजिप्ट के गीजा पिरामिड के लगभग समान है, यह अभी तक का खोज किया गया सबसे छोटा क्षुद्रग्रह होगा।
- हालांकि, हेरा मिशन, डिडीमॉस तक पहुंचने वाला पहला मिशन नहीं है।
- अमेरिका में नासा ने वर्ष 2020 और वर्ष 2021 के मध्य दोहरा क्षुद्रग्रह पुनर्निर्देशन परीक्षण (डी.ए.आर.टी.) शुरू करने की योजना बना रहा है, जो डिडीमून को अपने ग्रह रक्षा कार्यक्रम के हिस्से के रूप में लक्षित करेगा।
- पृथ्वी की खतरनाक धूमकेतु और क्षुद्रग्रहों से रक्षा के लिए इस कार्यक्रम को डिज़ाइन किया गया है, इस कार्यक्रम का उद्देश्य डिडीमॉस के चारों ओर इसकी कक्षा में परिवर्तन करने हेतु वर्ष 2022 में डी.ए.आर.टी. को डिडीमून में दुर्घटनाग्रस्त करना है।

टॉपिक-जी.एस.-3-विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डाउन टू अर्थ

08.02.2019

1. ग्रिड इंटेक्टिव अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम/ योजनाएं

- अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा लिए गए प्रमुख निर्णयों का विवरण इस प्रकार है:-
- अंतर्राज्यीय हस्तांतरण प्रणाली (आई.एस.टी.एस.) की छूट, परियोजनाओं के लिए सौर एवं पवन ऊर्जा की अंतर्राज्यीय बिक्री के लिए शुल्क एवं नुकसानों का मार्च, 2022 तक साधिकार किया गया है।
- स्वचालित मार्ग के अंतर्गत 100 प्रतिशत तक के विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ.डी.आई.) को स्वीकृति प्रदान की गई है।
- लागत-प्रभावी तरीके से प्रतिस्पर्धी दरों पर सौर और पवन ऊर्जा की खरीद के लिए वितरण लाइसेंसधारकों को सक्षम करने के लिए मानक नीलामी दिशानिर्देशों की अधिसूचना जारी की गई है।
- वर्ष 2022 तक अक्षय खरीद प्रतिज्ञापत्र (आर.पी.ओ.) के लिए प्रक्षेपपथ की घोषणा की गई है।
- बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा क्षमता संवर्धन के ग्रिड एकीकरण की सुविधा के लिए हरित ऊर्जा गलियारा परियोजना को कार्यान्वित किया गया है।

नोट:

सरकार ने वर्ष 2022 तक 175000 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा है जिसमें सौर से 100000 मेगावाट ऊर्जा, पवन से 60000 मेगावाट ऊर्जा, जैव-शक्ति से 10000 मेगावाट ऊर्जा और छोटे जल विद्युत संयंत्रों से 5000 मेगावाट ऊर्जा स्थापित करना शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. स्यामी लड़ाकू मछली: थाईलैंड का राष्ट्रीय जलीय पशु है।

- थाईलैंड ने नन्ही, आकर्षक, रंगीन पंखों वाली पंखदार स्यामी लड़ाकू मछली को जलीय पशु के रूप में नामित किया है।

- यह स्वयं के संरक्षण और प्रजनन को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

संबंधित जानकारी

- स्यामी लड़ाकू मछली, थाईलैंड की मेकांग घाटी की मूल निवासी है और सबसे ज्यादा थाईलैंड में चाओ फ्राया नदी में पाई जाती है।
- स्यामी लड़ाकू मछली को वर्ष 2013 में एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में पंजीकृत किया गया था।
- इस मछली की आई.यू.सी.एन. स्थिति लुप्तप्राय है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. मैसेडोनिया ने नाटो में शामिल होने हेतु एक संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।
- मैसेडोनिया ने नाटो सैन्य गठबंधन का 30वां सदस्य बनने के लिए नाटो में शामिल होने हेतु एक संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।

संबंधित जानकारी

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन

- यह 29 उत्तरी अमेरिकी और यूरोपीय देशों के मध्य एक अंतर-सरकारी राजनीतिक और सैन्य गठबंधन है।
- यह संगठन 4 अप्रैल, 1949 को हस्ताक्षरित उत्तरी अटलांटिक संधि को कार्यान्वित करता है।
- नाटो, सामूहिक रक्षा की एक प्रणाली का गठन करता है जिसके अंतर्गत इसके स्वतंत्र सदस्य राज्य, किसी भी बाहरी देश द्वारा किए गए हमले की प्रतिक्रिया में पारस्परिक रक्षा हेतु सहमत हैं।
- नाटो का मुख्यालय हारेन, ब्रुसेल्स, बेल्जियम में स्थित है, जब कि संबद्ध कमान संचालन (एलाइड कमांड ऑपरेशन) का मुख्यालय मॉस, बेल्जियम के निकट स्थित है।

नोट: नाटो का उद्देश्य राजनीतिक और सैन्य साधनों के माध्यम से अपने सदस्यों की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी देना है।

- **राजनीतिक-** नाटो, लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देता है और समस्याओं का समाधान करने, विश्वास का निर्माण करने और लंबे समय तक संघर्षों से सुरक्षा करने हेतु सुरक्षा-संबंधित मुद्दों

और रक्षा प्रणाली पर परामर्श और सहयोग करने में अपने सदस्यों को सक्षम बनाता है।

• सैन्य -

- नाटो विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।
- यदि कूटनीतिक प्रयास विफल रहते हैं तो संकट-प्रबंधन हेतु उसके पास सैन्य शक्ति है।
- ये नाटो की संस्थापक संधि- वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 अथवा संयुक्त राष्ट्र शासनादेश के सामूहिक रक्षा खंड के अंतर्गत अकेले अथवा अन्य देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से किए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

4. आर.बी.आई. ने अपनी 6वीं द्विमासिक मौद्रिक नीति जारी की है।
- आर.बी.आई. गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने अपनी 6वीं द्विमासिक मौद्रिक नीति जारी की है।
- आर.बी.आई. की मौद्रिक नीति समिति (एम.पी.सी.) ने रेपो रेट को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत करने का निर्णय किया है।

संबंधित जानकारी

भारत की मौद्रिक नीति समिति

- भारत की मौद्रिक नीति समिति का गठन वर्ष 2016 में किया गया था, यह समिति भारत में बेंचमार्क ब्याज दरों को निर्धारित करने हेतु जिम्मेदार है।
- मौद्रिक नीति समिति की बैठकें वर्ष में कम से कम 4 बार आयोजित की जाती हैं और यह प्रत्येक बैठक के बाद अपने निर्णयों को प्रकाशित करती है।
- इस समिति में छह सदस्य- भारतीय रिजर्व बैंक के तीन अधिकारी और भारत सरकार द्वारा नामित तीन बाहरी सदस्य शामिल हैं।
- भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं।
- निर्णय, बहुमत द्वारा लिए जाते हैं, टाई होने की स्थिति में गवर्नर के पास निर्णायक मत होता है।

- समिति के वर्तमान शासनादेश ने 31 मार्च, 2021 तक 4% वार्षिक मुद्रास्फीति बने रहने, 6% उच्च बदलाव और 2% के निम्न बदलाव के साथ बने रहने का है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

5. मंत्रिमंडल ने कृषि-बाजार ढांचा निधि की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रामीण कृषि बाजारों के विकास और उन्नयन हेतु 2,000 करोड़ रुपये के कृषि-बाजार ढांचा निधि (ए.एम.आई.एफ.) के निर्माण को मंजूरी प्रदान की है।
- इसका निर्माण ग्रामीण कृषि बाजारों और विनियमित थोक बाजारों में कृषि विपणन ढांचे के विकास और उन्नयन के लिए नाबार्ड के साथ किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति

- प्रधानमंत्री, इस समिति का अध्यक्ष होता है।
 - विभिन्न मंत्रालयों के कैबिनेट मंत्री, इसके सदस्य होते हैं।
 - इसके महत्वपूर्ण कार्य निम्न हैं:
1. आर्थिक क्षेत्र में सरकारी गतिविधियों को प्रत्यक्ष और समन्वित करना।
 2. आर्थिक रुझानों की समीक्षा करना और देश में एक सुसंगत एवं एकीकृत नीति ढांचा तैयार करना।
 3. ग्रामीण विकास से संबंधित गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करना, इनमें छोटे और सीमांत किसानों से संबंधित मुद्दे भी शामिल हैं।
 4. संयुक्त क्षेत्र के उपक्रमों की स्थापना के लिए मंत्रालयों के प्रस्तावों से संबंधित औद्योगिक लाइसेंस देने से संबंधित मामलों से निपटना।
 5. निवेश से संबंधित मुद्दों पर विचार करना।
- **अन्य कार्य**
1. विश्व व्यापार संगठन से संबंधित मुद्दों पर विचार करना और निर्णय लेना।
 2. भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से संबंधित मुद्दों पर विचार करना।

3. सामान्य कीमतों की निगरानी करना, आवश्यक एवं कृषि वस्तुओं के निर्यात और उपलब्धता का मूल्यांकन करना और कुशल सार्वजनिक वितरण प्रणाली हेतु उपाय करना।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत-पी.आई.बी.

6. परमाणु टेक 2019

- परमाणु ऊर्जा और विकिरण प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए विदेश मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) ने नई दिल्ली में परमाणु टेक 2019 का आयोजन किया है।
- सम्मेलन में निम्नलिखित क्षेत्रों पर चर्चा की गई है:
- इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के साथ परमाणु ऊर्जा में भारत की क्षमताओं का प्रदर्शन करना है।
- खाद्य परिरक्षण, कृषि और औद्योगिक अनुप्रयोग: खेतों से कारखानों तक- राष्ट्रीय कार्य करना
- स्वास्थ्य देखभाल: परमाणु चिकित्सा और विकिरण चिकित्सा- इलाज हेतु देखभाल

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत-पी.आई.बी.

7. अंतर्राष्ट्रीय आई.पी. सूचकांक में भारत 8 स्थान की छलांग लगाकर 36वें स्थान पर पहुँच गया है।

- यू.एस. चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने विश्व की शीर्ष 50 अर्थव्यवस्थाओं के वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय आई.पी. सूचकांक का 7वां संस्करण जारी किया है।
- वर्ष 2018 में 44वें स्थान की तुलना में आठ स्थानों की छलांग लगाकर भारत 36वें स्थान पर आ गया है।
- वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय आई.पी. सूचकांक के 6वें संस्करण में 12.03 (40 में से) की तुलना में 7वें संस्करण में भारत के कुल स्कोर में काफी वृद्धि होकर स्कोर 16.22 (45 के अधिकतम स्कोर से बाहर) हो गया है।
- नवीनतम रिपोर्ट, इंस्पायरिंग टूमॉरो 50 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में आई.पी. जलवायु का विश्लेषण करती है, जो एक नवाचार नेतृत्वकर्ता अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण 45 संकेतकों पर आधारित है।

- अमेरिका इस सूची में शीर्ष स्थान पर है और यूनाइटेड किंगडम दूसरे स्थान पर है।

अन्य जानकारी

बौद्धिक संपदा

- बौद्धिक संपदा (आई.पी.) बुद्धि के निर्माण का उल्लेख करती है जिसके लिए कानून द्वारा नियत मालिकों को एक एकाधिकार सौंपा जाता है।

बौद्धिक संपदा अधिकार

- बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) आई.पी. के रचनाकारों को दिए गए अधिकार हैं, और ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, पेटेंट, औद्योगिक डिजाइन के अधिकार, और कुछ न्यायाधिकार व्यापार रहस्य शामिल हैं।

डी.आई.पी.पी. (औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग)

- औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग वर्ष 1995 में स्थापित किया गया था और वर्ष 2000 में औद्योगिक विकास विभाग के विलय के साथ इसका पुनर्गठन किया गया।
- **भूमिका और कार्य -**
 - (क) औद्योगिक नीति के निर्माण और कार्यान्वयन
 - (ख) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ.डी.आई.) नीति और एफ.डी.आई. की प्रोत्साहन, अनुमोदन और सुगमता का निर्धारण
 - (ग) बौद्धिक संपदा अधिकार आदि से संबंधित नीतियों का निर्माण।

सी.आई.पी.ए.एम. (आई.पी.आर. संवर्धन और प्रबंधन सेल)

- यह औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डी.आई.पी.पी.) के तत्वावधान में एक पेशेवर निकाय है जो आई.पी.आर. से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर कार्य सुनिश्चित करता है।
- आई.पी.आर. जागरूकता, व्यावसायीकरण और प्रवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाने के अलावा, सी.आई.पी.ए.एम. आई.पी. प्रक्रियाओं को सरल और सुव्यवस्थित करने में सहायता करता है।

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यू.आई.पी.ओ.)

- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियों में से एक है।

- डब्ल्यू.आई.पी.ओ. 1967 में "रचनात्मक गतिविधि को प्रोत्साहित करने के लिए, पूरे विश्व में बौद्धिक संपदा के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए" बनाया गया था।

- डब्ल्यूआईपीओ में वर्तमान में 191 सदस्यीय राज्य हैं।
- इसका मुख्यालय स्विटजरलैंड के जिनेवा शहर में है।

ट्रिप्स (बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं)

- यह विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) के सभी सदस्य देशों के बीच एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी समझौता है।
- यह राष्ट्रीय विश्व व्यापार संगठन के सदस्य राष्ट्रों के नागरिकों के लिए आवेदन के रूप में बौद्धिक संपदा (आई.पी.) के कई रूपों की राष्ट्रीय सरकारों द्वारा विनियमन के लिए न्यूनतम मानक निर्धारित करता है।
- वर्ष 1994 में जनरल एग्रीमेंट ऑन टारिफ एंड ट्रेड (जी.ए.टी.टी.) के उरुग्वे बैठक के अंत में ट्रिप्स पर बातचीत की गई और इसे विश्व व्यापार संगठन द्वारा प्रशासित किया गया।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. स्मृति ईरानी ने इंडिया साइज परियोजना की शुरुआत की है।
 - केंद्रीय कपड़ा मंत्री, स्मृति ईरानी ने मुंबई में इंडिया साइज परियोजना की शुरुआत की है।
 - देश के इतिहास में इस प्रकार की पहली परियोजना शुरू की गई है, इंडिया साइज का उद्देश्य अमेरिका और यू.के जैसे देशों में उपलब्ध मानकीकृत साइज की तर्ज पर भारत में भी रेडी-टू-वियर (पहनने के लिए तैयार) कपड़ा उद्योग हेतु एक मानक भारतीय साइज तक पहुँचना है।
 - इस परियोजना से निर्माता, उपभोक्ता लाभान्वित होंगे और डेटा उत्पन्न होगा जो क्षेत्र की क्षमता में विस्तार करने में मदद करेगा।

टॉपिक- जी.एस.-2- सरकारी योजना

स्रोत- ए.आई.आर.

11.02.2019

1. अमेरिका, भारत के लिए जीरो-टैरिफ को समाप्त कर सकता है।

- व्यापारिक संबंधों में नवीनतम गिरावट के कारण ई-कॉमर्स में एफ.डी.आई. पर भारत का नया नियम लागू हुआ था, भारत एक महत्वपूर्ण अमेरिकी व्यापार सुविधा खो सकता है जिसे सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली (जी.एस.पी.) के रूप में जाना जाता है जिसके अंतर्गत यह संयुक्त राज्य अमेरिका को 5.6 अरब डॉलर के निर्यात पर जीरो टैरिफ प्राप्त करता है।

संबंधित जानकारी

सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली (जी.एस.पी.)

- भारत, सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली (जी.एस.पी.) योजना का विश्व का सबसे बड़ा लाभार्थी है जो वर्ष 1970 के दशक से लागू है।
- जी.एस.पी., वर्ष 1976 में शुरू किया गया सबसे बड़ा और सबसे पुराना अमेरिकी व्यापार वरीयता कार्यक्रम है।
- यह विकासशील और विकसित दोनों देशों में नामित लाभार्थी देशों के हजारों उत्पादों के लिए शुल्क-मुक्त प्रविष्टि की अनुमति देकर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने हेतु बनाया गया है।
- यह एक वरीयता शुल्क प्रणाली है जो विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) के अधिक सामान्य नियमों से छूट की एक औपचारिक प्रणाली प्रदान करती है।
- इसके अंतर्गत, कुछ निश्चित विकासशील देशों से उत्पन्न होने वाले औद्योगिक और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को अमेरिकी बाजारों तक वरीयता पहुँच प्रदान की जाती है।
- भारत के मामले में, जी.एस.पी. अमेरिकी बाजारों में 3,500 उत्पाद के शुल्क-मुक्त प्रवेश को सक्षम बनाता है, जो कपड़ा, इंजीनियरिंग, रत्न और गहने और रासायनिक उत्पादों के निर्यातकों को लाभान्वित करता है।
- वर्ष 2017 में जी.एस.पी. के अंतर्गत कुल अमेरिकी आयात 21.2 बिलियन डॉलर था,

जिसमें से 5.6 बिलियन डॉलर के साथ भारत सबसे बड़ा लाभार्थी था, इसके बाद थाईलैंड (4.2 बिलियन डॉलर) और ब्राजील (2.5 बिलियन डॉलर) थे।

- मार्च, 2018 में अमेरिकी कांग्रेस ने वर्ष 2020 से जी.एस.पी. को नवीनीकृत करने के लिए मतदान किया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

2. एस.एफ.डी.आर. का सफल उड़ान परीक्षण

- डी.आर.डी.ओ. ने दूसरी स्वदेशी रूप से विकसित प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली "ठोस ईंधन वाहिका रामजेट" (एस.एफ.डी.आर.) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

संबंधित जानकारी

ठोस ईंधन वाहिका रामजेट तकनीक

- यह भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है।
- यह भारत की सतह से हवा और हवा से हवा में मार करने वाली दोनों प्रकार की मिसाइलों के प्रदर्शन को बेहतर करने और अपनी मारक क्षमता को बढ़ाने और इन्हें और अधिक घातक बनाने में मदद करेगा।
- अब भारत के पास दो श्रेणियों में सबसे तेज लंबी दूरी की मिसाइलें हैं, जो मेजबान हमलों से पूर्ण-धारित और बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा प्रदान करती हैं।

एस.एफ.डी.आर. और पारंपरिक मिसाइलों के बीच अंतर

- पारंपरिक रॉकेट मोटर आधारित बी.वी.आर.ए.एम.एस. (दृश्य सीमा से परे हवा-से-हवा में मार करने वाली मिसाइल) की उच्चतर जलने की दर होती है क्योंकि यह दाब के उसी स्तर पर काम करती है जिस पर उसे फायर किया गया था, इसका अर्थ यह है कि जब यह लंबी सीमा में अपने लक्ष्य को लक्षित करती है तो इसका ईंधन खत्म हो जाता है अत्यधिक कार्यसाधक लक्ष्यों के सापेक्ष मिसाइल अंतिम चरण में गिर सकती है यदि मिसाइल को लंबी दूरी से दागा गया है।

- इसके विपरीत, रामजेट्स लंबे समय तक अपनी चरम ऊर्जा की स्थिति को बनाए रखते हैं, पूरी उड़ान के दौरान शक्ति प्रदान करते हैं, समुद्री स्तर से अधिक ऊँचाई की ओर एक उच्च थोड़ी धीमी औसत गति और लंबी दूरी की एक व्यापक संचालन क्षमता प्रदान करते हैं।
- पारंपरिक रॉकेट मोटर के विपरीत, एस.एफ.डी.आर., उड़ान के विभिन्न चरणों के दौरान अपने इंजन को रोक सकता है, विशेष रूप से अपने लक्ष्य के निकट पहुंचने पर यह ऊर्जित कर सकता है और पैंतरेबाज़ी करने में सक्षम होता है और यहां तक कि तेज़ गति से चलने वाले लक्ष्यों पर हमला भी कर सकता है।
- इसका मतलब यह नहीं है कि प्रक्रिया के अंतिम चरण के दौरान एस.एफ.डी.आर. में पैंतरेबाज़ी से अधिक ऊर्जा है लेकिन यह क्षमता मिसाइल के "नो एस्केप ज़ोन" के आकार में काफी वृद्धि कर देती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

3. चिकित्सा उपकरणों को दवाओं के रूप में माना जाएगा।
- केंद्र ने एक अधिसूचना विज्ञापन में कहा है कि चिकित्सा उपकरणों- सभी प्रत्यारोपण उपकरण, सी.टी. स्कैन, पी.ई.टी. और एम.आर.आई. उपकरण, डिफिब्रिलेटर, डायलिसिस मशीन और अस्थि मज्जा विभाजक- को 1 अप्रैल, 2020 से मानवों के लिए दवाओं के रूप में माना जाएगा।
- यह निर्णय औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड के परामर्श से लिया गया था।

संबंधित जानकारी

औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड

- औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड, देश में दवाओं से संबंधित तकनीकी मामलों पर सर्वोच्च वैधानिक निर्णायक निकाय है।
- यह औषधि एवं कॉस्मेटिक्स अधिनियम, 1940 के अनुसार गठित है।

- यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) का हिस्सा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

4. युद्धाभ्यास: कटलास एक्सप्रेस 2019

- कटलास एक्सप्रेस- 2019 एक बहुराष्ट्रीय प्रशिक्षण अभ्यास है जिसका उद्देश्य पश्चिमी हिंद महासागर में अवैध समुद्री गतिविधि को रोकने के उद्देश्य से भाग लेने वाले राष्ट्रों के सशस्त्र बलों के मध्य कानून प्रवर्तन क्षमता में सुधार करना, क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देना और अंतरकार्यकारिता को विकसित करना है।
- यह हाल ही में 27 जनवरी से 06 फरवरी, 2019 तक आयोजित किया गया था।
- यह हाल ही में आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय नौसेना के फ्रंट लाइन युद्धपोत आई.एन.एस. त्रिकंड ने भाग लिया था।
- अभ्यास के दौरान, कई पूर्वी अफ्रीकी देशों के नौसैनिक, तटरक्षक और समुद्री पुलिस के जवानों को संयुक्त रूप से आई.एम.ओ., संयुक्त समुद्री बल (सी.एम.एफ.) और यूरोपीय नौसेना बल (EUNAVFOR) जैसे अंतराष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत और नीदरलैंड के प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।
- यह अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया गया था।
- पहले चरण को कमांड पोस्ट अभ्यास (सी.पी.एक्स.) कहा जाता है।
- दूसरे चरण को अंतिम प्रशिक्षण अभ्यास (एफ.टी.एक्स.) कहा जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. शार्क खाड़ी: विनाशकारी जोखिम के साथ एक विश्व विरासत स्थल है।

- शार्क खाड़ी, ऑस्ट्रेलिया में समुद्री पारिस्थिकी तंत्र में सूचीबद्ध एक विश्व विरासत स्थल है।

- यह हाल ही में चरम तापमान के कारण नष्ट हो गया था, वर्ष 2011 में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में घातक समुद्री ऊष्मीय पवनें चल रही थी।
- शार्क खाड़ी विश्व विरासत सलाहकार समिति द्वारा आयोजित की गई एक कार्यशाला ने शार्क खाड़ी को भविष्य के जलवायु परिवर्तन के प्रति भेद्यता की उच्चतम श्रेणी में वर्गीकृत किया है।

संबंधित जानकारी

शार्क खाड़ी

- यह पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के गैसक्वाइन क्षेत्र में स्थित एक विश्व विरासत स्थल है।
- संयुक्त शार्क खाड़ी अकशेरुकीय मत्स्य व्यवसाय (केकड़े, झींगे और घोंघा), पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में दूसरा सबसे मूल्यवान वाणिज्यिक मत्स्य व्यवसाय है।

खतरे के अंतर्गत हैं:

- यह प्रतिष्ठित और मूल्यवान समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, भविष्य के जलवायु परिवर्तन के कारण गंभीर खतरे में है, यह दिया गया है कि संपूर्ण पारिस्थिकी तंत्र को नीचे से सहारा प्रदान करने वाली समशीतोष्ण समुद्री घास पहले से ही अपनी सहनशील तापमान सीमा के ऊपरी किनारे पर स्थित है।
- ये समुद्री घास, मछली और समुद्री स्तनधारियों के लिए महत्वपूर्ण निवास स्थान प्रदान करती हैं और पानी के खारेपन को विनियमित करके स्ट्रोमेटोलाइट्स को जीवित रहने में मदद करती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. वैज्ञानिकों ने पहली बार "शरीर के भीतर" जीन एडिटिंग का कार्य किया है।
- वैज्ञानिकों ने पहली बार शरीर के भीतर जीन एडिटिंग का कार्य किया है, एक वयस्क की बीमारी का उपचार करने के प्रयास में उसके डी.एन.ए. में परिवर्तन किया गया है।

संबंधित जानकारी

जीन एडिटिंग क्या है?

- जीनोम एडिटिंग, एक कोशिका अथवा सूक्ष्म जीव के डी.एन.ए. में विशिष्ट परिवर्तन करने का एक तरीका है।
- एंजाइम, डी.एन.ए. को एक विशिष्ट अनुक्रम में काटता है और जब इसके द्वारा मरम्मत की जाती है तो अनुक्रम में एक परिवर्तन अथवा एडिट होता है।

सी.आर.आई.एस.पी.आर.-सी.ए. 9

- यह जीनोम एडिटिंग के लिए प्रयोग की जाने वाली सबसे सामान्य, सस्ती और कुशल प्रणाली है।
- सी.आर.आई.एस.पी.आर. का पूरा नाम क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिनड्रोमिक रिपीट्स है।
- सी.एस.ए.-9, सी.आर.आई.एस.पी.आर. से संबंधित प्रोटीन 9 को दर्शाता है और यह नाभिकीय भाग है जो डी.एन.ए. को काटता है।

इसके क्या फायदे हो सकते हैं?

- सी.आर.आई.एस.पी.आर. का प्रयोग भ्रूण में रोग पैदा करने वाले जीन को संशोधित करने के लिए किया जा सकता है, जिसके अंतर्गत उस व्यक्ति की भविष्य की संतानों के आनुवंशिक कोड से दोषपूर्ण लिपि को हटा दिया जाएगा।
- जीनोम एडिटिंग (जीन एडिटिंग), कई गंभीर आनुवंशिक बीमारियों से विश्व भर में पीड़ित लोगों के कष्ट को संभावित रूप से कम कर सकती है बल्कि समाप्त भी कर सकती है।
- संक्रमण के प्रति आजीवन सुरक्षा प्रदान करने वाले जीन को स्थापित करना भी संभव हो सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

7. नागालैंड की राष्ट्रीय समाजवादी परिषद (इसाक-मुइवाह)
- संसदीय स्थायी समिति के पैनल ने गृह मंत्रालय से नागालैंड की राष्ट्रीय समाजवादी परिषद (इसाक-मुइवाह) के संवर्ग हेतु एक विस्तृत और प्रचुर पुनर्वास-सह-निपटान योजना तैयार करने की सिफारिश की है, इस समूह ने केंद्र के साथ वर्ष 2015 में नागा फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

नागालैंड खापलांग की राष्ट्रीय समाजवादी परिषद

- एस.एस. खापलांग के नेतृत्व में वर्ष 1988 में एन.एस.सी.एन. (के.) अस्तित्व में आया था।
- यह एन.एस.सी.एन. की एक शाखा है जो पूर्वोत्तर भारत और म्यांमार में नागा लोगों के सभी आवासीय क्षेत्रों को एक करके नागालिम नामक एक संप्रभु राज्य के गठन के उद्देश्य से स्थापित की गई थी।
- वर्तमान में एन.एस.सी.एन.-के., भारत-म्यांमार सीमा पर सक्रिय है और म्यांमार में सीमा पार कई शिविरों के साथ लगभग 1,000 कैडरों की क्षमता है।

ग्रेटर नागालिम

- "ग्रेटर नागालिम", "सभी सन्निहित नागा-आबादी क्षेत्रों को एक करके" बनाया गया है, जिसमें नागालैंड भी शामिल हैं और असम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के कई जिले और म्यांमार का एक बड़ा भूभाग भी शामिल है।
- नागालैंड विधानसभा ने ग्रेटर नागालिम- "एक प्रशासनिक छतरी के नीचे सभी नागा-आबादी निवास क्षेत्रों का एकीकरण की मांग का समर्थन किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. जयपुर की मान सागर झील में 22वें भारतीय पक्षी मेले का आयोजन किया गया था।
- इस मेले का आयोजन भारतीय पर्यटन एवं वन्यजीव सोसाइटी द्वारा किया गया था, जयपुर चिड़ियाघर और कुछ परोपकारी निकायों और विदेशी संगठनों द्वारा इस आयोजन का समर्थन किया गया था।
- यह मेला बगुलों को समर्पित था।
- भारतीय उपमहाद्वीप ने बगुला पक्षियों की 84 प्रजातियों की मेजबानी की थी, जिनमें से 64 प्रजातियां प्रवासी हैं।
- बगुला पक्षी, छोटे पक्षी होते हैं वे अधिकांशतः पानी के किनारों तक ही सीमित रहते हैं और नम सतहों पर पालन पोषण करते हुए पाए जाते हैं।

संबंधित जानकारी

मान सागर झील

- यह एक कृत्रिम झील है जिसका नाम मान सिंह के नाम पर रखा गया है, जो अम्बर का तत्कालीन शासक था और मुगल सम्राट अकबर का एक विश्वसनीय सेनापति था।
- मान सिंह ने 1610 ईस्वी में द्रव्यवती नदी पर बांध बनाकर इसका निर्माण कराया था।
- इस झील के मध्य में जल महल नामक एक महल स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

9. द ग्रेट इंडियन बस्टर्ड: सी.ओ.पी.-13 के लिए शुभंकर होगा
- केंद्र ने घोषणा की है कि वर्ष 2020 में गुजरात में आयोजित होने वाले संयुक्त राष्ट्र प्रवासी प्रजाति संरक्षण सम्मेलन (सी.एम.एस.) के 13वें पाट्रियों के सम्मेलन के लिए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (तुगदर) (जी.आई.बी.), इसका शुभंकर होगा।

सम्बंधित जानकारी

प्रवासी प्रजाति संरक्षण सम्मेलन (सी.एम.एस.)

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के तत्वावधान में इनकी सीमा के देशों के माध्यम से प्रवासी प्रजातियों को संरक्षित करने हेतु इसका गठन किया गया था।
- इसे बॉन सम्मेलन के रूप में भी संदर्भित किया जाता है, यह प्रवासी जानवरों और उनके आवासों के संरक्षण और सतत उपयोग हेतु एक वैश्विक मंच प्रदान करता है।
- इस सम्मेलन के अंतर्गत, परिशिष्ट I में सूचीबद्ध प्रवासी प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है और पार्टियां, इन जानवरों के संरक्षण हेतु सख्ती से प्रयासरत हैं, इनके आवासीय स्थानों के संरक्षण अथवा पुनः स्थापना, प्रवास में आने वाली बाधाओं को कम करना और उनके लुप्त होने के अन्य कारकों को नियंत्रित करने हेतु पार्टियां सख्ती से प्रयासरत हैं।

- अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता से महत्वपूर्ण रूप से लाभ प्राप्त करने वाली अथवा आवश्यक प्रवासी प्रजातियां, सम्मेलन के परिशिष्ट II में सूचीबद्ध हैं।

भारत और प्रवासी प्रजातियां

- भारत ने साइबेरियाई सारस (1998), समुद्री कछुए (2007), एंगांग (2008) और शिकारी पक्षियों (2016) के संरक्षण और प्रबंधन पर सी.एम.एस. के साथ गैर-कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता जापान पर हस्ताक्षर किए हैं।
- भारत कई प्रवासी जानवरों और पक्षियों के लिए एक अस्थायी निवास है।
- इनमें से महत्वपूर्ण प्रजातियों में अमूर बाज, लंबी चोंच वाले बत्तख, काली गर्दन वाले सारस, समुद्री कछुआ, एंगांग, हंपबैक व्हेल आदि शामिल हैं।
- भारतीय उप-महाद्वीप, प्रमुख पक्षी हवाई मार्ग नेटवर्क अर्थात् मध्य एशियाई हवाई मार्ग (सी.ए.एफ.), जो आर्कटिक और भारतीय महासागरों के बीच के क्षेत्रों को कवर करता है और 182 प्रवासी जलपक्षी प्रजातियों की कम से कम 279 जनसंख्या को कवर करता है जिसमें 20 वैश्विक स्तर पर लुप्तप्राय प्रजातियां शामिल हैं।
- भारत ने मध्य एशियाई हवाई मार्ग के अंतर्गत प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना भी शुरू की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

10. पेट्रोटेक 2019 का 13वां संस्करण

- भारत ने ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक रणनीतिक हाइड्रोकार्बन कार्यक्रम, पेट्रोटेक 2019 के 13वें संस्करण में अपनी खुली रकबा लाइसेंसकरण नीति (ओ.ए.एल.पी.) के अंतर्गत तीसरी बोली प्रक्रिया शुरू की है।

पेट्रोटेक 2019

- पेट्रोटेक 2019, भारत का प्रमुख द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय तेल एवं गैस सम्मेलन एवं प्रदर्शनी है।

- यह एशिया का सबसे बड़ा तेल एवं गैस कार्यक्रम है।
- पेट्रोटेक 2019 की थीम- "नवाचार एवं सहयोग के माध्यम से नए ऊर्जा विश्व को आकार प्रदान करना" है।
- इस वैश्विक कार्यक्रम का उद्देश्य ऊर्जा मंत्रियों, पेशवरों, उद्योग नेतृत्वकर्ताओं, ऊर्जा क्षेत्र के विद्वानों और डोमेन विशेषज्ञों को एक सामान्य मंच पर लाना है।
- यह विश्व को भारतीय हाइड्रोकार्बन उद्योग की मजबूतियों और क्षमताओं को प्रदर्शित करने के साथ ही हाइड्रोकार्बन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में अनुभवों के आदान-प्रदान, विचारों के आदान-प्रदान, ज्ञान एवं तकनीकी विकास के लिए एक व्यवसायिक मंच प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस लाइन

11. गुजरात के गिर में एशियाई शेर संरक्षण परियोजना

- पर्यावरण मंत्रालय ने गुजरात राज्य के सहयोग से तीन वर्षीय एशियाई शेर संरक्षण परियोजना की शुरुआत की है।
- यह परियोजना शेरों के आवास, रोग नियंत्रण और उनके लिए पशु चिकित्सा देखभाल के बेहतर प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगी।
- इस परियोजना का उद्देश्य पहले वर्ष में राज्य के गिर अभयारण्य में 600 से अधिक शेरों को संरक्षित करना है।

एशियाई शेर

- इसकी सीमा, भारतीय राज्य गुजरात में गिर राष्ट्रीय उद्यान और परिप्रदेश तक ही सीमित है।
- आई.यू.सी.एन.: लुप्तप्राय
- सी.आई.टी.ई.एस. परिशिष्ट I

खतरा

- वर्तमान में एक एकल उप-जनसंख्या के रूप में मौजूद है और संक्रमण अथवा भयानक जंगल की आग जैसी अप्रत्याशित घटनाओं से इनके विलुप्त होने का खतरा है।

- अवैध शिकार

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

12. असम सरकार ने "अरुंधति योजना" की घोषणा की है।

- इस योजना के अंतर्गत, असम सरकार राज्य की ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी की दुल्हनों को 10 ग्राम (1 तोला) सोना प्रदान करने जा रही है।
- हाल ही में घोषित किए गए राज्य बजट में इस योजना के लिए 300 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

इस योजना के लाभार्थी कौन हैं?

- दुल्हन के परिवार की वार्षिक आय 5 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- विवाह के समय यह लाभ प्रदान किया जाएगा।
- 1954 के असम के विशेष विवाह नियमों के अंतर्गत विवाह पंजीकृत होना चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- सरकारी योजना

स्रोत- टी.ओ.आई.

13. बादलों की गतिविधियों की निगरानी करने हेतु टिहरी में हिमालयी मेघ वेधशाला की स्थापना की गई है।

- हिमालयी क्षेत्र में बादल फटने की घटनाओं की भविष्यवाणी और निगरानी करने के लिए और होने वाले नुकसान को कम करने में मदद करने हेतु टिहरी जिले में एक हिमालयी मेघ वेधशाला स्थापित की गई है।
- यह वेधशाला एस.आर.टी. परिसर, बादशाहीथौल में स्थापित की गई है और यह वेधशाला वर्तमान में परीक्षण अवधि में है।
- उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं बहुत अधिक होती हैं, जिससे जानमाल का भारी नुकसान होता है।
- बादलों की गतिविधियों की निगरानी करने हेतु भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और आई.आई.टी., कानपुर द्वारा स्थापित यह देश की दूसरी वेधशाला है जो अधिक ऊंचाई पर संचालित की जा सकती है।

टॉपिक-जी.एस.-3- पर्यावरण

12.02.2019

1. स्वच्छ शक्ति 2019

- इस कार्यक्रम के तीसरे संस्करण अर्थात स्वच्छ शक्ति 2019 का उद्घाटन कुरुक्षेत्र में किया जा रहा है।
- स्वच्छ शक्ति -2019, एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन में ग्रामीण महिलाओं द्वारा निभाई गई नेतृत्वकारी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना है।
- पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, हरियाणा सरकार के सहयोग से स्वच्छ शक्ति-2019 का आयोजन कर रहा है।
- पूरे देश की महिला सरपंच और पंच, इस कार्यक्रम में शामिल होंगी।
- यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत और हाल ही में आयोजित किए गए स्वच्छ सुंदर शौचालय (स्वच्छ और साफ शौचालय) की उपलब्धियों को दर्शाएगा, यह एक अद्वितीय और वैश्विक स्तर पर इस प्रकार का पहला अभियान है।

संबंधित जानकारी

स्वच्छ शक्ति

- प्रधानमंत्री ने पहली बार वर्ष 2017 में गुजरात के गांधीनगर में स्वच्छ शक्ति कार्यक्रम का शुभारंभ किया था।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वच्छ शक्ति 2017 के अंतर्गत लॉन्च किया गया था।
- दूसरे स्वच्छ शक्ति कार्यक्रम, स्वच्छ शक्ति-2018 का आयोजन उत्तर प्रदेश के लखनऊ में किया गया था।
- तीसरे संस्करण का उद्घाटन कुरुक्षेत्र से किया जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महिला सशक्तीकरण

स्रोत-पी.आई.बी.

2. विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2019

- विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2019 का आयोजन ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान- TERI द्वारा किया गया था।

- शिखर सम्मेलन के वर्ष 2019 के संस्करण की थीम- '2030 एजेंडे को प्राप्त करना: अपने वादे को पूरा करना' थी।
- यह एक साझा मंच पर सतत विकास, ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्रों में वैश्विक नेताओं और विचारकों को एक साथ लाना चाहता है।

संबंधित जानकारी

विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन

- डब्ल्यू.एस.डी.एस. ने दिल्ली सतत विकास शिखर सम्मेलन (डी.एस.डी.एस.) को प्रतिस्थापित किया है।
- पहले डी.एस.डी.एस. का आयोजन वर्ष 2005 में किया गया था।
- यह गरीबी को कम करने में प्रगति करने और सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) के शीघ्र और सतत अनुकूलन को सुनिश्चित करने हेतु व्यवसायों और निजी क्षेत्र की आवश्यकताओं पर बल देता है।

TERI (ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान)

- यह एक गैर-लाभकारी अनुसंधान संस्थान है जो ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास के क्षेत्र में शोध कार्य करता है।
- इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण मुद्दों के वैश्विक समाधान को तैयार करने हेतु स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर की रणनीतियों के सूत्रीकरण पर ध्यान केंद्रित करना है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1974 में टाटा ऊर्जा अनुसंधान संस्थान की गई थी और वर्ष 2003 में इसका नाम बदलकर ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान कर दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत-पी.आई.बी.

3. कलाकारों के लिए पेंशन और चिकित्सा सहायता हेतु योजना

- संस्कृति मंत्रालय ने “कलाकारों के लिए पेंशन एवं चिकित्सा सहायता हेतु योजना” नामक एक योजना लागू की है।
- इस योजना का उद्देश्य उन वृद्ध कलाकारों और विद्वानों की वित्तीय और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना है, जिन्होंने कला, वर्णों

आदि के अपने विशिष्ट क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है लेकिन वे एक दुखित जीवन जी रहे हैं अथवा अत्यंत गरीब स्थिति में हैं।

- यह योजना, सरकार की एक सुविधाजनक और सस्ती स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत शामिल ऐसे कलाकारों और उनके जीवनसाथी को चिकित्सा सहायता सुविधा भी प्रदान करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी योजना

स्रोत-पी.आई.बी.

4. लाइट हाउस परियोजनाएं

- आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने जी.एच.टी.सी.-इंडिया के अंतर्गत लाइट हाउस परियोजनाओं के विनिर्माण हेतु राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के समक्ष पूरे देश में 6 साइटों का चयन करने की चुनौती स्थापित की है।
- इसमें लाइट हाउस परियोजना नामक एक पाइलट परियोजना के अंतर्गत नवाचार तकनीकियों के साथ 1,000 घरों का निर्माण किया गया है जो कि कम लागत के, स्थायी और आपदा प्रतिरोधी हैं।
- दिशानिर्देशों के अनुसार इन परियोजनाओं के निर्माण के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को केंद्रीय सहायता प्राप्त होगी।
- सजीव प्रदर्शन हेतु लाइट हाउस परियोजनाओं के लिए चयनित साइटों का प्रयोग 'ओपन प्रयोगशाला' के रूप में किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

वैश्विक आवास तकनीकी चुनौती (जी.एच.टी.सी.-इंडिया)

- यह चुनौती (जी.एच.टी.सी. - भारत), एक अद्वितीय प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से पूरे विश्व से सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध नवाचार विनिर्माण तकनीकियों को प्राप्त करना चाहती है।
- इसका उद्देश्य उन्नत सिद्ध प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके बनाई गई लाइटहाउस परियोजनाओं के माध्यम से देश में आवास निर्माण क्षेत्र की पारिस्थिक-प्रणाली को परिवर्तित करना है।

- यह पूरे क्षेत्र में ज्ञान साझा करने और नेटवर्किंग हेतु मंच के निर्माण और देशीय तकनीकी अनुसंधान के विकास को बढ़ावा देगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक विकास

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. एन.आर.आई. जीवनसाथी द्वारा शोषण से निपटने हेतु विधेयक
 - एक आदेश में, एन.आर.आई. जीवनसाथी द्वारा भारतीय महिलाओं के शोषण की बढ़ती हुई घटनाओं से निपटने हेतु विदेश मंत्री ने राज्यसभा में एक विधेयक पेश किया है।
 - विदेश मंत्रालय (एम.ई.ए.) ने कहा है कि विधेयक जवाबदेही उत्पन्न करेगा और धोखे से किए गए विवाह में फंसी हुई और उनके जीवनसाथी द्वारा छोड़ी गई लड़कियों की रक्षा करेगा।

विधेयक का प्रावधान

- नए विधेयक के अनुसार, एक एन.आर.आई. और एक भारतीय नागरिक की शादी का पंजीकरण, शादी की तारीख से 30 दिनों के भीतर होना अनिवार्य है।
- दोषी एन.आर.आई. जीवनसाथी के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने हेतु आपराधिक संहिता एवं पासपोर्ट अधिनियम, 1967 में आवश्यक कानूनी प्रावधान बनाए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महिला सशक्तीकरण

स्रोत- द हिंदू

6. भारत को अमेरिका से 4 चिनूक सैन्य हेलीकॉप्टरों की एक खेप प्राप्त हुई है।
 - भारत को अमेरिका से भारतीय वायु सेना के लिए 4 सी.एच.-47 चिनूक सैन्य हेलीकॉप्टरों की एक खेप प्राप्त हुई है।

संबंधित जानकारी

चिनूक हेलीकॉप्टर

- चिनूक सैन्य हेलीकॉप्टर, आधुनिक हेली लिफ्ट हेलिकॉप्टर हैं जिनका प्राथमिक उद्देश्य युद्ध के मैदान में सैनिकों, तोपखानों, बाधा सामग्री और उपकरणों को स्थानांतरित करना है।
- चिनूक को मानवीय और आपदा राहत कार्यों के लिए और राहत आपूर्ति के परिवहन और बड़े

पैमाने पर शरणार्थियों के निकास जैसे अभियानों के लिए तैनात किया जाएगा।

- उन्नत बहु-मिशन हेलीकॉप्टर, चिनूक भारतीय सशस्त्र बलों को लड़ाकू और मानवीय मिशनों के पूरे स्पेक्ट्रम में बेजोड़ रणनीतिक एयरलिफ्ट क्षमता प्रदान करेगा।
- अमेरिकी सेना द्वारा वर्ष 1962 से इन हेलीकॉप्टरों का उपयोग किया जा रहा है और ये हेलीकॉप्टर वियतनाम के पास भी हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

7. 11 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय महिला एवं कन्या विज्ञान दिवस के रूप में घोषित किया गया है।
 - संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) महासभा ने 11 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय महिला एवं कन्या विज्ञान दिवस के रूप में घोषित किया है।
 - इस दिवस की थीम "समावेशी हरित विकास हेतु विज्ञान में महिलाओं और कन्याओं में निवेश" थी।
 - यह विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों की पहुँच, पूर्ण और एकसमान भागीदारी को प्राप्त करने और भविष्य में महिलाओं एवं कन्याओं के सशक्तीकरण और लैंगिक समानता के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता करता है।

संबंधित जानकारी

- यूनेस्को के आंकड़ों (2014-16) के अनुसार, सभी छात्राओं का केवल लगभग 30% भाग ही उच्च शिक्षा में एस.टी.ई.एम. से संबंधित क्षेत्रों का चयनित होता है।
- वैश्विक स्तर पर, आई.सी.टी. (3%), प्राकृतिक विज्ञान, गणित और सांख्यिकी (5%) और इंजीनियरिंग, विनिर्माण और निर्माण (8%) में छात्राओं का नामांकन विशेष रूप से कम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 महिला सशक्तीकरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. हेलिना-एंटी टैंक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।

- उड़ीसा के बालासोर जिले के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से हेलिकॉप्टर द्वारा लॉन्च की जाने वाली एंटी-टैंक मिसाइल, हेलिना का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।

संबंधित जानकारी

हेलिना

- यह एक एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आई.जी.एम.डी.पी.) के अंतर्गत भारतीय सेना के लिए स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित की गई है।
- यह भारत के एकमात्र मिसाइल निर्माता, राज्य स्वामित्व वाले भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित है।
- हेलिना, नाग का हवा से लॉन्च किया जाने वाला संस्करण है, यह एक फायर-एंड-फॉरगेट ए.टी.जी.एम. है।
- इसकी 7-10 कि.मी. (हवा में लॉन्च करने के बाद) की परिचालन सीमा है।
- यह अत्यधिक उन्नत इमेजिंग इन्फ्रारेड रडार (आई.आई.आर.) से सुसज्जित है और एकीकृत हवाई जहाज के साथ साधक है।
- इसमें एक उन्नत निष्क्रिय होमिंग मार्गदर्शन प्रणाली भी है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेला सुरंग की नींव रखी है।
- इस सुरंग का निर्माण सीमा सड़क संगठन द्वारा 687 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जा रहा है और इसे पूरा होने में तीन वर्षों का समय लगेगा।
- इसका उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश में तवांग और अन्य अग्र क्षेत्रों की सभी प्रकार के मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

सेला दर्रा

- सेला दर्रा, अरुणाचल प्रदेश के तवांग और पश्चिम कामेंग जिलों के मध्य स्थित है।

- यह तवांग के तिब्बती बौद्ध कस्बे को दिरांग और गुवाहाटी से जोड़ता है।

टॉपिक- जी.एस.-1-भारतीय भूगोल

स्रोत-लिवमिंट

13.02.2019

1. भारत और चीन, शेष विश्व की तुलना में तेजी से हरियाली कर रहे हैं।

- एक नए वैश्विक अध्ययन के अनुसार, चीन और भारत- एशिया के दो आर्थिक पावरहाउस- ग्रह की हरियाली में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।
- वर्तमान में विश्व में वर्ष 2000 की तुलना में लगभग 5.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर का अतिरिक्त हरी पत्ती (ग्रीन लीफ) क्षेत्रफल है।
- इस वृद्धि में चीन ने 25 प्रतिशत का योगदान दिया है जब कि भारत ने वर्ष 2000 और वर्ष 2017 के मध्य पत्ती (लीफ) क्षेत्रफल में कुल वैश्विक परिणामी वृद्धि का 6.8 प्रतिशत का योगदान दिया है।
- इन दोनों देशों द्वारा हरियाली करने में दिया गया योगदान बहुत अधिक है, हालांकि इन देशों के पास कुछ अन्य विकसित देशों की तुलना में कम वनस्पतिक क्षेत्र है।
- चीन में वैश्विक वनस्पतिक क्षेत्र का 6.6 प्रतिशत और भारत में मात्र 2.7 प्रतिशत क्षेत्र है।

कारण

- पहले के अध्ययनों ने कार्बन डाइऑक्साइड निषेचन को पृथ्वी की भूमि की हरियाली का प्रमुख कारण माना था, लेकिन इस अध्ययन में ज्ञात हुआ है कि भूमि उपयोग में बदलाव के कारण हरियाली अधिक होती है।
- इन दोनों देशों के हरित क्षेत्रफल में वृद्धि के प्रमुख कारण में अधिकांशतः भूमिगत जल सिंचाई के साथ ही भूमि की उपलब्धता और सुविधाजनक उर्वरकों का उपयोग करके बहु फसल के साथ दोनों देशों में खाद्य उत्पादन में होने वाली 35 प्रतिशत वृद्धि है।

संबंधित जानकारी

हरियाली (ग्रीनिंग)

- हरियाली, कुल पत्ती (लीफ) क्षेत्र- वनों, कृषि भूमि, बागानों, मोनोकल्चर वृक्षारोपण, वाणिज्यिक वृक्षारोपण को संदर्भित करती है।
- 2. बौद्ध पर्यटन सर्किट
 - केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने बौद्ध सर्किट के अंतर्गत पांच नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।
 - जिन पांच राज्यों में बौद्ध सर्किट के अंतर्गत परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है, वे राज्य: मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात और आंध्र प्रदेश हैं।
 - बौद्ध सर्किट, स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विकास के लिए पहचाने जाने वाले पंद्रह विषयगत सर्किटों में से एक है।

संबंधित जानकारी

स्वदेश दर्शन योजना

- यह केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसे देश में विषय-आधारित पर्यटक सर्किट के एकीकृत विकास के लिए वर्ष 2014 -15 में शुरू किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. यू.पी. सरकार ने परिवार नियोजन के संदर्भ में जागरूकता फैलाने के लिए "सारथी संदेश वाहिनी" वाहनों की शुरुआत की है।
 - उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 33 'सारथी संदेश वाहिनी' वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।
 - 'सारथी संदेश वाहिनी', राज्य परिवार कल्याण विभाग द्वारा शुरू किया गया एक मिशन है, जिसका उद्देश्य शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार नियोजन के संदर्भ में जागरूकता फैलाना है।
 - राज्य स्वास्थ्य विभाग, इस अभियान की निगरानी करने हेतु नोडल अधिकारियों की नियुक्त करेगा।
 - इस अभियान के अंतर्गत, वाहन विभिन्न डॉक्यूमेंट्री और फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को परिवार नियोजन की जानकारी प्रदान करेंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

4. राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.ए.टी.)
 - एन.सी.एल.ए.टी. ने एस्सार स्टील दिवालिया मुकदमें पर निर्णय लेने के लिए एन.सी.एल.ए.टी. अहमदाबाद के लिए समय सीमा को बढ़ा दिया है।

संबंधित जानकारी

एन.सी.एल.ए.टी.

- राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.टी.) के फैसलों के खिलाफ की गई अपीलों की सुनवाई करने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 410 के अंतर्गत इसका गठन किया गया था, जो कि 1 जून, 2016 से प्रभावी है।
- इसके अतिरिक्त यह दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 61 के अंतर्गत एन.सी.एल.टी. द्वारा पारित किए गए फैसलों के खिलाफ अपीलों की सुनवाई के लिए एक अपीलीय न्यायाधिकरण है।
- इसके अतिरिक्त यह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा पारित किए गए आदेश अथवा लिए गए निर्णय अथवा जारी किए गए किसी निर्देश के खिलाफ की गई अपीलों की सुनवाई और निपटान हेतु अपीलीय न्यायाधिकरण है।

संरचना:

- भारत के मुख्य न्यायाधीश के साथ परामर्श के बाद ही न्यायाधिकरण के अध्यक्ष, अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष और न्यायिक सदस्यों की नियुक्ति की जाएगी।
- न्यायाधिकरण के सदस्यों और अपीलीय न्यायाधिकरण के तकनीकी सदस्यों की नियुक्ति एक चयन समिति सिफारिशों के आधार पर की जाएगी, इस चयन समिति में निम्न शामिल हैं:
- भारत के मुख्य न्यायाधीश अथवा उनके नामित व्यक्ति- अध्यक्ष

- सर्वोच्च न्यायालय का एक वरिष्ठ न्यायाधीश अथवा उच्च न्यायालय का एक मुख्य न्यायाधीश- सदस्य
- कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय का सचिव- सदस्य
- कानून एवं न्याय मंत्रालय का सचिव- सदस्य
- वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग का सचिव- सदस्य

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

5. ई-कोकून ऐप

- कपड़ा मंत्रालय ने रेशम कीट बीज क्षेत्र में गुणवत्ता प्रमाणीकरण हेतु एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है।
- यह ऐप रियल टाइम रिपोर्टिंग के माध्यम से प्रणाली एवं उत्पाद प्रमाणीकरण के लिए केंद्रीय बीज अधिनियम के अंतर्गत नामित बीज अधिकारियों और बीज विश्लेषकों द्वारा प्रयोग किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

रेशम उत्पादन

- यह रेशमकीट पालन के माध्यम से रेशम की खेती है।
- यह कृषि आधारित उद्योग है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- कृषि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. न्यायालय की अवमानना

- सर्वोच्च न्यायालय ने राव और सी.बी.आई. के कानूनी सलाहकार को बिहार अनाथ आश्रमों में हुए दुर्व्यवहार के मामले दोषी ठहराया है।

संबंधित जानकारी

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 129 और 215 क्रमशः सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय को अवमानना शक्तियां प्रदान करते हैं।
- न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 में दो प्रकार की अवमानना का प्रावधान है:
- नागरिक अवमानना
- आपराधिक अवमानना
- **नागरिक अवमानना:** जब कोई व्यक्ति जानबूझकर न्यायालय के फैसले, आदेश अथवा

निर्देश की अवज्ञा करता है तो यह नागरिक अवमानना के अंतर्गत आता है।

- **आपराधिक अवमानना:** इसमें निम्नलिखित में से एक अथवा अधिक शामिल हैं:

1. किसी भी न्यायालय के प्राधिकरण को नीचा दिखाना अथवा निंदा करना
2. पक्षपात करना अथवा किसी न्यायिक कार्यवाही के नियत समय के साथ हस्तक्षेप करना
3. किसी अन्य तरीके से न्याय के प्रशासन में हस्तक्षेप करना अथवा बाधा डालना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. वैज्ञानिकों ने होटलों में सेक्स के लिए बेचे जाने वाले बच्चों की मदद करने के लिए ए.आई. ऐप "होटल-50 के." का प्रयोग किया है।

- वैज्ञानिकों को आशा है कि होटल-50 के. नामक एप्लीकेशन के माध्यम से यौन तस्करी के शिकार बच्चों का पता लगाने और उन्हें इस कुकृत्य से बचाकर बाहर निकालने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) मदद कर सकती है।
- होटल -50 के. का प्रयोग यह पता लगाने के लिए किया जा सकता है कि तस्करी के शिकार लोगों को कहाँ रखा गया है और उन्हें कैसे बचाया जा सकता है।
- शोधकर्ताओं ने विश्व भर के 50,000 होटलों की तस्वीरें एकत्र करने हेतु वर्ष 2016 में इस ऐप को लॉन्च किया था।
- यह होटल के कमरे की तस्वीरों के एक डेटाबेस के माध्यम से ऑनलाइन विज्ञापनों के साथ मेल खाने के द्वारा छानबीन करता है।
- ये तस्वीरें, तस्करों द्वारा डाले गए ऑनलाइन विज्ञापनों से मेल खा सकती हैं।
- तस्कर प्रायः अपने पीड़ितों द्वारा होटल के कमरों में ली गई सेल्फी का प्रयोग करते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, पूरे विश्व में लगभग 4.5 मिलियन लोग यौन तस्करी का शिकार हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. लावासिया (LAWASIA) मानवाधिकार सम्मेलन

- हाल ही में पहले लावासिया मानवाधिकार सम्मेलन का आयोजन भारतीय वकील संघ के सहयोग से लावारिस द्वारा किया गया है।
- सम्मेलन की थीम: "राज्य शक्ति, व्यवसाय और मानवाधिकार: समकालीन चुनौतियाँ" थी।
- इस सम्मेलन का उद्देश्य सभी के लिए सार्थक महत्ता के विषय पर विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि का विनिमय करने हेतु वकीलों और संबद्ध व्यवसायिक सदस्यों के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करना है।

लावासिया

- यह वकीलों, न्यायाधीशों, न्यायविदों और कानूनी संगठनों का एक क्षेत्रीय संघ है।
- यह एशिया प्रशांत कानूनी व्यवसाय के हितों और चिंताओं की वकालत करता है।
- यह कानूनी व्यवसाय की आवाज के रूप में और कानून के नियम, व्यवसायिक अखंडता और मानवाधिकारों के संरक्षण के पारस्परिक सिद्धांतों के अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए वाहक नलिका के रूप में कानूनी ज्ञान के गैर-क्षेत्राधिकार विनिमय के संवर्धन हेतु मंच प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सामाजिक न्याय

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

14.02.2019

1. ई-औषधि पोर्टल

- आयुष के राज्य मंत्री (आई.सी.) ने नई दिल्ली में आयुर्वेद, सिद्धा, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं और इनसे संबंधित मामलों के ऑनलाइन लाइसेंस के लिए ई-औषधि पोर्टल लॉन्च किया है।
- इस पोर्टल का उद्देश्य पारदर्शिता को बढ़ाना, सूचना प्रबंधन सुविधा को बेहतर करना, डेटा उपयोगिता को बेहतर करना और उत्तरदायित्व को बढ़ाना है।
- यह ई-पोर्टल आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी स्वचालित औषधि सहायता पहल का संक्षिप्त रूप है।

संबंधित जानकारी

आयुष मंत्रालय

- आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी मंत्रालय का संक्षिप्त रूप आयुष है।
- यह भारत में एक सरकारी निकाय है जिसका उद्देश्य वैकल्पिक दवाओं के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान का विकास करना है जिसमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्धा और होम्योपैथी शामिल हैं।
- इस मंत्रालय के प्रमुख राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दे

स्रोत-पी.आई.बी.

2. साख संबद्ध पूंजी सब्सिडी एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने वर्ष 2017-18 से वर्ष 2019-20 तक तीन वर्षों के लिए 12वीं योजना के अतिरिक्त साख संबद्ध पूंजी सब्सिडी एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना (सी.एल.सी.एस.-टी.यू.एस.) को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

- इस योजना का उद्देश्य निम्न के माध्यम से तकनीकी उन्नयन के उद्देश्य वाले मौजूदा विभिन्न योजनाबद्ध हस्तक्षेपों को एकीकृत करके एम.एस.एम.ई. की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है:
- 1. साख संबद्ध पूंजी सब्सिडी (सी.एल.सी.एस.)
- 2. शून्य कमी शून्य प्रभाव विनिर्माण हेतु हैंड होल्डिंग (जेड.ई.डी.)
- 3. अपशिष्ट में कमी (दुर्बल), डिजाइन हस्तक्षेप (डिजाइन) के माध्यम से उत्पादकता को बढ़ाना
- 4. क्लाउड कंप्यूटिंग (डिजिटल एम.एस.एम.ई.),
- 5. बौद्धिक संपदा की सुविधा (आई.पी.आर.)
- 6. नए विचारों (इन्क्यूबेशन) को उत्पन्न करना

- इस योजना में एस.सी./ एस.टी., महिला एन.ई.आर., पहाड़ी राज्यों (जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड), द्वीप क्षेत्रों (अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप) और आकांक्षात्मक जिलों/ एल.डब्ल्यू.ई. जिलों के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु विशेष प्रावधान किए गए हैं।

नोट:

- शून्य दोष और शून्य प्रभाव, इसके अंतर्गत घटक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन स्तर में कमी करने को बढ़ावा देगा और उत्पादों की विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान दोष/ अपव्यय में कमी के माध्यम से प्रतिस्पर्धा में सुधार करेगा।
- यह नवाचार, एम.एस.एम.ई. के डिजिटली सशक्तिकरण, डिजाइन हस्तक्षेपों को बढ़ावा देगा और एम.एस.एम.ई. की बौद्धिक संपदा के संरक्षण का समर्थन करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

3. मैसेडोनिया ने आधिकारिक रूप से अपना नाम बदलकर उत्तरी मैसेडोनिया कर लिया है।
- मैसेडोनिया गणराज्य ने आधिकारिक रूप से अपना नाम बदलकर उत्तरी मैसेडोनिया कर लिया है।
- 6 फरवरी, 2019 को नाटो के सदस्य राज्यों ने उत्तरी मैसेडोनिया को इस संधि में शामिल होने और 30वां सदस्य बनने की स्वीकृति प्रदान करते हुए एक परिग्रहण प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए थे।

संबंधित जानकारी

उत्तर मैसेडोनिया

- उत्तरी मैसेडोनिया आधिकारिक रूप से उत्तरी मैसेडोनिया गणराज्य, दक्षिण पूर्व यूरोप में बाल्कन प्रायद्वीप में स्थित एक देश है।
- यह चारों-ओर से घिरा हुआ देश है, उत्तरी मैसेडोनिया उत्तर-पश्चिम में कोसोवो के साथ, उत्तर-पूर्व में सर्बिया के साथ, पूर्व में बुल्गारिया के साथ, दक्षिण में ग्रीस और पश्चिम में अल्बानिया के साथ अपनी सीमा साझा करता है।

- इसकी कैपिटा स्कोप्जे और मुद्रा मैसेडोनियाई दिनार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. राष्ट्रीय खेल 2022 के लिए धूमिल तेंदुआ शुभंकर होगा।
- खेल एवं युवा मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल 2022 के लिए "मुस्कुराते हुए धूमिल तेंदुआ" को शुभंकर चुना है।
- राष्ट्रीय खेल 2022 की मेजबानी मेघालय द्वारा की जाएगी जो कि इसके राज्यत्व के 50 वर्षों के साथ मेल खा रहा है।

संबंधित जानकारी

धूमिल तेंदुआ

- यह हिमालयी तलहटी में गारो, खासी और जयंतिया पहाड़ियों के वनों में पाए जाते हैं।
- आवासीय स्थानों के नुकसान, इनकी त्वचा के लिए शिकार और इसके अतिरिक्त जीवित पालतू व्यापार के कारण इनकी प्रजाति खतरे में आ गई थी।
- आई.यू.सी.एन. स्थिति: लुप्तप्राय है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. नागरिकता और तीन तालक बिल रद्द
- नागरिकता (संशोधन) विधेयक, 2019 और एक मुस्लिम विवाह में तत्काल तलाक को आपराधिक मानने वाले तीन तालक विधेयक को रद्द कर दिया गया है।

संबंधित जानकारी

- नागरिकता विधेयक में 31 दिसंबर, 2014 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आने वाले छह धार्मिक अल्पसंख्यकों- हिंदू, जैन, सिख, पारसी, ईसाई और बौद्ध को नागरिकता देने का प्रस्ताव था।
- इस विधेयक को 1985 असम समझौते की शर्तों के उल्लंघन के रूप में माना जा रहा था जिसे 24 मार्च, 1971 को नागरिकता प्रदान करने के लिए कट-ऑफ के रूप में निर्धारित किया गया था।

विधानसभा भंग होने पर संसद में विधेयक किस प्रकार रद्द होता है?

- विधानसभा में लंबित विधेयक रद्द हो जाता है (चाहे यह विधानसभा में शुरू हुआ हो या विधान परिषद द्वारा विधानसभा को प्रेषित किया गया हो)।
- विधानसभा द्वारा पारित लेकिन विधान परिषद द्वारा लंबित विधेयक रद्द हो जाता है।
- विधान परिषद में लंबित लेकिन विधानसभा द्वारा पारित नहीं हुआ विधेयक रद्द नहीं होता है।
- विधेयक, विधानसभा द्वारा पारित हो (एक एकसदनी राज्य) अथवा दोनों सदनों (द्विसदनीय राज्य में) द्वारा पारित हो लेकिन राज्यपाल अथवा राष्ट्रपति की लंबित स्वीकृति के कारण रद्द नहीं होता है।
- विधेयक, विधानसभा द्वारा पारित हो (एक एकसदनी राज्य) अथवा दोनों सदनों (द्विसदनीय राज्य में) द्वारा पारित हो लेकिन सदन के पुनर्विचार के लिए राष्ट्रपति द्वारा लौटाया गया विधेयक रद्द नहीं होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

6. उड़ीसा में सुबर्णरेखा बंदरगाह

- उड़ीसा के मुख्यमंत्री ने उड़ीसा के बालासोर जिले में सुबर्णरेखा बंदरगाह की आधारशिला रखी है।
- प्रस्तावित बंदरगाह का विकास टाटा स्टील और क्रिएटिव पोर्ट डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।
- यह सभी मौसमों के लिए उपयुक्त बंदरगाह है, जो बंगाल की खाड़ी पर सुबर्णरेखा नदी के मुहाने पर स्थित है।

संबंधित जानकारी

सुबर्णरेखा नदी

- सुबर्णरेखा नदी (जिसे स्वर्णरेखा भी कहा जाता है) भारतीय राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा से होकर बहती है।

सहायक नदियां

- सुबर्णरेखा की प्रमुख सहायक नदियाँ खरकई, रोरो, कांची, हरमूनदी, डामरा, करू, चिंगुरु, काराकारी, गुरमा, गर्गा, सिंगदुबा, कोडिया, दुलुंगा और खईजोरी हैं।
- खरकई नदी, जमशेदपुर के पड़ोस में सोनारी (दोमुहानी) में सुवर्णरेखा से मिलती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण बंदरगाह

स्रोत- द हिंदू

7. ट्रांस वसा के खिलाफ लड़ाई में केरल अग्रणी हैं।

- केरल सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने ट्रांस फैटी एसिड के हानिकारक प्रभावों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता फैलाने हेतु एक कार्य योजना बनाई है।

संबंधित जानकारी

ट्रांस वसा

- ट्रांस-फैटी एसिड (टी.एफ.ए.), वसा के सबसे हानिकारक प्रकार हैं जिनका हमारे शरीर पर किसी भी अन्य आहार घटक की तुलना में अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।
- ये वसा बड़े पैमाने पर कृत्रिम रूप से उत्पादित होती हैं लेकिन प्राकृतिक रूप से भी कम मात्रा में पाई जाती है।
- कृत्रिम टी.एफ.ए. तब बनते हैं जब हाइड्रोजन, शुद्ध घी/ मक्खन जैसी वसा के उत्पादन हेतु तेल के साथ अभिक्रिया करता है।
- प्राकृतिक टी.एफ.ए. मांस और दुग्ध उत्पादों में कम मात्रा में मौजूद होते हैं।
- ट्रांस वसा को ट्रांस फैटी एसिड अथवा टी.एफ.ए. के रूप में भी जाना जाता है, यह विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों में थोड़ी मात्रा में पाई जाने वाली वसा का एक प्रकार है।

हानिकारक प्रभाव

- इन्हें 'खराब' वसा माना जाता है क्योंकि संतृप्त वसा के समान ये रक्त में एल.डी.एल.-कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाते हैं।

- इसके अतिरिक्त ट्रांस वसा "अच्छे" एच.डी.एल. कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है और रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स और वास के अन्य प्रकारों के स्तर को बढ़ाता है।
- संतृप्त वसा की तुलना में टी.एफ.ए. हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाता है।
- इसके अतिरिक्त यह मोटापा, टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, इंसुलिन प्रतिरोध, बांझपन और निश्चित प्रकार के कैंसर के विकसित होने के अधिक जोखिम से भी संबंधित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- द हिंदू

8. वनों में 99.82% परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है।
- भारत के सर्वोच्च राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एन.बी.डब्ल्यू.एल.) पर संरक्षित क्षेत्रों में वन भूमि को उद्योग के लिए अनुमति देने का आरोप लगा है- जांच के लिए आई 687 परियोजनाओं (99.82%) में से 682 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड

- यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत गठित एक "संवैधानिक संगठन" है।
- यह वन्यजीव से संबंधित सभी मामलों की समीक्षा करने और राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभयारण्यों में और उसके आसपास के क्षेत्रों में परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने हेतु एक शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करता है।
- बोर्ड "सलाहकार" प्रकृति का है और देश में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए नीतियों और उपायों को तैयार करने पर केंद्र सरकार को सलाह देता है।
- एन.बी.डब्ल्यू.एल. की स्वीकृति के बिना राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों की सीमाओं में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है।

संरचना

- एन.बी.डब्ल्यू.एल. की अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है और इसमें 47 सदस्य होते हैं।
- इनमें से 19 सदस्य, पदेन सदस्य होते हैं।
- अन्य सदस्यों में संसद के तीन सदस्य (लोकसभा से दो और राज्यसभा से एक), पांच एन.जी.ओ. और 10 प्रख्यात पारिस्थितिकीविद्, संरक्षणवादी और पर्यावरणविद् शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

9. किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान योजना
- केंद्र सरकार, "किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान योजना" नामक एक योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य किसानों के मध्य सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है।

योजना के संदर्भ में जानकारी:

- ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रिड कनेक्टेड अक्षय ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की जाएगी, प्रत्येक ग्रिड 500 किलोवाट से 2 मेगावाट तक क्षमता की होगी।
- ग्रिड से न जुड़े हुए किसानों की सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्टैंडअलोन ऑफ-ग्रिड सौर जल पंपों की स्थापना की जाएगी।
- किसानों को ग्रिड आपूर्ति से स्वतंत्र करने हेतु मौजूदा ग्रिड-कनेक्टेड कृषि पंपों का सौरकरण किया जाएगा और डिस्कॉम को उत्पादित अधिशेष सौर ऊर्जा बेची जाएगी और अतिरिक्त आय प्राप्त की जाएगी।
- किसानों को एक सौर पंप लगवाने हेतु कुल खर्च का केवल 10% खर्च वहन करना होगा।
- केंद्र सरकार 60% लागत प्रदान करेगी जब कि शेष 30% लागत बैंक द्वारा जमा के रूप में आपको प्रदान की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

10. सेलेनियम नैनो कण जीवाणुरोधी घटकों की तरह काम कर सकते हैं।

- वैज्ञानिकों ने पाया है कि सेलेनियम नैनो कण, अपनी अद्वितीय संरचना और गुणों के कारण जीवाणुरोधी दवाओं की तुलना में अधिक प्रभावी हो सकते हैं क्योंकि उनका पृष्ठ क्षेत्रफल अधिक होता है और वे बाहरी वातावरण के अधिक संपर्क में रहते हैं।
- सोडियम सेलेनाइट को विटामिन सी के साथ मिलाकर सेलेनियम नैनो कण तैयार किए जाते हैं।
- जीवाणुरोधी प्रभाव इस तथ्य के कारण हो सकता है कि विशिष्ट सांद्रता पर नैनो-सेलेनियम जीवाणु कोशिका सतह के संपर्क में आती है कोशिका के भीतर प्रवेश कर जाती है, जिसके कारण नुकसान होता है।
- अधिक मात्रा में सेलेनियम विषाक्त है। समान उद्देश्यों के लिए चांदी के नैनो कणों का भी उपयोग किया जाता है, सेलेनियम की स्थायी प्रकृति के कारण शोधकर्ताओं ने इसे चुना है।

संबंधित जानकारी

सेलेनियम

- सेलेनियम, एक रासायनिक तत्व है जिसका रासायनिक प्रतीक Se और परमाणु संख्या 34 है।
- सेलेनियम प्राकृतिक रूप से गेहूं, अंडे, पनीर, मेवा और समुद्री खाद्य पदार्थों में पाया जाता है।
- यह एक एंटीऑक्सिडेंट और प्रतिरक्षा बूस्टर है।

15.02.2019

1. **हिंसा उकसाए बिना की गई आलोचना राजद्रोह नहीं है: सर्वोच्च न्यायालय**
- आई.पी.सी. की धारा 124ए के अंतर्गत, राजद्रोह का अपराध तब माना जाता है जब कोई व्यक्ति शब्दों के द्वारा अथवा किसी अन्य माध्यम से घृणा फैलाने अथवा अवमानना करने अथवा उत्तेजित करने अथवा विधि द्वारा स्थापित सरकार के प्रति असंतोष भड़काने का कार्य करता है।
- कानून के अंतर्गत राजद्रोह, एक संज्ञेय, गैर-जमानती और समझौते के अयोग्य अपराध है, जिसमें अधिकतम सजा के रूप में जुर्माने साथ अथवा बिना जुर्माने के आजीवन कारावास होता है।

मुकदमें (केदार नाथ मामले) में सुप्रीम कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया है?

- न्यायालय ने जांच की थी कि क्या धारा 124ए की संवैधानिकता को राज्य के अधिकार और सार्वजनिक आदेश की सुरक्षा के विशिष्ट संदर्भ में स्वतंत्र रूप से भाषण के अधिकार पर एक उचित प्रतिबंध के रूप में संरक्षित किया जा सकता है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने केदार नाथ मामले में यह फैसला सुनाया है कि कोई भी कार्य जिसमें हिंसक माध्यमों अथवा सार्वजनिक अव्यवस्था के द्वारा "सरकार में अशांति फैलाने का प्रभाव" शामिल है, वह राजद्रोह की परिभाषा के अंतर्गत आएगा।
- न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि कानूनी माध्यमों के द्वारा उपायों के सुधार अथवा परिवर्तन के दृष्टिकोण से सरकार के उपायों को अस्वीकृति करना राजद्रोह नहीं है।
- यह कहा गया है कि "हालां कि टिप्पणियां कठोरतापूर्वक शब्दों से की गई हों, वे सरकार के कार्यों के प्रति नापसंदगी व्यक्त करती हों, परंतु वे उन भावनाओं को आहत नहीं करती हों जिनके कारण हिंसक कृत्यों द्वारा सार्वजनिक अव्यवस्था उत्पन्न होती है", तो यह एक दंडनीय अपराध नहीं होगा।

संबंधित जानकारी

- राजद्रोह, वर्ष 1860 में अधिनियमित वास्तविक आई.पी.सी. का हिस्सा नहीं था।
- इसे वर्ष 1870 में प्रस्तावित किया गया था तब यह कहा गया था कि यह गलती से वास्तविक आई.पी.सी. मसौदे से हटा दिया गया था।
- न्यायालय ने धारा 124ए की दो प्रत्यक्ष असंगत विवचानाओं- एक निहारेंदु दत्त के मामले में संघीय न्यायालय का, अन्य सदाशिव नारायण भालेराव मामले में गुप्त जानकारी से संबंधित मंत्रिपरिषद, का सामना किया है।

नोट: अपने समाचार पत्र, केसरी में "देश का दुर्भाग्य" शीर्षक के अंतर्गत लेख छापने के लिए गुप्त जानकारी से संबंधित मंत्रिपरिषद द्वारा राजद्रोह का दोषी पाए जाने के बाद तिलक को 6 वर्षों के कारावास की सजा सुनाई गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. केरल का रहस्यमयी मेंढक: मिस्टिसेलस फ्रैंकी
 - वैज्ञानिकों ने एक नया उभयचर- एक रहस्यमयी संकरे मुंह वाला मेंढक खोजा है, जो केरल के वायनाड जिले में प्रत्येक वर्ष में मौसमी सड़क के किनारे पोखरों में केवल चार दिन दिखाई देता है।
 - मिस्टिसेलस फ्रैंकी, नामक मेंढक न केवल एक नई प्रजाति है बल्कि मिस्टिसेलस नामक एक संपूर्णतयः नए वंश से संबंधित है।
 - आनुवांशिक अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि यह मेंढक लगभग 40 मिलियन वर्ष पुराना है और इसके निकटतम रिश्तेदार 2,000 कि.मी. से अधिक दूरी पर दक्षिण-पूर्व एशिया (इंडो-बर्मा, मलेशिया और वियतनाम सहित) में रहते हैं।
 - लेखकों ने सुझाव दिया है कि यह दक्षिण-पूर्व एशियाई संबंध, भूतपूर्व में भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया से संबंधित सिद्धांतों को मजबूती प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

3. आंध्र ने पी.एम. किसान योजना का अन्नदाता सुखीभवः योजना में विलय कर दिया है।
 - आंध्र प्रदेश ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना का अपनी स्वयं की अन्नदाता सुखीभवः योजना के साथ विलय करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।
 - यह निर्णय भविष्य में राज्य के सभी किसानों को उनकी भूमि के आकार के निरपेक्ष 10,000 रुपये प्रति वर्ष की धनराशि की स्वीकृति प्रदान करेगा।
 - पी.एम.-किसान योजना के अंतर्गत न केवल सीमांत किसानों को शामिल किया जाएगा बल्कि किरायेदार किसानों को भी शामिल किया जाएगा जिन्हें योजना का लाभ प्रदान करने हेतु 'कृषि प्रमाणपत्र' और "ऋण पात्रता प्रमाणपत्र" की सुविधा दी जाएगी।

- इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रत्येक परिवार को 6000 रुपये दिए जाएंगे, किसानों को आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से 4000 रुपये मिलेंगे।

संबंधित जानकारी

अन्नदाता सुखीभवः योजना

- आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य के बजट 2019 में किसानों के कल्याण हेतु अन्नदाता सुखीभवः योजना की घोषणा की है।
- अन्नदाता सुखीभवः योजना को लागू करने के अंतर्गत राज्य सरकार ने धान, गन्ना, कपास, मूंगफली की फसल, मक्का, दलहन और सूरजमुखी की फसल के लिए अनुदान बढ़ाया है।

योजना की विशेषताएं

1. **किसानों का विकास**
 - इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य कृषि श्रमिकों हेतु बेहतर आय के अवसर पेश करना है। फसलों पर सब्सिडी के अतिरिक्त वे अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता भी प्राप्त कर सकेंगे।

2. चयनित फसलें

- इस किसान विकास परियोजना के अंतर्गत राज्य धान, गन्ना, मक्का, सूरजमुखी, कपास, मूंगफली और दालों जैसी फसलों पर सब्सिडी प्रदान करेगा।

3. वित्तीय योजना

- राज्य के वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि इस नई योजना के कार्यान्वयन हेतु राज्य सरकार ने 5000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

पात्रता मापदंड

- यह योजना केवल आंध्र प्रदेश राज्य के स्थायी निवासियों के लिए लागू की गई है।
- कोई भी व्यक्ति जिसके पास कृषि भूमि है अथवा वह किराएदार कृषक है तो वह इस योजना का लाभ ले सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी योजना

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. उड़ीसा में डॉल्फिन की संख्या में कमी हुई है: डॉल्फिन की वार्षिक जनगणना

- हाल ही में की गई उड़ीसा के जल निकायों में रहने वाली डॉल्फिनों की वार्षिक जनगणना में कुछ आश्चर्यजनक आंकड़े सामने आए हैं, जलीय स्तनधारियों की जनसंख्या वर्ष 2018 में 469 की तुलना में इस वर्ष 259 रह गई है।
- वर्ष 2019 की डॉल्फिन की जनगणना रिपोर्ट से ज्ञात हुआ है कि राज्य की सबसे अधिक डॉल्फिनों का निवास स्थान गाहिरमाथा है, यहां पर 126 पशु रहते हैं।

जनसंख्या में कमी के कारण

- पिछले वर्ष की तुलना में डॉल्फिन की संख्या में कमी का कारण चिलिका झील और अन्य जल निकायों से गहरे समुद्र में प्रजातियों का प्रवास हो सकता है।

संबंधित जानकारी

- डॉल्फिन को भारतीय वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में शामिल किया गया है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय लुप्तप्राय प्रजाति व्यापारिक सम्मेलन (सी.आई.टी.ई.एस.) के परिशिष्ट I में शामिल किया गया है।
- प्रवासी प्रजाति सम्मेलन (सी.एम.एस.) इसे परिशिष्ट II में शामिल किया गया है।
- आई.यू.सी.एन. स्थिति- लुप्तप्राय है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. नॉर्ड स्ट्रीम 2 ने यूरोपीय संघ की ऊर्जा नीति की विफलता को चिन्हित किया है।

- यूरोपीय संघ ने प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों पर अपने नियमों को सख्त करने हेतु सहमति व्यक्त की है- इस प्रकार से वे रूसी गैस को बाल्टिक समुद्र के अंतर्गत प्रत्यक्ष रूप से जर्मनी लाने हेतु नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन परियोजना के पुनर्गठन पर जोर दे सकते हैं।
- यूरोपीय संसद ने दो महीने पहले "यूरोपीय ऊर्जा सुरक्षा के प्रति खतरा पैदा करने वाली राजनीतिक परियोजना के रूप में" इसकी निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था।

- यूरोपीय संघ, ब्लॉक में आने वाली पाइपलाइनों को अपने ऊर्जा नियमों के अंतर्गत लाना चाहता है लेकिन जर्मनी ने आशंका जताई कि नई पाइपलाइन को अनार्थिक और अलाभकारी बनाया जाएगा।
- जर्मनी के सतत दबाव के बाद यूरोपीय संघ इस बात पर सहमत हो गया है कि नॉर्ड स्ट्रीम 2 में उसके ऊर्जा नियम किस प्रकार लागू होने चाहिए।

नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन

- नॉर्ड स्ट्रीम 2, बाल्टिक समुद्र के नीचे रूस और जर्मनी को जोड़ने वाली योजनाबद्ध गैस पाइपलाइन है।
- यह जर्मनी को रूस से आयात करने वाली गैस की मात्रा को प्रभावी रूप से दोगुना करने की स्वीकृति प्रदान करेगा।

कहाँ है?

- बर्लिन और मास्को 1,200 किलोमीटर (746 मील) मार्ग पर सहमत हैं, जो सेंट पीटर्सबर्ग के निकट उस्त-लुगा क्षेत्र को उत्तर-पूर्वी जर्मनी में ग्रीफ्सवाल्ड से जोड़ेगा।
- ये पाइप, बाल्टिक समुद्र से होकर गुजरेंगे जो पहले से मौजूद नॉर्ड स्ट्रीम 1 पाइपलाइन के मार्ग के अधिकांश भाग का अनुसरण करेंगे, जिसे वर्ष 2011 में शुरू किया गया था।

यह विवादास्पद क्यों है?

- योजनाबद्ध मार्ग स्लोवाकिया और पोलैंड जैसे मध्य और पूर्वी यूरोपीय देशों से होकर गुजरता है, जिससे उन्हें आकर्षक गैस हस्तांतरण शुल्क जमा करने का मौका नहीं मिलता है।
- इसके अतिरिक्त, रूस के पास अपने सबसे महत्वपूर्ण खरीदार, जर्मनी को सीधे गैस पहुंचाने का साधन है, पूर्वी यूरोप से होकर जाने वाली मौजूदा पाइपलाइनों को बंद करना रूसी सरकार के लिए बहुत आसान होगा।
- यह परियोजना यूरोप को रूस से मिलने वाली गैस को बंद कराने के ब्रुसेल्स के प्रयासों के विपरीत है।

- क्विव पर दबाव डालने के लिए रूस, यूक्रेन को की जाने वाली गैस आपूर्ति को आसानी बंद कर सकता है।
- अप्रैल, 2018 में यूरोपीय संघ आयोग ने यह कहते हुए इस परियोजना को वापस लेने से इनकार कर दिया था कि यह गैस आपूर्ति में विविधता लाने के यूरोपीय संघ के लक्ष्यों में योगदान नहीं देती है।
- इसके अतिरिक्त, पर्यावरणविदों का दावा है कि पाइपलाइन, बाल्टिक समुद्र की वनस्पतियों और जीवों के लिए हानिकारक होगी।

संबंधित जानकारी

बाल्टिक सदस्य-

- बाल्टिक राज्यों को बाल्टिक देशों के रूप में भी जाना जाता है, बाल्टिक समुद्र के पूर्वी तट पर उत्तरी यूरोप के तीन देश: एस्टोनिया, लताविया और लिथुआनिया हैं।
- बाल्टिक राज्य, मुख्यतः बाल्टिक विधानसभा के माध्यम से कई अंतरसरकारी संगठनों में क्षेत्रीय स्तर पर सहयोग करते हैं।
- तीनों देश यूरोपीय संघ, नाटो और यूरोज़ोन के सदस्य हैं।
- एस्टोनिया और लताविया ओ.ई.सी.डी. के भी सदस्य हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत-इकोनॉमिक टाइम्स

6. बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन योजना की घोषणा की है।
- बिहार के मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन योजना (एम.एम.वी.पी.वाई.) नामक एक सार्वभौमिक वृद्धा पेंशन योजना की घोषणा की है।
- इस योजना के लिए सरकारी संगठनों से सेवानिवृत्त होने वाले व्यक्तियों को छोड़कर सभी जाति, समुदाय, धर्म के निरपेक्ष सभी लोग पात्र हैं।
- इस योजना में सरकार से पेंशन न प्राप्त करने वाले राज्य के 60 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध

लोगों को 400 रुपए प्रति माह की पेंशन दी जाएगी।

- यह योजना 1 अप्रैल, 2019 से लागू की जाएगी।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. सरकारी समिति ने न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाकर 375 रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है।
- सरकार द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति ने कृषि अथवा अकुशल श्रमिकों की 321 रुपये प्रतिदिन और अर्द्ध-कुशल श्रमिकों की 371 रुपये प्रतिदिन की मौजूदा मजदूरी को बढ़ाकर 375 रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है।
- समिति एक नई कार्यप्रणाली के साथ आई है जिसने क्षेत्र, कौशल और स्थान के आधार पर मजदूरी में अंतर को समाप्त कर दिया है।
- इसने न्यूनतम मजदूरी की गणना करने हेतु "संतुलित आहार दृष्टिकोण" को प्रस्तावित किया है।
- शहरी भारत में श्रमिकों के लिए किराया भत्ते के रूप में अतिरिक्त 55 रुपये प्रस्तावित किए गए हैं।
- समिति ने प्रत्येक पांच वर्ष में खपत टोकरी की समीक्षा करने की भी सिफारिश की है।
- यह एन.एस.एस.ओ.-सी.ई.एस. डेटा की उपलब्धता के अधीन है और 5 वर्ष की अवधि के भीतर आजीविका की लागत में परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने हेतु प्रत्येक छह महीने में बेसिक न्यूनतम मजदूरी का कम से कम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सी.पी.आई.) के अनुरूप संशोधन और अद्यतन करना चाहिए।

संबंधित जानकारी

- श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी की गणना करने के तरीकों की समीक्षा और सिफारिश करने हेतु वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान के छात्र अनूप सतपथी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. भारत ने पाकिस्तान को दिया गया मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा रद्द कर दिया है।

- भारत ने घोषणा की है कि उसने पाकिस्तान को दिया गया मोस्ट फेवर्ड नेशन (एम.एफ.एन.) का दर्जा वापस लेने का फैसला किया है और कश्मीर घाटी में कार बम हमले के बाद भारत, इस देश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने के लिए सभी संभव कदम उठाएगा।

संबंधित जानकारी

मोस्ट फेवर्ड नेशन दर्जा (एम.एफ.एन.) क्या है?

- डब्ल्यू.टी.ओ. के टैरिफ एवं व्यापार सामान्य समझौते (जी.ए.टी.टी.) एम.एफ.एन. सिद्धांत के अनुसार- जिसके प्रति भारत एक हस्ताक्षरकर्ता/ अनुबंध करने वाली पार्टी है- डब्ल्यू.टी.ओ. के प्रत्येक सदस्य देशों को "मोस्ट फेवर्ड व्यापारिक साझेदार" के रूप में "सभी अन्य सदस्यों के साथ समान रूप से" व्यवहार करना चाहिए।
- डब्ल्यू.टी.ओ. सदस्य के रूप में भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुसार वर्ष 1996 में पाकिस्तान को एम.एफ.एन. का दर्जा दिया गया था।
- डब्ल्यू.टी.ओ. कहता है, "किसी को विशेष महत्व (जैसे कम सीमा शुल्क दर) प्रदान करना और आपको डब्ल्यू.टी.ओ. के अन्य सभी सदस्यों के लिए भी ऐसा ही करना होगा।"

अतः एम.एफ.एन., विशेष उपचार की भांति लगता है, इसका प्रभावी होना अर्थात गैर-पक्षपातपूर्ण होना है।

18.02.2019

1. भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने "लेडिस" पोर्टल लॉन्च किया है।

- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने राष्ट्रीय जलमार्गों के विस्तार की उपलब्ध गहराई पर रियल टाइम जानकारी प्राप्त करने के लिए "लेडिस" पोर्टल लॉन्च किया है।

लेडिस (न्यूनतम उपलब्ध गहराई सूचना प्रणाली)

- यह सुनिश्चित करेगा कि जहाज/ नाव और कार्गो मालिकों के लिए न्यूनतम उपलब्ध गहराई पर रियल टाइम डेटा का प्रचार इस प्रकार किया जाए कि वे अधिक योजनाबद्ध तरीके से एन.डब्ल्यू. पर परिवहन का कार्य कर सकें।

- यह राष्ट्रीय जलमार्गों पर निर्बाध संचालन हेतु सूचना के आदान-प्रदान की दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाएगा, इसके अतिरिक्त जहाजों की आवाजाही के दौरान होने वाली अग्रक्रम समस्याओं को समाप्त करेगा।
- प्रारंभ में, एल.ए.डी. जानकारी सर्वेक्षण की तारीख के साथ एन.डब्ल्यू.-1, एन.डब्ल्यू.-2, भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग और एन.डब्ल्यू.-3 के लिए उपलब्ध होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल परिवर्तित निवास स्थान के लिए अनुकूल हो सकते हैं: अध्ययन

ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल

- ग्रेट हॉर्नबिल को ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल अथवा ग्रेट बहुरंगीय हॉर्नबिल के रूप में भी जाना जाता है, यह हॉर्नबिल परिवार के बड़े सदस्यों में से एक है।
- यह मुख्य रूप से फल खाने वाला पक्षी है, लेकिन एक अवसरवादी पक्षी है और छोटे स्तनधारियों, सरीसृप और पक्षियों का शिकार करता है।
- आई.यू.सी.एन. स्थिति: लुप्तप्राय (वर्ष 2018 में खतरे के निकट से बढ़कर)
- यह सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट I में भी सूचीबद्ध है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

3. संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया गया है।

- संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका की दक्षिणी सीमा में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की है।
- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ड्रग्स और अपराधियों के "आक्रमण" का हवाला देते हुए अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर एक सीमा दीवार के निर्माण हेतु निधि हेतु राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की है।

- अमेरिकी राष्ट्रपति अब कांग्रेस (संयुक्त राज्य में संसद) में विपक्ष को दरकिनार कर सकते हैं और दीवार के निर्माण के लिए संघीय निधि में अरबों डॉलर को अनुप्रेषित कर सकते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में आपातकालीन शक्तियां

- संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में न तो "आपातकाल" शब्द और न ही कोई तुलनीय शब्द का उल्लेख किया गया है।
- संयुक्त राज्य में राष्ट्रपति के पास राष्ट्रीय आपातकाल अधिनियम, 1976 से प्राप्त आपातकालीन शक्तियां हैं।

राष्ट्रीय आपातकाल अधिनियम, 1976

- राष्ट्रीय आपातकाल अधिनियम के अंतर्गत, राष्ट्रपति एक विशेष कारण बताते हुए राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर सकते हैं।
- यह अधिनियम "आपातकाल" की कोई विशिष्ट परिभाषा प्रदान नहीं करता है और राष्ट्रपति को अपने विवेक से पूरी तरह से आपातकाल घोषित करने की अनुमति प्रदान करता है।
- अधिनियम में राष्ट्रीय आपातकाल के संदर्भ में सार्वजनिक रूप से कांग्रेस को सूचित करने और प्रत्येक छह महीने में रिपोर्ट करने हेतु राष्ट्रपति की आवश्यकता होती है।
- कानून यह भी कहता है कि राष्ट्रपति को अवश्य ही प्रत्येक वर्ष सामान्य प्रकार से कांग्रेस को सूचित करके आपातकाल को नवीनीकृत करना चाहिए।
- कांग्रेस बहुमत से एक घोषणा को रद्द कर सकती है, हालांकि उसे अपेक्षित राष्ट्रपति पद के निषेधाधिकार को रद्द करने के लिए प्रत्येक सदन से दो-तिहाई मत प्राप्त करने होंगे।

आपातकाल घोषणा के पिछले रुख

- राष्ट्रपति बराक ओबामा ने वर्ष 2009 में स्वाइन फ्लू के प्रकोप के दौरान राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की थी, जिससे कि अस्पतालों और स्थानीय सरकारों को वायरस से निपटने के लिए

स्थान स्थापित करने की अनुमति प्रदान की जा सके।

- वर्ष 2001 में राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने 9/11 आतंकवादी हमलों के बाद राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की थी, जिसमें कानून के कुछ पहलुओं को निलंबित कर दिया गया था, जिसमें सेना के आकार को सीमित करने वाले प्रावधान भी शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. ईरान, चाबहार को बढ़ावा देगा क्यों कि प्रतिबंध मुख्य बंदरगाह को प्रभावित कर रहा है।
- जब अमेरिकी प्रतिबंधों ने ईरान के मुख्य बंदरगाह बन्दर अब्बास के लिए खतरा पैदा कर दिया है तो ईरानी सरकार, 26 फरवरी को एक प्रमुख सम्मेलन में भारत द्वारा विकसित किए जा रहे चाबहार बंदरगाह को बढ़ावा देने की योजना बना रही है, जिसमें केवल भारत-अफगान व्यापार के अतिरिक्त हिंद महासागर बंदरगाह की क्षमता को दर्शाया गया है।
- चाबहार का लाभ यह था कि इसे अमेरिका से छूट मिली थी।
- यह अपवाद अफगानिस्तान के लिए पुनर्निर्माण सहायता और आर्थिक विकास से संबंधित है।

संबंधित जानकारी

चाबहार बंदरगाह

- चाबहार बंदरगाह, ओमान की खाड़ी पर दक्षिणपूर्वी ईरान में स्थित चाबहार में एक बंदरगाह है।
- यह ईरान के एकमात्र समुद्री बंदरगाह के रूप में कार्य करता है और शाहिद कालांतरी एवं शाहिद बेहेशती नामक दो अलग-अलग बंदरगाहों से मिलकर बना है।
- यह बंदरगाह ऊर्जा से समृद्ध फारस की खाड़ी के देशों के दक्षिणी तट तक पहुंच प्रदान करता है।
- चाबहार समझौते पर जून, 2015 में हस्ताक्षर किए गए थे और नवंबर, 2016 में ईरानी अभिभावक परिषद द्वारा इसे अनुमोदित किया गया था।

- इसे मध्य एशियाई देशों के साथ भारत, ईरान और अफगानिस्तान द्वारा व्यापार के लिए प्रवेश द्वार के रूप में देखा जा रहा है।
- चाबहार बंदरगाह का पहला और सबसे महत्वपूर्ण महत्व यह है कि भारत, अफगानिस्तान को बिना पाकिस्तान से गुजरे माल परिवहन कर सकता है।
- अरब सागर में चीनी उपस्थिति का मुकाबला करने में चाबहार बंदरगाह भारत के लिए फायदेमंद होगा जिसे चीन, पाकिस्तान को ग्वादर बंदरगाह विकसित करने में मदद करके सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

5. पेंगोलिन का अंत

- चीन में इसके माने जाने वाले औषधीय पैमानों के विचार ने चींटियों को खाने वाली चीनी छिपकली को जन्म दिया, जो भारत में लुप्तप्राय और दक्षिण एशिया में पाई जाने वाली दो प्रजातियों में से एक है।
- पेंगोलिन, दुनिया में सबसे तस्करी की जाने वाली स्तनपायी है।
- इसका शिकार पूर्वोत्तर राज्यों और मध्य भारत में इसके मांस के लिए किया जाता है और चीन में इसके पैमानों की मांग ने इसे एक दशक से भी कम समय में सबसे अधिक लुप्तप्राय जानवर बना दिया है।

संबंधित जानकारी

पेंगोलिन

- पेंगोलिन, ग्रह पर पाया जाने वाला एक मात्र विशालकाय स्तनपायी है।
- विश्व भर में पेंगोलिन की आठ प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय लुप्तप्राय प्रजाति व्यापारिक सम्मेलन (सी.आई.टी.ई.एस.) के अनुसार केवल दो प्रजातियां भारत में पायी जाती हैं।
- ये चीनी छिपकलियां, अधिकतर पूर्वोत्तर भारत और भारतीय पेंगोलिन में पाई जाती हैं।

- चीनी पेंगोलिन को (आई.यू.सी.एन.) रेड लिस्ट में "गंभीर रूप से लुप्तप्राय" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- भारतीय पेंगोलिन को आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट में "लुप्तप्राय" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- इसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (1972) के अंतर्गत अनुसूची I श्रेणी संरक्षित पशु के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

6. युद्धाभ्यास वायु शक्ति-2019

- भारतीय वायु सेना द्वारा राजस्थान के पोखरण में पाकिस्तान के साथ की सीमा के निकट युद्धाभ्यास वायु शक्ति-2019 आयोजित किया गया है।
- भारतीय वायु सेना ने स्वदेशी रूप से विकसित प्लेटफार्मों जैसे हल्का लड़ाकू विमान (एल.सी.ए.) तेजस, उन्नत हल्का हेलीकॉप्टर (ए.एल.एच.) और सतह से हवा में मार करने वाली आकश मिसाइल और हवा से हवा में मार करने वाली अस्त्र मिसाइल की दक्षता का प्रदर्शन किया है।

संबंधित जानकारी

- वायु शक्ति और गगन शक्ति, भारतीय वायु सेना द्वारा आयोजित दो महत्वपूर्ण युद्धाभ्यास हैं।

गगन शक्ति

- यह भारत द्वारा हिंद महासागर क्षेत्र (आई.ओ.आर.) के संपूर्ण विस्तारित क्षेत्र पर दशकों में अपने हवाई प्रभुत्व का प्रदर्शन करने के लिए किया गया सबसे बड़ा सैन्य युद्धाभ्यास है।
- सैन्य प्रोटोकॉल के अनुसार, युद्धाभ्यास के बारे में पाकिस्तान और चीन दोनों को संशय में रखा गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. पंजाब का काला हिरण अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है।

- यह ज्ञात हुआ है कि आवारा कुत्तों के हमलों से जख्मी होने के कारण पंजाब में अधिकांश काले हिरणों की मृत्यु हो रही है।

काला हिरण (भारतीय हिरण)

- वे भारत, नेपाल और पाकिस्तान (बांग्लादेश में विलुप्त) में पाए जाते हैं।
- काला हिरण, आंध्र प्रदेश, हरियाणा और पंजाब का राज्य पशु है।
- आई.यू.सी.एन. स्थिति: न्यूनतम चिंतनीय
- भारत में, 1972 के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची I के अंतर्गत काले हिरण का शिकार करना निषिद्ध है।
- यह सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट III (नेपाल) के अंतर्गत है।

नोट: राजस्थान का बिश्नोई समुदाय, दुनिया भर में काले हिरण और चिंकारा के संरक्षण के प्रयासों हेतु जाना जाता है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

8. बैलगाड़ी दौड़

- पंजाब सरकार ने लुधियाना में वार्षिक किला रायपुर ग्रामीण खेलों में बैलगाड़ी दौड़ के पुनरुद्धार का मार्ग प्रशस्त किया है।

पृष्ठभूमि

- वर्ष 2014 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बैलगाड़ी दौड़ को प्रतिबंधित किया गया था।
- पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का केंद्रीय अधिनियम 59) पशुओं पर अनावश्यक क्रूरता और पीड़ा के प्रकोप को रोकने के लिए लागू किया गया था।

संबंधित जानकारी

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम

- पशुओं को अनावश्यक दर्द अथवा पीड़ा के प्रकोप से बचाने के लिए और जानवरों पर क्रूरता की रोकथाम से संबंधित कानूनों में संशोधन करने के लिए इसे 1960 में अधिनियमित किया गया था।
- कानून के प्रावधानों के अनुसार, भारत सरकार ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड का गठन किया था।

अधिनियम के अंतर्गत जानवरों के प्रति क्रूरता हेतु कौन सी गतिविधियां शामिल होंगी?

- पी.सी.ए. की धारा 11 के अनुसार, निम्नलिखित उदाहरणों से पशु उपचार होगा:
- किसी भी जानवर पर हानिकारक दवाओं अथवा पदार्थों का ऐच्छिक और अनुचित प्रशासन
- किसी भी जानवर को ऐसे पिंजरे में कैद करना जो ऊंचाई, लंबाई और चौड़ाई में अपर्याप्त हो जिससे जानवर को आसानी से रहने में परेशानी हो
- जानवर का मालिक उसे पर्याप्त भोजन, पेय अथवा आश्रय प्रदान नहीं करता है
- सिर्फ मनोरंजन के उद्देश्य से जानवर को लड़ने हेतु उकसाना

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड

- यह पशु कल्याण कानूनों पर एक संवैधानिक सलाहकार निकाय है और देश में जानवरों के कल्याण को बढ़ावा देता है।
- बोर्ड यह सुनिश्चित करता है कि देश में पशु कल्याण कानूनों का पालन किया जा रहा है, यह अन्य पशु कल्याण संगठनों को अनुदान भी प्रदान करता है और पशु कल्याण के मुद्दों पर भारत सरकार को सलाह देता है।
- बोर्ड में 28 सदस्य होते हैं।
- सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

9. वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की भूपटल के नीचे विशाल पर्वतों की खोज की है।

- वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के आच्छादन में विशाल पर्वतों की खोज की है, यह एक तथ्य है जो ग्रह किस प्रकार बना, इस संदर्भ में हमारी समझ को बदल सकता है।
- विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में, वैज्ञानिकों ने 660 कि.मी. नीचे स्थित एक परत, जो उच्च और निम्न आच्छादन को अलग करती है, पर पर्वतों और अन्य स्थलाकृतियों को खोजने के लिए बोलीविया में एक विशाल भूकंप के डेटा का उपयोग किया है।

संबंधित जानकारी

पृथ्वी के आंतरिक भाग के बारे में जानकारी के स्रोत:-

- पृथ्वी के आंतरिक भाग के बारे में जानकारी के दो स्रोत हैं -
 - (a) प्रत्यक्ष स्रोत
 - (b) अप्रत्यक्ष स्रोत

प्रत्यक्ष स्रोत: खनन, ड्रिलिंग और ज्वालामुखी विस्फोट प्रत्यक्ष स्रोतों के उदाहरण हैं।

अप्रत्यक्ष स्रोत: भूकंपीय तरंगें, गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र, चुंबकीय क्षेत्र, गिरते हुए उल्कापिंड आदि अप्रत्यक्ष स्रोतों के उदाहरण हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

10. पहाड़ी बांध आधुनिकीकरण परियोजना

- प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में पहाड़ी बांध आधुनिकीकरण परियोजना का उद्घाटन किया है।
- पहाड़ी बांध, झांसी जिले में धसान नदी पर स्थित एक जल संग्रहण बांध है।
- धसान नदी, बेतवा नदी की एक दाहिने किनारे की सहायक नदी है जो मध्य प्रदेश से उत्पन्न हुई है।
- यह परियोजना बांध से पानी के रिसाव को कम करके किसानों को लाभान्वित करेगी और किसानों के लिए अधिक पानी उपलब्ध कराएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

11. नासा के मंगल रोवर, अपॉरच्युनिटी ने एक 15 वर्षीय मिशन का समापन किया है।

- अपॉरच्युनिटी, एक रोबोट रोवर जो वर्ष 2004 से 2018 तक मंगल ग्रह पर सक्रिय था।
- इसे नासा के मंगल अन्वेषण रोवर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 7 जुलाई, 2003 को लॉन्च किया गया था, यह 25 जनवरी, 2004 को मेरीडियन प्लेनम में उतरा था, इसके दो सप्ताह बाद इसकी ट्विन स्पिरिट (एम.ई.आर.-ए.) ने ग्रह के दूसरे हिस्से को स्पर्श किया था।

संबंधित जानकारी

- अपॉरच्युनिटी, मंगल पर पहला और अंतिम रोवर नहीं था।
- नासा के निवासी ने 1997 में लगभग तीन महीने तक ग्रह की खोज की और अपॉरच्युनिटी के आने से तीन हफ्ते पहले, इसकी समान ट्विन स्पिरिट मंगल के दूसरी ओर उतरी थी।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- न्यूयॉर्क टाइम्स

19.02.2019

1. केंद्रीय गृह मंत्री ने महिला सुरक्षा के लिए आई.टी.एस.एस.ओ. और सुरक्षित शहर कार्यान्वयन निगरानी पोर्टल लॉन्च किए हैं।

- केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह और महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने नई दिल्ली में नागरिक सुरक्षा पहलों की एक श्रृंखला लांच की है।
- इसमें 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिला सुरक्षा के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया समर्थन प्रणाली, ई.आर.एस.एस. शामिल है।
- राज्यों में आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात और जम्मू एवं कश्मीर शामिल हैं। यह सेवा हिमाचल प्रदेश और नागालैंड में पहले से ही शुरू की जा चुकी है।
- संकट में फंसा हुआ व्यक्ति अखिल भारतीय नंबर-112 डायल कर सकता है।
- इस प्रणाली के अंतर्गत, सभी राज्यों को एक समर्पित आपातकाल प्रतिक्रिया केंद्र, ई.आर.सी. स्थापित करना होगा।
- ई.आर.सी., जिला कमान केंद्रों और आपातकाल प्रतिक्रिया वाहनों से जुड़े होते हैं और इसके माध्यम से पीड़ितों को सहायता प्रदान की जाती है।
- गृह मंत्री ने भी दो पार्टल- यौन अपराधों हेतु जांच ट्रेकिंग प्रणाली और सुरक्षित शहर कार्यान्वयन निगरानी पोर्टल लांच किए हैं।

संबंधित जानकारी

यौन अपराधों हेतु जांच ट्रैकिंग प्रणाली (आई.टी.एस.एस.ओ.)

- यह राष्ट्रीय, राज्यीय, जिला और पुलिस स्टेशन सभी स्तरों पर कानून प्रवर्तन संस्थाओं के लिए उपलब्ध ऑनलाइन मॉड्यूल है जो राज्य को दो महीने में बलात्कार के मामले की जांच पूरी करने हेतु रियल टाइम निगरानी एवं प्रबंधन करने की स्वीकृति प्रदान करता है।
- यह मौजूदा सी.सी.टी.एन.एस. डेटाबेस से जानकारी प्राप्त करता है, जिसके अंतर्गत देश के लगभग 15000 पुलिस स्टेशन शामिल हैं।
- यह बलात्कार के मामलों में सामयिक जांच और अभियोजन के लिए विश्लेषण और पूर्वानुमान हेतु राज्यों की क्षमताओं को बहुत अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

अन्य

- अप्रैल, 2018 में संशोधित आपराधिक कानून में 12 वर्ष से कम उम्र की लड़की से बलात्कार के मामले में मौत की सजा सहित सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं।
- ऐसे मामलों में न्याय के तेज प्रशासन हेतु अधिनियम भी 2 महीने के भीतर जांच और परीक्षणों को पूरा करने का परस्पर शासनादेश जारी करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महिला सशक्तीकरण

स्रोत-पी.आई.बी. + ए.आई.आर.

- चौथा कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2019**
 - केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने हरियाणा के सोनीपत जिले के गणौर में भारत अंतर्राष्ट्रीय बागवानी बाजार (आई.आई.एच.एम.) में चौथे कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2019 का उद्घाटन किया है।
 - इस शिखर सम्मेलन की थीम “उद्यमिता एवं कृषि-व्यवसाय, कृषि संबद्ध- एक आशाजनक क्षेत्र और कृषि सेवा- प्रत्यक्ष विपणन” थी।
 - पंजाब, हरियाणा एवं दिल्ली वाणिज्य एवं उद्योग चेंबर (पी.एच.डी.सी.सी.आई.), इस शिखर सम्मेलन में संस्थागत भागीदार था।

- यह किसानों की आय और जीवनशैली की गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद करता है और राज्य के कृषि-संबंधित उद्योगों में निवेश को आकर्षित करने में मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

- ईरान ने नई 'फतेह' पनडुब्बी का अनावरण किया है।**
 - ईरानी राष्ट्रपति ने रिंग कूज मिसाइलों से सक्षम एक "अत्याधुनिक" स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी का अनावरण किया है।
 - यह सेमी-हैवी श्रेणी में ईरान की पहली पनडुब्बी है।
 - यह पनडुब्बी समुद्र तल से 200 मीटर की गहराई पर 35 दिनों तक संचालित की जा सकती है।
 - इसमें लगभग 2,000 किलोमीटर (1,250 मील) की मारक क्षमता वाली उप-प्रक्षेपास्त्र मिसाइलें हैं, जो इसे इजराइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों तक पहुंचने में सक्षम बनाती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत- द हिंदू

- कुलभूषण जाधव मामला: भारत, वाणिज्य दूत तक पहुँच चाहता है।**
 - भारत ने संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत से पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारी कुलभूषण जाधव को वाणिज्य दूत तक पहुँच प्रदान करने के लिए कहा है, इन्हें वर्ष 2016 में बलूचिस्तान में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और पाकिस्तान में एक सैन्य अदालत द्वारा मौत की सजा सुनाई गई थी।
 - अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आई.सी.जे.) ने वर्ष 2017 में पाकिस्तान को तत्काल जाधव की फांसी को रोकने का आदेश दिया था, इस व्यापक भारतीय मामले पर शेष बची हुई सुनवाही इस सप्ताह हेग में होगी।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय

- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आई.सी.जे.), संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख न्यायिक निकाय है।

- इसकी स्थापना वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र विशेषाधिकार के माध्यम से की गई थी और इसका अधिकार क्षेत्र पूरे विश्व में है।
- यह नीदरलैंड में "द हेग" में स्थित है और इसमें 193 राज्य दल शामिल हैं।
- आई.सी.जे. के प्रमुख कार्य राज्यों द्वारा इसके समक्ष प्रस्तुत किए गए कानूनी विवादों का निपटारा करना और विधिवत प्राधिकृत अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, संस्थाओं और संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इसके समक्ष प्रस्तुत किए गए कानूनी प्रश्नों पर परामर्शी राय प्रदान करना है।
- यह यू.एन.जी.ए. और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा नौ वर्षों के कार्यकाल के लिए चयनित न्यायाधीशों से मिलकर बना है।
- निरंतरता के मापक को सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक वर्ष कुल आई.सी.जे. के एक-तिहाई को चयनित किया जाता है।

नोट: दलवीर भंडारी को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के पांचवें न्यायाधीश के रूप में पुनः चुना गया है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. नई रिपोर्ट ने जानवरों पर एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग को बढ़ाया है।

- विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (ओ.आई.ई.) ने रोगाणुरोधी एजेंटों पर एक रिपोर्ट का खुलासा किया है जो जानवरों पर उपयोग करने के इरादे से प्रयोग की जाती है, यह दर्शाता है कि वृद्धि संवर्धकों के रूप में रोगाणुरोधी का उपयोग अभी भी किया जा रहा है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं:

- रिपोर्ट में यह पाया गया है कि टायलोसीन और कोलिस्टिन जैसे सर्वोच्च प्राथमिकता वाले गंभीर रूप से महत्वपूर्ण रोगाणुरोधी का उपयोग कई देशों द्वारा वृद्धि संवर्धकों के रूप में किया जा रहा है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के अनुसार, कोलिस्टिन भी एक "आरक्षित" श्रेणी का एंटीबायोटिक है, जिसका अर्थ है कि इसका उपयोग केवल तब किया जाना चाहिए जब अन्य सभी विकल्प विफल हो जाएं।

- भारत में वृद्धि संवर्धकों के रूप में रोगाणुरोधियों का उपयोग सामान्य रूप से किया जा रहा है।
- मानव स्वास्थ्य के लिए प्रासंगिक रोगाणुरोधी नियमित रूप से गैर-चिकित्सीय प्रयोजनों के लिए मुर्गीपालन अथवा एक्वाकल्चर में उपयोग किए जाते हैं।
- इन्हें पानी के साथ मिलाकर अथवा भोजन के माध्यम से उप-इष्टतम खुराक के रूप में दिया जाता है।
- वर्ष 2018 में अनुसंधान पत्रकारिता ब्यूरो ने खुलासा किया था कि किस तरह से वेंकीज़ लिमिटेड, मुर्गीपालन कृषि और फॉस्ट फूड उद्योगों को आपूर्ति करने हेतु ठेके पर मुर्गियों की वृद्धि करने में शामिल एक समूह है, मुर्गियों को मोटा करने में मदद करने हेतु किसानों को कॉलिस्टिन की आपूर्ति करता है।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) ने हाल ही में मांस, दूध, आदि जैसे खाद्य-पशु उत्पादों में एंटीबायोटिक अवशेषों के लिए मानक स्थापित करने के कार्य की सलाहना की है।
- एफ.एस.एस.ए.आई., कॉलिस्टिन के लिए खाद्य मानक प्रदान करता है जो दर्शाता है कि इस तरह के "अंतिम उपाय" एंटीबायोटिक्स का अभी भी पालतू खाद्य-जानवरों के पालन में तब तक उपयोग किया जा सकता है जब तक कि अवशेषों की निगरानी करते समय यह अनिर्धारित रहता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन

- 55वें म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (एम.एस.सी.) का जर्मनी में समापन हुआ है।
- यह वर्ष 1963 से जर्मनी के म्यूनिख में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पर आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक सम्मेलन है।
- एम.एस.सी. 2019 के दौरान, भारत ने अमेरिका, जर्मनी और रूस सहित कई देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों के दौरान पुलवामा आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाया है।

- यह नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों के लिए दिन और भविष्य के सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा मुद्दों के संदर्भ में खुली और रचनात्मक चर्चा हेतु एक स्वतंत्र स्थल है।
- म्यूनिख सुरक्षा रिपोर्ट, प्रतिवर्ष एम.एस.सी. द्वारा प्रकाशित की जाती है जो कि महत्वपूर्ण सुरक्षा चुनौतियों पर प्रासंगिक आंकड़ों, नक्शों और शोध का वार्षिक संग्रह है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. वैज्ञानिकों ने गेहूँ के संक्रमण से संबंधित प्रोटीनों की पहचान की है।

- भारतीय शोधकर्ताओं ने यह पता लगाया है कि गेहूँ में करनाल बंट रोग का कारण कवक टिलेशियाइंडिका, किस प्रकार फसलों को संक्रमित करता है।
- यह इस बीमारी से निपटने में वैज्ञानिकों की मदद कर सकता है, जिसने कई हजार टन से अधिक गेहूँ नष्ट कर दिया है।

संबंधित जानकारी

करनाल बंट

- करनाल बंट को पहली बार वर्ष 1931 में करनाल में पाया गया था।
- यह पैदावार को कम करने के साथ ही अनाज की गुणवत्ता को कम कर देता है क्योंकि उससे खराब मछली की बदबू और स्वाद आने लगता है।
- इससे अनाज, मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।
- यह बीमारी संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल, इराक, ईरान, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भी होती है।
- वर्तमान में, इस बीमारी को नियंत्रित करने हेतु गेहूँ की फसल पर फफूंदनाशकों का छिड़काव किया जाता है लेकिन यह बहुत अधिक प्रभावी तरीका नहीं है।
- इस कवक के प्रभाव को कम करने के लिए कई प्रोटीनों की पहचान की गई है, उदा. मैलेट डिहाइड्रोजिनेस, यह ऑक्जैलोएसीटेट उत्पन्न करने में मदद करता है, जो ऑक्जैलिक अम्ल

का अग्रगामी है, यह टिलेशियाइंडिका जैसे वनस्पतिजीवी कवकों का प्रमुख तत्व है जिसके कारण उनमें यह बीमारी होती है।

8. सर्वोच्च न्यायालय ने आई.टी. अधिनियम की धारा 66ए को खत्म करने के संदर्भ में पुलिस को संवेदनशील बनाने हेतु राज्यों को निर्देशित किया है।

- सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि वे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66ए को समाप्त किए जाने के संदर्भ में अपने पुलिस कर्मियों को संवेदनशील बनाएं, जिससे कि इस प्रावधान के अंतर्गत लोगों को अनावश्यक रूप से गिरफ्तार नहीं किया जा सके।

संबंधित जानकारी

- आई.टी. अधिनियम की धारा 66ए में ऐसे लोगों को जेल की सजा देने का प्रावधान किया गया है जो ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करते हैं और इसे मार्च, 2015 में शीर्ष अदालत द्वारा समाप्त कर दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस.-2- भारतीय संविधान

स्रोत- ए.आई.आर.

20.02.2019

1. समुद्री हवाई यात्रा के लिए अंडमान, लक्षद्वीप में 7 द्वीपों की पहचान की गई है।

- द्वीप विकास संस्था की 5वीं बैठक के दौरान सामुद्रिक वायुयान के संचालन के लिए अंडमान में चार और लक्षद्वीप में तीन द्वीपों की पहचान की गई है, जब कि पर्यटन आधारित परियोजनाओं के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी को आमंत्रित किया गया है।
- समुद्री हवाई यात्रा के संचालन हेतु अंडमान और नीकोबार द्वीपसमूह में स्वराज द्वीप, शहीद द्वीप, हूटबे और लांग द्वीपों की और लक्षद्वीप में कावारत्ती, अगल्ली और मिनिकोय द्वीपों की पहचान की गई है।

संबंधित जानकारी

द्वीप विकास संस्था (आई.डी.ए.)

- यह संस्था द्वीपों के समग्र विकास हेतु 01 जून, 2017 को स्थापित की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

2. स्फेरेक्स: वर्ष 2023 में ब्रह्मांड की जांच करने हेतु नासा का नया दूरदर्शी

- नासा, वर्ष 2023 में एक नया अंतरिक्ष दूरदर्शी लांच करेगा, जो ब्रह्मांड के इतिहास में पहले क्षण की एक झलक प्रदान कर सकता है।
- ब्रह्मांड के इतिहास हेतु स्पेक्ट्रो-प्रकाशमापी, पुनर्आयनीकरण का युगारंभ एवं हिम अन्वेषक (स्फेरेक्स) मिशन, एक योजनाबद्ध दो वर्षीय मिशन है।

उद्देश्य

- नासा का स्फेरेक्स मिशन खगोलविदों की यह दोनो चीजें समझने में मदद करेगा कि हमारा ब्रह्मांड कैसे विकसित हुआ था और हमारी आकाशगंगा की ग्रह प्रणालियों में जीवन के लिए सामग्री कितनी समान है।
- खगोलविद इस मिशन का प्रयोग 300 मिलियन से अधिक आकाशगंगाओं के संदर्भ में जानकारी एकत्र करने के साथ ही हमारी स्वयं की आकाशगंगा में स्थित 100 मिलियन से अधिक तारों के संदर्भ में जानकारी एकत्र करने में मदद करेंगे।
- यह मिशन में 96 विभिन्न रंग आवृत्तियों में पूरे आकाश का एक मानचित्र बनाएगा, जो पिछले सभी-आकाश मानचित्रों के रंग रिज़ॉल्यूशन से अधिक होगा।
- यह भविष्य के मिशनों जैसे नासा का जेम्स वेब अंतरिक्ष दूरदर्शी और व्यापक क्षेत्र अवरक्त सर्वेक्षण दूरदर्शी के द्वारा अधिक विस्तृत अध्ययन हेतु लक्ष्यों की पहचान करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - विज्ञान और तकनीकी

स्रोत- साइंस डेली

3. ऑस्ट्रेलियाई स्तनपायी "जलवायु परिवर्तन के कारण विलुप्त होने वाला पहला स्तनपायी है"।

- ऑस्ट्रेलिया ने आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि ग्रेट बैरियर रीफ कृतक विलुप्त हो गए हैं, ऐसा माना जाता है कि यह पहला स्तनपायी है जिसकी मानव प्रेरित जलवायु परिवर्तनों के कारण मृत्यु हुई है।

- चूहे की समान दिखने वाले कटीली झाड़ी रेतीले मेलोमिस, जो एकमात्र ज्ञात निवासी था, वह उत्तरी ऑस्ट्रेलिया से दूर एक छोटा रेतीला द्वीप है, जिसे कई दशकों से नहीं देखा गया है।

विलुप्त होने का कारण

- टोरेस जलधारा क्षेत्र में समुद्र-स्तर में वृद्धि और मौसमी घटनाओं पर उपलब्ध डेटा दर्शाता है कि "कटीली झाड़ी रेतीले मेलोमिस के विलुप्त होने का प्रमुख कारण मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन है"।
- इसके अतिरिक्त पिछले दशकों में मूंगा चट्टानों पर निचले द्वीप, जिसके परिणामस्वरूप निवास स्थानों का आकस्मिक नुकसान हुआ था।

नोट: मेलोमिसस रुबिकोला, ग्रेट बैरियर रीफ की एकमात्र स्थानिक स्तनपायी प्रजाति है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

4. मंत्रिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स 2019 पर राष्ट्रीय नीति के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

- चिपसेट सहित मुख्य घटकों को विकसित करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने हेतु उद्योग के लिए वातावरण को सक्षम बनाने हेतु देश में प्रोत्साहन और क्षमता संचालन के द्वारा यह नीति भारत की स्थिति की इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण (ई.एस.डी.एम.) के लिए वैश्विक हब के रूप में कल्पना करती है।

एन.पी.ई. 2019 की मुख्य विशेषताएं

- विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धी ई.एस.डी.एम. क्षेत्र के लिए पारिस्थितिक प्रणाली का निर्माण करना: ई.एस.डी.एम. की संपूर्ण मूल्य-श्रृंखला में घरेलू विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देना।
- प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक घटकों के निर्माण हेतु प्रोत्साहन राशि और समर्थन प्रदान करना।
- अर्द्धचालक सुविधा प्रदर्शन संरचना आदि जैसी अत्यधिक उच्च तकनीकी और अधिक निवेश कराने वाली मेगा परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन राशि का एक विशेष पैकेज प्रदान करें जो अत्यंत उच्च तकनीक वाला हो और इसमें भारी निवेश हो।

- नई इकाइयों और मौजूदा इकाइयों के विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए उपयुक्त योजनाओं और प्रोत्साहन तंत्र का सूत्रीकरण करना।
- पुनः कौशल सहित कुशल श्रमशक्ति की उपलब्धता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन राशि और समर्थन प्रदान करना।
- ई.एस.डी.एम. क्षेत्र में वर्ष 2025 तक आई.पी. के विकास और अधिग्रहण को बढ़ावा देने के लिए एक सॉवरेन पेटेंट फंड (एस.पी.एफ.) बनाना।
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा प्रोफाइल को बेहतर बनाने के लिए विश्वसनीय इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला पहलों को बढ़ावा देना।

पृष्ठभूमि

- इलेक्ट्रॉनिक्स 2012 पर राष्ट्रीय नीति (एन.पी.ई. 2012) के तत्वावधान में योजनाओं/ कार्यक्रमों के कार्यान्वयन ने प्रतिस्पर्धी भारतीय ई.एस.डी.एम. मूल्य श्रृंखला की नींव को सफलतापूर्वक समेकित किया है।
- देश में ई.एस.डी.एम. उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए एन.पी.ई. 2019 का निर्माण उसी नींव पर किया जाना प्रस्तावित किया गया है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स 2019 की राष्ट्रीय नीति (एन.पी.ई. 2019), इलेक्ट्रॉनिक्स 2012 की राष्ट्रीय नीति (एन.पी.ई. 2012) को प्रतिस्थापित करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. ओ.एफ.बी. को लंबी दूरी की 114 तोपें 'धनुष' के उत्पादन हेतु मंजूरी मिल गई है।
- आयुध निर्माणी बोर्ड (ओ.एफ.बी.) को भारतीय सेना और रक्षा मंत्रालय से 114 धनुष तोप बंदूकों के उत्पादन की मंजूरी प्राप्त हो गई है।

धनुष

- धनुष, भारत में निर्मित होने वाली लंबी दूरी की पहली तोप है।
- इसे भारतीय सेना की आवश्यकताओं के आधार पर कोलकाता आधारित, आयुध निर्माणी बोर्ड (ओ.एफ.बी.) द्वारा विकसित किया गया है और

जबलपुर आधारित गन कैरिज फैक्ट्री (जी.सी.एफ.) द्वारा निर्मित किया गया है।

- इसे देसी बोफोर्स के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यह स्वीडिश बोफोर्स हॉवित्जर का उन्नत संस्करण है, जिसे भारत ने अपने मूल डिजाइनों के आधार पर वर्ष 1980 के दशक के मध्य में खरीदा था।
- इसमें सटीकता और सुनिश्चितता के साथ 40 किलोमीटर की मारक सीमा है।
- इसमें डायरेक्ट फायर मोड में रात में फायरिंग करने की क्षमता भी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. अत्तूकल पोंगल: महिलाओं की विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक मण्डली है।
- केरल, अत्तूकल पोंगल महोत्सव का आयोजन करेगा जिसे एक दिन में महिलाओं की विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक सभा के रूप में माना जाता है।

संबंधित जानकारी

अत्तूकल पोंगल

- यह त्योहार केरल के तिरुवनंतपुरम में अत्तूकल मंदिर में मनाया जाता है।
- ये महिलाएं मिट्टी के बर्तन में चावल से बना प्रसाद तैयार करती हैं और इसे मंदिर की देवी को अर्पित करती हैं।
- पोंगल की तैयारियां 'अदुप्पुवेतु' नामक अनुष्ठान से प्रारंभ होती हैं।
- यह केरल का सबसे पहला पोंगल महोत्सव है।
- अत्तूकल मंदिर को 'महिलाओं का सबरीमाला' भी कहा जाता है क्योंकि यहां केवल महिलाएं ही अनुष्ठान करती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

7. पारिस्थिक सर्किट: पाथानामथित्ता- गावी-वागामोन- थेक्कडी का उद्घाटन किया गया है।
- केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने केरल के वागामोन में पारिस्थिक सर्किट: पाथानामथित्ता- गावी-वागामोन- थेक्कडी परियोजना का उद्घाटन किया है।

- यह परियोजना, स्वदेश दर्शन योजना का एक हिस्सा है।

पारिस्थिक सर्किट

- पारिस्थिक सर्किट परियोजना को दिसंबर, 2015 में मंजूरी प्रदान की गई थी।
- इसे 150 किलोमीटर सर्किट के रूप में विकसित किया गया है और इसमें वागामोन में पारिस्थिक-रोमांचक पर्यटन उद्यान, कदमानित्ता में सांस्कृतिक केंद्र, पीरुमेडु, इडुक्की में पारिस्थिक लॉग झोपडियां, पाइन घाटी वन में संबद्ध सड़क, वॉकिंग पथ, रेन शेल्टर हैं, थेक्कडी, कुमिली, मूझियार बांध, पेनस्टॉक और कक्की है।
- पारिस्थिक पर्यटन सर्किट का उद्देश्य गावी और पीरुमेडू सहित पथानामथित्ता और इडुक्की जिलों की वनस्पतियों और जीवों की रक्षा करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- टी.ओ.आई.

8. मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत एक नई कंपनी की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) केंद्रों और डी.ओ.एस. की घटक इकाइयों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान और विकास कार्यों का व्यावसायिक उपयोग करने के लिए अंतरिक्ष विभाग (डी.ओ.एस.) के अंतर्गत एक नई कंपनी की स्थापना को अपनी मंजूरी प्रदान की है।

मुख्य विशेषताएं:

निम्नलिखित क्षेत्र/ रास्ते इसरो कार्यक्रमों के व्यावसायिक दोहन के अवसर प्रदान करते हैं:

- उन उद्योगों को लघु उपग्रह प्रौद्योगिकी हस्तांतरित करना, जिसमें नई कंपनी में डी.ओ.एस./ इसरो से लाइसेंस लेगी और उद्योगों को उप-लाइसेंस देगी,
- निजी क्षेत्र के सहयोग से छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान (एस.एल.वी.) का निर्माण,
- उद्योग के माध्यम से ध्रुवीय एस.एल.वी. का उत्पादन
- प्रक्षेपण और अनुप्रयोगों सहित अंतरिक्ष-आधारित उत्पादों और सेवाओं का उत्पादन एवं विपणन,
- इसरो केंद्रों और डी.ओ.एस. की घटक इकाइयों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण,

- भारत और विदेश दोनों में कुछ स्पिन-ऑफ प्रौद्योगिकियों और उत्पादों का विपणन

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

9. 106 तटीय और समुद्री स्थलों को संरक्षण अभ्यारण्यों के रूप में पहचाना गया है: सरकार की रिपोर्ट
- केंद्र ने सरकार द्वारा जारी एक द्विवार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 2017-2031 के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना के अंतर्गत 100 से अधिक तटीय और समुद्री स्थलों की संरक्षण अभ्यारण्यों के रूप में पहचान की है।
- दिसंबर, 2018 में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र को सौंपी गई पर्यावरण एवं वानिकी मंत्रालय (एम.ओ.ई.एफ.) की दूसरी द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट (बी.यू.आर.) के अनुसार, भारत संरक्षण अभ्यारण्यों को मान्यता देकर शासन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को प्रोत्साहित कर रहा है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- शासन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए लगभग 106 तटीय और समुद्री स्थलों की संरक्षण अथवा सामुदायिक अभ्यारण्य के रूप में पहचान की गई है।
- वर्ष 2017 से 2031 की अवधि के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना के अंतर्गत, सरकार जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से तटीय और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण की दिशा में काम कर रही है।
- "सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए एस.डी.जी.14- जल के नीचे जीवन, के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने हेतु कई पहलें की गई हैं।
- तटीय और समुद्री क्षेत्र न केवल बढ़ती आबादी के लिए मूल्यवान मछली प्रोटीन का एक स्रोत है बल्कि यह वैश्विक खाद्य टोकरी में भी योगदान देता है और इसके बदले में देश को मूल्यवान विदेशी मुद्रा प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

21.02.2019

1. वाणिज्य मंत्री ने जी.ई.एम. पर "स्वायत्त" लॉन्च किया है।

- केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने नई दिल्ली में स्वायत्त लांच किया है।
- स्वायत्त- सरकारी ई-बाजार (जी.ई.एम.) पर ई-हस्तांतरण के माध्यम से स्टार्ट-अप, महिलाओं और युवा लाभ को प्रोत्साहित करने हेतु एक पहल है।
- इसका उद्देश्य हमारे उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र और सरकारी ई-बाजार, जो एक राष्ट्रीय खरीद पोर्टल है, में प्रमुख हितधारकों के मध्य संवाद हेतु प्रवाहकीय वातावरण का निर्माण करना है।
- यह स्टार्टअप इंडिया के साथ जी.ई.एम. के सहयोग से एक पहल है, जो स्टार्टअप इंडिया में पंजीकृत स्टार्टअप को इस प्रकार मदद प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है कि यह सार्वजनिक खरीद बाजार तक पहुँच का लाभ ले सके और सरकारी खरीददारों को नावाचार उत्पाद और सेवाएं बेच सके।

संबंधित जानकारी

सरकारी ई-बाजार (जी.ई.एम.)

- सरकारी ई-बाजार (जी.ई.एम.), एक वन स्टॉप पोर्टल है जो विभिन्न सरकारी विभागों/ संगठनों / पी.एस.यू. द्वारा आवश्यक सामान्य उपभोग के उत्पादों और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा प्रदान करता है।
- जी.ई.एम. का उद्देश्य सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाना है।
- यह सरकारी उपयोगकर्ताओं को उनके धन का सर्वश्रेष्ठ मूल्य प्रदान करने की सुविधा प्रदान करने हेतु ई-बोली, उत्क्रम ई-नीलामी और मांग एकत्रीकरण के उपकरण प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. ऑपरेशन डिजिटल बोर्ड

- मानव संसाधन विकास (एच.आर.डी.) मंत्रालय ने विद्यालय में बेहतर डिजिटल शिक्षा प्रदान करने

के लिए ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड की तर्ज पर "ऑपरेशन डिजिटल बोर्ड" शुरू किया है।

- सरकार ने वर्ष 2022 तक शिक्षण हेतु पूरे देश के विद्यालयों और कॉलेजों में 9 लाख कक्षाओं को डिजिटल सुविधाओं से सुसज्जित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

डिजिटल बोर्ड के लाभ

- ऑपरेशन डिजिटल बोर्ड, "जिसका उद्देश्य प्रत्येक कक्षा में डिजिटल और संवादात्मक बोर्ड होना है।"
- यह शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने में मदद करेगा और शिक्षण एवं अधिगम के नए अवसर और तरीके प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –शिक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

3. खादी ग्रामोद्योग विकास योजना

- मंत्रिमंडलीय समिति ने एम.पी.डी.ए, खादी अनुदान, आई.एस.ई.सी. और ग्रामोद्योग अनुदान की सभी मौजूदा योजनाओं को जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है, इन सभी योजनाओं को वर्ष 2017-18 से वर्ष 2019-20 तक की अवधि के लिए "खादी एवं ग्रामोद्योग विकास योजना" के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है।
- खादी विकास योजना में बाजार संवर्धन एवं विकास सहायता (एम.पी.डी.ए.), ब्याज सब्सिडी पात्रता प्रमाणपत्र (आई.एस.ई.सी.), वर्कशेड, कमजोर ढाँचों को मजबूत करना, आम आदमी बीमा योजना, खादी अनुदान शामिल है।
- खादी क्षेत्र में उद्यम आधारित संचालन में रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु रोजगार युक्त गांव नामक एक नया घटक पेश किया गया है।

संबंधित जानकारी

बाजार संवर्धन एवं विकास सहायता योजना (एम.पी.डी.ए.)

- इसे खादी क्षेत्र द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं का विलय करके एक एकीकृत योजना के रूप में शुरू किया गया है जिसमें विज्ञापन, विपणन, बाजार संवर्धन और विपणन विकास सहायता शामिल है।

- इस योजना का समय उद्देश्य कारीगरों की बढ़ी हुई कमाई को सुनिश्चित करना है।

रोजगार युक्त गांव (आर.वाई.जी.)

- इसका उद्देश्य 3 हितधारकों- खादी संशोधन एवं विकास कार्यक्रम (के.आर.डी.पी.), सहायता प्राप्त खादी संस्थान, कारीगर एवं व्यापारिक साझेदार के मध्य साझेदारी के माध्यम से 'सब्सिडी-नेतृत्व वाले मॉडल' के स्थान पर 'उद्यम-नेतृत्व वाले मॉडल' को पेश करना है।
- यह खादी कारीगरों को 10,000 चरखे, 2000 करघे और 100 वार्षिक इकाइयां प्रदान करके 50 गांवों में शुरू की जाएगी और प्रति गांव 250 कारीगरों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत-पी.आई.बी.

4. 'कालिया छात्रवृत्ति' छात्रवृत्ति

- उड़ीसा सरकार ने कालिया योजना के अंतर्गत किसानों के बच्चों के लिए "कालिया छात्रवृत्ति" छात्रवृत्ति शुरू की है।

योजना के संदर्भ में जानकारी:

- इसका उद्देश्य शिक्षा के विभिन्न स्तरों में शामिल सभी बच्चों को वहन करने के लिए राज्य सरकार के लिए प्रावधान बनाकर किसानों के बच्चों को तकनीकी और व्यवसायिक शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

कालिया योजना

- आजीविका एवं आय संवर्धन हेतु कृषक सहायता (कालिया), उड़ीसा की एक समर्थित योजना है, जिसके प्राथमिक उद्देश्य छोटे किसान, कृषक और भूमिहीन कृषि मजदूर हैं।
- इस योजना में खेती और संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु भुगतान शामिल है।
- यह योजना छोटे पैमाने पर खेती, बटाईदारी, मत्स्य पालन और पशु चराने का समर्थन करके संपूर्ण के रूप में उन ग्रामीण गतिविधियों को लक्षित करने का प्रयास करती है, जो ऋण माफी योजनाओं के अंतर्गत नहीं आती हैं।
- वर्ष 2018-19 और 2021-22 के मध्य पांच फसल सीजनों के लिए राज्य सरकार खेती के

लिए सहायता के रूप में प्रति परिवार 10,000 रुपये, खरीफ और रबी के मौसम में प्रत्येक परिवार को 5,000 रुपये प्रदान करेगी।

- इस योजना में 2 लाख रुपये का जीवन बीमा और 2 लाख रुपये का अतिरिक्त व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा भी शामिल है, जो किसानों और भूमिहीन कृषि श्रमिकों दोनों को प्रदान किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. न्याय विभाग ने टेली-कानून मोबाइल ऐप, न्याय बंधु लॉन्च किया है।

- न्याय विभाग द्वारा एक टेली-कानून मोबाइल एप्लीकेशन- न्याय बंधु शुरू किया गया है।
- यह निःस्वार्थ कानूनी सेवा है, जिसे अभ्यास करने वाले वकीलों और पंजीकृत पात्र लाभार्थियों को सुविधाजनक तरीके से जोड़ने के लिए बनाया गया है।
- यह पैरालीगल स्वयंसेवकों (पी.एल.वी.) को पैराल वकील से अपनी सुविधा के अनुसार तारीख और समय के अनुरूप अपॉइंटमेंट लेने की सुविधा के साथ मामलों का ऑन-फील्ड पूर्व पंजीकरण करने में सक्षम बनाता है।
- इसमें वीडियो कांफ्रेंसिंग और टेलीफोन की सुविधा के माध्यम से लाभार्थी और पैराल वकील के मध्य ऑनलाइन इंटरफेस को सक्षम करने हेतु पूर्व-पंजीकृत मामलों को पंजीकृत और सुनिश्चित करने की सुविधा उपलब्ध है।
- यह एप्लीकेशन से देश में टेली-कानून सेवा के अंतर्गत संबद्ध राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एस.एल.एस.ए.) के पी.एल.वी. को लाभ होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सामाजिक न्याय

स्रोत-पी.आई.बी.

6. भारत और चीन को विशेषाधिकार नहीं मिलने चाहिए: अमेरिका ने डब्ल्यू.टी.ओ. से कहा है।

- अमेरिका ने भारत और चीन जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के लिए विशेषाधिकारों और छूटों को वापस लेने का प्रस्ताव दिया है, जो आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओ.ई.सी.डी.), 20 समूह (जी 20) के सदस्य हैं।

- इन देशों को विश्व बैंक द्वारा "उच्च आय" के रूप में वर्गीकृत किया गया है अथवा वैश्विक व्यापारिक व्यापार के 0.5% से अधिक का हिस्सेदार बताया है।

संबंधित जानकारी

- विश्व व्यापार संगठन समझौतों में विशेष प्रावधान हैं जो विकासशील देशों को विशेषाधिकार प्रदान करते हैं और जो विकसित देशों को डब्ल्यू.टी.ओ. के अन्य सदस्यों की तुलना में विकासशील देशों के साथ अधिक अनुकूल व्यवहार करने की संभावना प्रदान करते हैं।
- उदाहरण के लिए, इन विशेष प्रावधानों में समझौतों और प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिए लंबी अवधि अथवा विकासशील देशों के लिए व्यापार के अवसरों को बढ़ाने के उपाय शामिल हैं।

इन प्रावधानों को "विशेष एवं अंतर उपाय" (एस. और डी.) प्रावधानों के रूप में जाना जाता है।

विशेष प्रावधानों में शामिल हैं:

- समझौतों और प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिए लंबी अवधि,
- विकासशील देशों के लिए व्यापार के अवसरों को बढ़ाने के उपाय,
- विकासशील देशों के व्यापारिक हितों की रक्षा करने हेतु सभी डब्ल्यू.टी.ओ. सदस्यों हेतु आवश्यक प्रावधान,
- डब्ल्यू.टी.ओ. के कार्यों को करने, विवादों को निपटाने और तकनीकी मानकों को लागू करने की क्षमता का निर्माण करने में विकासशील देशों की मदद करने हेतु समर्थन और
- न्यूनतम विकसित देश (एल.डी.सी.) सदस्य से संबंधित प्रावधान

वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति

- वर्ष 2017 में वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी में 1.68% थी जब कि वैश्विक आयात में 2.48% थी।
- अमेरिका ने दावा किया है कि भारत इनपुट सब्सिडी में कुछ \$ 30 बिलियन की अपनी

प्रतिबद्धताओं से निरंतर छूट प्राप्त करने हेतु एक विकासशील सदस्य के रूप में दबाव डालने हेतु इस दर्जे का उपयोग कर रहा है। एक नियम जिसका उद्देश्य कुछ सबसे गरीब किसानों को संबोधित करना था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. आंटबॉट, बिना जी.पी.एस. के नेवीगेट किया जा सकने वाला पहला चलने वाला रोबोट है।

- अंटबॉट, जी.पी.एस. अथवा मानचित्रण के बिना नौवहन क्षमताओं वाला पहला चलने वाला रोबोट है।
- यह आई.एस.एम. में वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (सी.एन.आर.एस.) और ऐक्स-मार्सिले विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा डिज़ाइन किया गया है, इसे डेसर्ट आंट की तर्ज पर डिज़ाइन किया गया है, जो अंतरिक्ष में नेवीगेट करने हेतु ध्रुवीय प्रकाश और पराबैंगनी विकिरणों का प्रयोग करता है।
- इसमें एक प्रकाशीय कम्पास होता है जो ध्रुवित प्रकाश की मदद से इसकी चाल को निर्धारित करता है।
- इसका भार केवल 2.3 किलोग्राम है, जटिल परिस्थितियों में गति कराने हेतु इस रोबोट में गतिशीलता को छह फीट बढ़ाया जा सकता है, उन स्थानों पर जहां पहिएदार रोबोट और ड्रोन को तैनात करना जटिल हो सकता है।

संबंधित जानकारी

विभिन्न उपग्रह नेविगेशन प्रणाली

- अमेरिका द्वारा जी.पी.एस.
- रूस द्वारा ग्लोनास
- यूरोपीय संघ का गैलीलियो
- चीन का बी.एन.एस.
- भारत द्वारा एन.ए.वी.आई.सी.

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- साइंस डेली

22.02.2019

1. भारत ने पाकिस्तान में बहने वाले नदी के पानी के अपने हिस्से को रोकने का निर्णय लिया है।

- सरकार ने पाकिस्तान में बहने वाले नदी के पानी के अपने हिस्से को रोकने का निर्णय लिया है।
- भारत सरकार, पूर्वी नदियों के पानी का मार्ग बदलकर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में लोगों को आपूर्ति करेगी।

सम्बंधित जानकारी

सिंधु जल संधि

- यह संधि वर्ष 1960 में कराची में भारतीय प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अयूब खान द्वारा हस्ताक्षरित की गई थी।
- संधि के अनुसार, भारत को तीन पूर्वी नदियों-रावी, व्यास और सतलुज के पानी के उपयोग का पूरा अधिकार है, जब कि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों अर्थात् सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी के उपयोग के अधिकार है।
- रावी नदी पर शाहपुर-कांडी में बांध का निर्माण शुरू हो गया है और उझ परियोजना, जम्मू और कश्मीर में उपयोग के लिए भारत के हिस्से के पानी का संग्रह करेगी और शेष पानी को अन्य घाटी राज्यों को पानी प्रदान करने हेतु रावी-व्यास लिंक से होकर बहेगा।
- इन परियोजनाओं को राष्ट्रीय परियोजनाओं के रूप में घोषित किया गया है।

राष्ट्रीय परियोजना के दर्जे के क्या फायदे हैं?

- राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा प्राप्त करने वाली परियोजना का मुख्य लाभ यह है कि परियोजना के लिए 90 प्रतिशत निधि केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जाती है।
- सामान्य बड़ी बहुउद्देश्यीय परियोजनाओं में सिंचाई, बिजली उत्पादन, पानी का भंडारण आदि शामिल होता है, जिसके निर्माण हेतु काफी पूंजी की आवश्यकता होती है, इन परियोजनाओं को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा प्रदान किया जाता

है क्यों कि राज्य सरकार इतनी अधिक निधि का वहन नहीं कर सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नंस

स्रोत- ए.आई.आर.

2. दीमापुर सहित पूरे नागालैंड में आई.एल.पी. लागू किया जाएगा।

- नागालैंड सरकार ने वाणिज्यिक केंद्र दीमापुर सहित पूरे राज्य में इनर लाइन परमिट को लागू करने का निर्णय लिया है।

संबंधित जानकारी

इनर लाइन परमिट

- यह भारत सरकार द्वारा जारी किया जाने वाला एक आधिकारिक पर्यटन दस्तावेज है जो एक सीमित अवधि के लिए एक संरक्षित क्षेत्र में भारतीय नागरिक को यात्रा करने की अनुमति प्रदान करता है।
- उन राज्यों से बाहर के भारतीय नागरिकों के लिए यह अनिवार्य है कि वे संरक्षित राज्य में प्रवेश करने के लिए परमिट प्राप्त करें।
- यह दस्तावेज, भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित कुछ निश्चित क्षेत्रों में गतिशीलता को विनियमित करने हेतु सरकार द्वारा किया गया एक प्रयास है।
- यह बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर विनियमन, 1873 की एक शाखा है, जो "ब्रिटिश विषयों" को इन "संरक्षित क्षेत्रों" में प्रवेश करने से रोककर चाय, तेल और हाथी के व्यापार में राज्य के हित की रक्षा करता है। वर्ष 1950 में "ब्रिटिश विषयों" शब्द को भारत के नागरिक द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था।
- पर्यटन उद्देश्यों के लिए वैध आई.एल.पी. को अनिवार्य के रूप से अनुमोदित किया गया है।

जिन राज्यों को परमिट की आवश्यकता है वे हैं:

- अरुणाचल प्रदेश
- मिजोरम
- नगालैंड

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 -गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

3. वायुमंडलीय जल उत्पादक (ए.डब्ल्यू.जी.)

- एयरो इंडिया 2019 में नवरत्न रक्षा पी.एस.यू. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बी.ई.एल.) द्वारा इसका अनावरण किया गया है।
- वायुमंडलीय जल उत्पादक का निर्माण सी.एस.आई.आर.-आई.आई.सी.टी. और हैदराबाद आधारित एक स्टार्टअप कंपनी, मैथरी के सहयोग से बी.ई.एल. द्वारा किया जा रहा है।
- पूरे विश्व में पेयजल की हमेशा बढ़ने वाली आवश्यकता के समाधान हेतु यह एक अभिनव समाधान है।
- बी.ई.एल. के वायुमंडलीय जल उत्पादक का उपयोग वातावरण में मौजूद नमी से सीधे पानी उत्पन्न करने और इसे शुद्ध करने के लिए किया जा सकता है।
- शुद्ध, सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल का उत्पादन करने के लिए यह वायुमंडलीय नमी को संघनित करने के लिए ऊष्मा विनिमय तकनीक का प्रयोग करता है।
- ए.डब्ल्यू.जी., एक खनिज इकाई के साथ आता है, जिसका उपयोग पेयजल के उत्पादन हेतु आवश्यक खनिजों को मिलाने हेतु किया जाता है।
- ए.डब्ल्यू.जी. स्थैतिक और मोबाइल (वाहन) संस्करणों में विन्यास योग्य है और 30 लीटर/दिन, 100 लीटर/दिन, 500 लीटर/दिन और 1,000 लीटर/दिन की क्षमताओं के साथ उपलब्ध है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

4. डिजिटल भारत, सक्षम भारत- डिजिटल इंडिया पर एक सार-संग्रह

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा जारी किया गया डिजिटल भारत, सक्षम भारत पर एक डिजिटल इंडिया सार-संग्रह है।
- इस दस्तावेज़ का उद्देश्य जनता के मध्य डिजिटल इंडिया की सफलता का प्रसार और प्रचार करना है।

- दस्तावेज़ को दो वर्गों में विभाजित किया गया है-

(i) भारत का डिजिटल प्रोफाइल

(ii) राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का डिजिटल प्रोफाइल

- भारत के डिजिटल प्रोफाइल में एक गहन विश्लेषण, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम और इसके द्वारा नागरिकों के जीवन में लाए गए परिवर्तनों के कार्यान्वयन का तुलनात्मक अध्ययन शामिल है। इसने नागरिकों द्वारा विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले तरीकों को आसान बनाया है और पारदर्शिता एवं जवाबदेही उत्पन्न की है।
- राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों का डिजिटल प्रोफाइल, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत शुरू की गई विभिन्न पहलों के राज्य/ केंद्र शासित प्रदेशों के अनुसार कार्यान्वयन को प्रतिबिंबित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

5. राष्ट्रपति ने चार अध्यादेशों की घोषणा की हैं।

- भारत के राष्ट्रपति ने हाल ही में निम्नलिखित चार अध्यादेशों की घोषणा की है, जिनके नाम:-
 - (i) मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) दूसरा अध्यादेश, 2019
 - (ii) भारतीय चिकित्सा परिषद (संशोधन) दूसरा अध्यादेश, 2019
 - (iii) कंपनी (संशोधन) दूसरा अध्यादेश, 2019
 - (iv) अनियमित जमा योजनाओं पर प्रतिबंध का अध्यादेश, 2019

संबंधित जानकारी

राष्ट्रपति की अध्यादेश निर्माणी शक्तियां

- संविधान का अनुच्छेद 123, राष्ट्रपति को संसद के दोनों सदनों में किसी भी एक सदन में सत्र कार्यवाही न चलते समय अध्यादेश की घोषणा करने हेतु कुछ निश्चित कानून निर्माणी शक्तियां प्रदान करता है और अतः इसी कारण से संसद में कानूनों को अधिनियमित करना संभव नहीं है।

- एक अध्यादेश किसी भी विषय से संबंधित हो सकता है जिस पर संसद के पास विधि निर्माण की शक्ति है। इसके विपरीत, संघ, राज्य और समवर्ती सूचियों के मध्य दिए गए शक्तियों के वितरण को देखते हुए इसमें संसद की विधि निर्माण के समान सीमाएं हैं।
- इस प्रकार, कार्यकारिणी की अध्यादेश निर्माण शक्तियों के संदर्भ में निम्नलिखित सीमाएं मौजूद हैं:
- **विधानसभा में सत्र न चल रहा हो:** राष्ट्रपति केवल तब ही अध्यादेश की घोषणा कर सकता है जब संसद के दोनों में किसी भी सदन में सत्र न चल रहा हो।
- **तत्काल कार्यवाई की आवश्यकता हो:** राष्ट्रपति तब तक किसी अध्यादेश की घोषणा नहीं कर सकता है जब तक वह सुतंष्ट नहीं हो जाता है कि तत्काल कार्यवाही के लिए आवश्यक परिस्थितियां हैं।
- **सत्र के दौरान संसदीय अनुमोदन हो:** अध्यादेश, पुनः घोषित किए जाने से 6 महीने के भीतर संसद द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए अथवा इसके संचालन को बंद कर सकते हैं।
- दोनों सदनों द्वारा पारित अध्यादेश को संकल्प द्वारा अस्वीकृत कर दिए जाने की स्थिति में भी में वे इसे संचालन के लिए बंद कर सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. कवकगुल्म पर छठवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- हाल ही में कवकगुल्म पर छठवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन खार्तूम, सूडान में किया गया था।

कवकगुल्म

- यह त्वचा, संयोजी ऊतक, मांसपेशियों और हड्डी की सृजन की बीमारी है, जो 70 से अधिक जीवाणु संबंधी अथवा कवक सूक्ष्मजीवों द्वारा फैलाए गए संक्रमण के कारण होती है।

- यह एक बीमारी है जिसके लक्षण विकृति को अक्षम करना और यह गंभीर रुग्णता से संबंधित है।
- यह संक्रमण अधिकांशतः निश्चित कवकों अथवा जीवाणुओं के त्वचा के नीचे के ऊतकों में त्वचा संबंधी टीकाकरण द्वारा होता है।
- इस उष्णकटिबंधीय बीमारी को ग्रामीण आबादी को प्रभावित करने के लिए जाना जाता है, यह बीमारी विशेषकर उनको होती है जो नंगे पैर चलते हैं जैसे: कृषि श्रमिकों और चरवाहें हैं।
- यदि पहले इसका पता नहीं चलता है, तो यह बीमारी अंग विकृति का कारण बन सकती है, भविष्य के मामलों में यह बीमारी अंतग-विच्छेदन और मृत्यु का कारण बन रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. के.पी.-बॉट- भारत का पहला मानव के समान दिखने वाला पुलिस रोबोट है।

- केरल के मुख्यमंत्री ने के.पी.-बॉट नामक भारत के पहले मानव के समान दिखने वाले सब-इंस्पेक्टर पुलिस रोबोट का अनावरण किया है।
- इसके साथ ही केरल राज्य पुलिस मुख्यालय, पुलिस के कार्यों के लिए पुलिस रोबोट का प्रयोग करने वाला देश का पहला पुलिस विभाग बन गया है।
- महिला सशक्तीकरण और लैंगिक समानता को ध्यान में रखते हुए रोबोट के लिंग को महिला रखा गया है।

के.पी.-बॉट

- वह आगंतुकों को लेने और उन्हें आवश्यकतानुसार निर्देशित करने हेतु पुलिस मुख्यालय के फ्रंट ऑफिस कर्तव्यों का पालन करेगी।
- आगंतुक सीधे उसके साथ बातचीत कर सकते हैं और वह अधिकारियों के साथ अपॉइन्टमेंट देने, आई.डी. कार्ड प्रदान करने और शिकायतों के आधार पर नई फाइलें खोलने जैसे कार्यों को करने में सक्षम हैं।

- वह उच्च अधिकारियों को भी पहचान सकती है और सलाम करके उनका अभिवादन कर सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. चौथा भारत-आसियान एक्सपो शिखर सम्मेलन
 - चौथे भारत-आसियान एक्सपो और शिखर सम्मेलन का नई दिल्ली में आयोजन किया गया है।
 - अधिनियम-पूर्व नीति के अंतर्गत भारत-आसियान संबंधों को आगे बढ़ाने और मजबूत करने के लिए भारत-आसियान एक्सपो शिखर सम्मेलन का आयोजन फिक्की के साथ किया गया है।
 - चौथे शिखर सम्मेलन का उद्देश्य वर्ष 2018 में भारत-आसियान स्मारक शिखर सम्मेलन के अग्रदूत के रूप में आयोजित आसियान-भारत व्यापार एवं निवेश समागम और एक्सपो के पिछले संस्करण की सफलता के आधार पर निर्माण करना है।
 - इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य नीति निर्माताओं, उद्योग कप्तानों और व्यापार जगत के नेताओं को एक साथ लाने और भारत और आसियान के आपसी विकास और प्रगति के लिए एक समान दृष्टिकोण बनाने हेतु एक मंच प्रदान करना है।

संबंधित जानकारी

आसियान

- इसकी स्थापना बैंकाक घोषणा के माध्यम से वर्ष 1967 में बैंकाक में की गई थी।
- वर्तमान में 10 सदस्यीय राज्य इसका हिस्सा हैं।
- दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्र संगठन (आसियान), एक क्षेत्रीय अंतर सरकारी संगठन है जिसमें दस दक्षिण-पूर्वी एशियाई राज्य शामिल हैं जो अपने सदस्यों और एशियाई राज्यों के मध्य आर्थिक, राजनीतिक, सैन्य, शैक्षिक और सांस्कृतिक एकीकरण की सुविधा प्रदान करते हैं और अंतरसरकारी सहयोग को बढ़ावा देते हैं।
- इसका मुख्यालय इंडोनेशिया के जकार्ता में स्थित है।
- भारत इसका सदस्य नहीं है।

- आसियान के 10 सदस्यीय राज्य ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम हैं।

- **आसियान मार्ग-** सिद्धांत यह है कि जब सदस्य देशों के आंतरिक मामलों की बात आती है तो सदस्य देश बड़े पैमाने पर व्यापार करेंगे।
- **आसियान प्लस थ्री:** चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ मौजूदा संबंधों को बेहतर बनाने हेतु इसका निर्माण किया गया था।
- **आसियान प्लस सिक्स:** इसमें चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. अस्पतालों के सरलीकरण और डिजिटलीकरण हेतु एन.ए.बी.एच. का नया पोर्टल "होप" लांच किया गया है।
 - पूरे भारत में छोटे स्तर के अस्पतालों में इरडा और आयुष्मान भारत योजना से संबंधित लाभों का विस्तार करने के क्रम में सरकार ने एन.ए.बी.एच. मान्यता प्रक्रिया का सरलीकरण और डिजिटलीकरण किया है।
 - संशोधित प्रक्रिया को होप- प्रवेश स्तरीय प्रमाणीकरण हेतु स्वास्थ्य देखभाल संगठन मंच नामक एक नए पोर्टल के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। जिसमें स्वास्थ्य देखभाल संगठनों (एच.सी.ओ.) और छोटे स्वास्थ्य देखभाल संगठनों (एस.एच.सी.ओ.) सहित पूरे देश के अस्पतालों की व्यापक श्रृंखला का नामांकन करके नवजात स्तर पर गुणवत्ता संवर्धन पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।
 - होप केवल एच.सी.ओ./एस.एच.सी.ओ. के प्रमाणीकरण तक सीमित नहीं है बल्कि इन्हें गुणवत्ता प्रोटोकॉल का पालन करने, रोगी की सुरक्षा और संगठन की समग्र स्वास्थ्य सुविधा में सुधार करने में सक्षम बनाता है।

- यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सहज और सुरक्षित पंजीकरण प्रदान करता है और एच.सी.ओ./एस.एच.सी.ओ. द्वारा भरे जाने के लिए एक स्व-व्याख्यात्मक प्रश्नावली प्रदान करता है।
- मानकों के अनुपालन के लिए आवश्यक भू-टैग और समय मानकीकृत साक्ष्यों को सीधे अपलोड करने के लिए एच.सी.ओ. /एस.एच.सी.ओ. का समर्थन करने हेतु एक मोबाइल एप्लिकेशन भी विकसित किया गया है।

राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य संगठन प्रत्यायन बोर्ड (एन.ए.बी.एच.)

- यह भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यू.सी.आई.) का एक घटक निकाय है, जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वैश्विक मान्यता को संभालता है, इसने इसे सरल, डिजिटल, तेज और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने हेतु प्रवेश-स्तरीय प्रमाणन प्रक्रिया को नया रूप प्रदान किया है।

टॉपिक-जी.एस.-2- सरकारी नीतियां

स्रोत- लिवमिंट

10. लोफर रेडियो दूरदर्शी ने सौर तूफानों के रहस्यों का पता लगाया है।
 - टीम ने दर्शाया है कि नासा, एन.ओ.ए.ए. और ई.एस.ए. अंतरिक्ष यान की छवियों के साथ निम्न आवृत्ति एरे से डेटा को एकत्र करके सौर तूफान कई स्थानों पर एक साथ कणों को त्वरित कर सकता है।
 - सूर्य, पृथ्वी का सबसे निकटतम तारा है और कई अन्य सितारों की तरह बहुत दूर है। सूर्य को यह ज्ञात होता है कि कई बार पृथ्वी का आकार इसकी सतह पर दिखाई देता है और यह ऊर्जा के विशाल भंडार को संग्रहीत करता है।
 - और यह इन क्षेत्रों के भीतर है जिनमें विशाल धमाके होते हैं, इसे सौर तूफान आना कहते हैं।
 - सौर तूफान, एक घंटे में लाखों किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा करने वाली अरबों टन गर्म गैसों का प्रभावशाली विस्फोट होता है।

- ये परिणाम भविष्य में शोधकर्ताओं को सौर रेडियो फटने का अधिक सटीक पूर्वानुमान करने में मदद करेंगे और यह ज्ञात करेंगे कि सौर तूफान किस प्रकार पृथ्वी को प्रभावित कर रहे हैं- वे ऊष्मा के सुंदर प्रदर्शनों का उत्पादन कर सकते हैं लेकिन वे संचार और नेविगेशन सिस्टम और पावर ग्रिड के साथ समस्या भी पैदा कर सकते हैं।

संबंधित जानकारी

लोफर

- यह मुख्य रूप से नीदरलैंड में स्थित एक बड़ा रेडियो दूरदर्शी नेटवर्क है जिसे वर्ष 2012 में एस्ट्रॉन, नीदरलैंड रेडियो खगोल विज्ञान और इसके अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों द्वारा पूरा किया गया था और इसे नीदरलैंड वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन के एस्ट्रॉन के रेडियो वेधशाला द्वारा संचालित नहीं किया गया था।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- साइंस डेली

25.02.2019

1. प्रधानमंत्री मोदी को वैश्विक संबंधों को बढ़ावा देने हेतु सियोल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
 - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में योगदान देने और वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने हेतु वर्ष 2018 के शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
 - प्रधानमंत्री ने नमामि गंगे कार्यक्रम के लिए \$ 200,000 (1.42 करोड़) की पुरस्कार राशि समर्पित की है, इस कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा में प्रदूषण को रोकने और नदी का कायाकल्प करने का प्रयास किया जा रहा है।

संबंधित जानकारी

सियोल शांति पुरस्कार

- सियोल शांति पुरस्कार, सियोल शांति पुरस्कार फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित है।

- सियोल शांति पुरस्कार की स्थापना दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित 24वें ओलंपिक खेलों की सफलता के उपलक्ष्य में वर्ष 1990 में की गई थी।
- सियोल शांति पुरस्कार कोरियाई लोगों की इच्छाओं को प्रकट करता है और पृथ्वी पर हमेशा शांति बनाए रखने की उनकी इच्छा को रोशन करता है।
- सियोल शांति पुरस्कार उन व्यक्तियों या संस्थानों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने राष्ट्र, जाति, धर्म या विचारधारा के निरपेक्ष दुनिया भर के प्रयास के प्रत्येक क्षेत्र में मानव जाति और विश्व शांति के सामंजस्य में महान योगदान दिया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **आर.बी.आई ने एन.बी.एफ.सी. को एक ही श्रेणी में वर्गीकृत किया है।**
- एन.बी.एफ.सी. को अधिक परिचालन तन्त्र्यता प्रदान करने के लिए एन.बी.एफ.सी. की विभिन्न श्रेणियों के सामंजस्य को कुछ श्रेणियों में शामिल करने हेतु विनियमन के बजाय गतिविधि द्वारा सिद्धांतों के विनियमन के आधार पर आर.बी.आई. ने उनकी वर्तमान त्रिस्तरीय संरचना को एकीकृत करके उनके लिए एकल श्रेणी का गठन किया है।
- संपत्ति फाइनेंस, ऋण और निवेश कंपनियों का एन.बी.एफ.सी.- निवेश एवं ऋण कंपनी नामक एक नई श्रेणी में विलय कर दिया गया है।

संबंधित जानकारी

एन.बी.एफ.सी. के संदर्भ में जानकारी

- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एन.बी.एफ.सी.) एक कंपनी है जो कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत पंजीकृत है।

बैंकों और एन.बी.एफ.सी. के मध्य अंतर:-

- एन.बी.एफ.सी. ऋण प्रदान करते हैं और निवेश करते हैं और इसलिए उनकी गतिविधियां बैंकों के समान हैं, हालाँकि नीचे कुछ अंतर दिए गए हैं:

- एन.बी.एफ.सी., मांग जमा स्वीकार नहीं कर सकता है।
- एन.बी.एफ.सी., भुगतान और निपटान प्रणाली का हिस्सा नहीं बनते हैं और स्वयं द्वारा आहरित चेक जारी नहीं कर सकते हैं।
- बैंको की स्थिति के विपरीत जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम की जमा बीमा सुविधा एन.बी.एफ.सी. के जमाकर्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं है।
- आर.बी.आई. द्वारा विनियमित बैंकों के विपरीत एन.बी.एफ.सी. कई विनियामकों, बीमा कंपनियाँ- इरडा, मर्चेन्ट बैंक- सेबी, सूक्ष्म वित्त संस्थान- राज्य सरकार, आर.बी.आई. और नाबार्ड द्वारा विनियमित किए जाते हैं।
- सार्वजनिक क्षेत्र ऋण के मानदंड एन.बी.एफ.सी. पर लागू नहीं होते हैं।
- नकद आरक्षित आवश्यकता भी एन.बी.एफ.सी. पर भी लागू नहीं होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

3. **सुरक्षित ब्राउज़िंग के लिए भारत के पास खुद का डी.एन.एस. है।**
- सरकार शीघ्र ही देश में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को तेज़ और अधिक सुरक्षित ब्राउज़िंग अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से एक सार्वजनिक डोमेन नेम सर्वर अथवा डी.एन.एस. को शुरू करेगी, जब कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि नागरिकों का डेटा स्थानीय रूप से संग्रहीत हो रहा है।

खुद का डी.एन.एस. रखने का उद्देश्य

- अपना स्वयं का सार्वजनिक डी.एन.एस. लाने का मुख्य उद्देश्य विशेषकर विश्वसनीय डी.एन.एस. न रखने वाले छोटे इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आई.एस.पी.) के लिए उपलब्धता को सुनिश्चित करना है।
- बड़े इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के पास स्वयं का डी.एन.एस. होता है।

संबंधित जानकारी

- डी.एन.एस., इंटरनेट के लिए एक निर्देशिका के समान होता है। यह लोगो के लिए याद रखने में

आसान डोमेन नामों को आई.पी. एड्रेस में परिवर्तित करने में मदद करता है, जो संवाद करने के लिए कंप्यूटर/ मशीनों द्वारा प्रयोग किए जाते हैं।

- यदि डी.एन.एस. धीमा है या काम नहीं कर रहा है तो उपयोगकर्ता वेब एड्रेस का पता नहीं लगा पाएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

4. फ्लाइंग बुलडॉग: विश्व की सबसे बड़ी मधुमक्खी

- विश्व की सबसे बड़ी मधुमक्खी- एक विशाल कीट जो लगभग एक मानव अंगूठे के आकार का है- इसे लगभग 40 वर्षों के बाद इंडोनेशिया के एक सुदूर क्षेत्रों में पुनः खोजा गया है।

मेगाचिलेप्लूटो के संदर्भ में जानकारी:

- मेगाचिलेप्लूटो को वैलेस की विशालकाय मधुमक्खी के रूप में भी जाना जाता है, यह एक बहुत बड़ी इंडोनेशियाई राल मधुमक्खी है।
- यह सबसे बड़ी ज्ञात जीवित मधुमक्खी प्रजाति है।
- आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में इसकी स्थिति 'लुप्तप्राय' है।
- ऐसा माना जाता था कि वर्ष 1981 में कई नमूनों की खोज होने तक इसे विलुप्त घोषित कर दिया गया था, 2018 में ई.बे. कंपनी द्वारा दो मधुमक्खियों को एकत्र और बँचे जाने के अतिरिक्त इसके पुनः भविष्य में देखे जाने की पुष्टि नहीं की गई है।
- उत्तरी मोलुकस के इंडोनेशियाई द्वीप क्षेत्र में रहने वाली मधुमक्खी (मेगाचिलेप्लूटो) दीमक के टीलों में अपना घोंसला बनाती है और अपने घर की दीमकों से रक्षा करने के लिए चिपचिपे राल को एकत्र करने के लिए अपने बड़े नुकीले जबड़े का प्रयोग करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

5. ओलंपिक का सपना खतरे में है क्यों कि दो पाकिस्तानी निशानेबाजों का वीजा रद्द कर दिया गया है।

- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आई.ओ.सी.) के एक निर्णय के बाद खेलों से संबंधित कार्यक्रमों के आयोजक के रूप में भारत का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है।

मुद्दा क्या है?

- यह मुद्दा तब शुरू हुआ है जब भारत ने दिल्ली में चल रहे आई.एस.एस.एफ. (अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल संघ (आई.एस.एस.एफ.) विश्व कप 2019) में भाग लेने वाले दो पाकिस्तानी निशानेबाजों के वीजा अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया है।
- आई.ओ.सी. के अनुसार भारत सरकार के अधिकारी, दो एथलीटों और एक अधिकारी के पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को प्रवेश वीजा देने में विफल रहे हैं, जो आई.एस.एस.एफ. विश्व कप में भाग लेना चाहते थे।
- यह ओलंपिक खेल टोक्यो 2020 के लिए एक योग्यता प्रतियोगिता है जिसमें प्रत्यक्ष कोटा संबंधित एन.ओ.सी. द्वारा अर्जित किया जाता है।

आगे क्या होगा?

- आई.ओ.सी. के कार्यकारी बोर्ड ने भारत में भविष्य में खेलों और ओलंपिक संबंधित कार्यक्रमों के आयोजन के लिए संभावित आवेदनों के संदर्भ में भारतीय एन.ओ.सी. [राष्ट्रीय ओलंपिक समिति] और सरकार के साथ सभी चर्चाओं को स्थगित करने का फैसला लिया है।
- आई.ओ.सी. कार्यकारी बोर्ड को ओलंपिक घोषणापत्र के नियमों के पूर्ण अनुपालन के अनुरूप इस प्रकार के आयोजनों में सभी प्रतिभागियों के प्रवेश को सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार से स्पष्ट लिखित गारंटी की आवश्यकता है।
- इसने आई.एस.एफ. [अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघ] से सिफारिश की है कि भारत की ओर से गारंटी न मिलने तक भारत में खेल कार्यक्रमों को न तो पुरस्कृत किया जाए न ही आयोजित किया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के संदर्भ में जानकारी:-

- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, स्विट्जरलैंड के लुआसने में स्थित एक गैर-सरकारी खेल संगठन है।
- यह आधुनिक ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन ओलंपिक खेलों के आयोजन हेतु उत्तरदायी प्राधिकरण है।
- आई.ओ.सी., राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एन.ओ.सी.) का शासी निकाय है, जो पूरे विश्व में होने वाली ओलंपिक गतिविधियों का राष्ट्रीय घटक हैं।
- आई.ओ.सी. के वर्तमान अध्यक्ष जर्मनी के थॉमस बाच हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 -अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- पी.आई.बी.

6. जेटविमान पर यात्रा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में खाना पकाने के तेल का प्रयोग किया गया।
- देहरादून आधारित भारतीय पेट्रोलियम संस्थान ने उपयोग किए जा चुके खाना पकाने के तेल को जैव-विमानन टर्बाइन ईंधन (बायो-ए.टी.एफ.) में परिवर्तित करने के लिए किए गए प्राथमिक परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, इसे पारंपरिक ए.टी.एफ. के साथ मिलाया जा सकता है और विमान ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- संस्थान ने इस प्राथमिक परीक्षण हेतु देहरादून में कैटरर्स और होटलों से प्रयोग किए जा चुके खाना पकाने के तेल को एकत्र किया है, जिसने अब प्रौद्योगिकी के व्यावसायिक उपयोग हेतु मंच तैयार किया है।
- जैव-ए.टी.एफ. में परिवर्तित किए जाने वाले अन्य संयंत्र आधारित तेलों की तुलना में प्रयोग किए जा चुके खाना बनाने के तेल का रासायनिक संघटन एकसमान है।
- प्राथमिक परीक्षण से यह सिद्ध हुआ है कि यह जटरोफा तेल से प्राप्त बायो-ए.टी.एफ. के समान है।

संबंधित जानकारी

- यह परीक्षण महत्वपूर्ण है क्योंकि कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) ने प्रयोग किए जा चुके खाना पकाने के तेल को एकत्र करने और जैव-ईंधन में परिवर्तित करने हेतु रीपर्सज कुकिंग ऑयल (आर.यू.सी.ओ.) पहल शुरू की है।
- खाद्य सुरक्षा निकाय का कहना है कि वर्ष 2020 तक जैव ईंधन में परिवर्तित करने हेतु लगभग 220 करोड़ लीटर प्रयोग किए जा चुके खाना पकाने के तेल को पुनः प्राप्त करना संभव होना चाहिए।

जैव ईंधन के संदर्भ में जानकारी:-

- जैव ईंधन को किसी भी ईंधन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसकी ऊर्जा जैविक कार्बन निर्धारण की प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त की जाती है।
- यह उनके स्रोत बायोमास के आधार, उनकी विशेषता हो सकते हैं।

जैव ईंधन की पीढ़ियां

- **1 जी. जैव ईंधन:**
- ये गेहूँ और चीनी आदि जैसी खाद्य फसलों से सीधे उत्पादित होते हैं।
- **2 जी. जैव ईंधन:**
- ये खाद्य उत्पादन अथवा गैर-खाद्य फसलों के लिए अनुपयुक्त कृषि भूमि से उत्पादित होते हैं, जैसे-जटरोफा।
- यह पहली पीढ़ी के जैव ईंधन में भोजन बनाम ईंधन की बहस पर काबू पाते हैं।
- **3 जी. जैव ईंधन:**
- यह विशेष रूप से इंजीनियरीकृत ऊर्जा फसलों का लाभ उठाकर बायोमास के उत्पादन में सुधार पर आधारित है, जैसे शैवाल क्योंकि यह ऊर्जा का स्रोत है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 -विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. श्रम ब्यूरो ने मुद्रा जाँच रिपोर्ट पेश की है।
- श्रम ब्यूरो ने मुद्रा ऋण योजना द्वारा उत्पन्न रोजगार पर अपना सर्वेक्षण पूरा कर लिया है, नौकरियों पर निराशाजनक परिदृश्य दर्शाने वाली

अन्य रिपोर्टों से मुकाबला करने हेतु श्रम ब्यूरो ने केंद्र को संभावित डाटा प्रदान किया है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्टों के अनुसार, एन.एस.एस.ओ. के निष्कर्षों की एक लीक कॉपी से ज्ञात हुआ है कि वर्ष 2017-18 में बेरोजगारी ने 45 वर्षों की सबसे अधिक 6.1% रही है।
- केंद्र सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों ने पहले ही लीक हुई एन.एस.एस.ओ. नौकरी सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर आलोचना से निपटने के लिए मुद्रा योजना के प्रदर्शन का उपयोग करने का प्रयास किया है।

संबंधित जानकारी

- सूक्ष्म और लघु उद्यमों को सस्ता ऋण देने के प्रयास के रूप में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत अप्रैल, 2015 में की गई थी।
- अंतिम वित्तीय संस्थानों के माध्यम से सूक्ष्म इकाई विकास और पुनर्वित्त संस्था (मुद्रा) द्वारा इन गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि उद्यमों को 10 लाख तक का ऋण बढ़ा दिया गया है।

मुद्रा के संदर्भ में जानकारी:-

- मुद्रा का पूरा नाम सूक्ष्म इकाई विकास एवं पुनर्वित्त संस्था है।

उद्देश्य:

- बैंक का मुख्य उद्देश्य अनिधिक को निधि प्रदान करना है। यह छोटे/ सूक्ष्म व्यवसायों के "अंतिम मील फाइनेंसर्स" को वित्त प्रदान करेगा। ऋण प्राथमिकता एस.सी./ एस.टी. उद्यमों को दी जाएगी।

मुद्रा बैंक

- मुद्रा बैंक, एक संवैधानिक निकाय के रूप में स्थापित किया जाएगा।
- यह छोटे विनिर्माण, व्यापार अथवा सेवा में लगे हुए एम.एस.एम.ई को ऋण प्रदान करने वाले सभी एम.एफ.आई को विनियमित और पुनर्वित्त करेगा।
- यह सुदूर निवेशकों को भी आसान वित्त प्रदान करने हेतु सभी राज्य/ क्षेत्रीय स्तर के समन्वयकों के साथ भागीदारी करेगा।

- तीन खंडों को संबोधित करने हेतु मुद्रा बैंक ने तीन ऋण उपकरण लॉन्च किए हैं:
- **शिशु:** 50,000 / - रुपये तक के ऋण शामिल हैं।
- **किशोर:** 50,000 / - रुपये से अधिक और 5 लाख रुपये तक के ऋण शामिल हैं।
- **तरुण:** 5 लाख रुपये से अधिक और 10 लाख रुपये तक के ऋण शामिल हैं।
- यह छोटे उद्यमियों को कम दरों पर ऋण प्रदान करता है।
- बैंक को प्राथमिक क्षेत्र ऋण प्रदाता के घाटे से 20,000 करोड़ रुपये की पुनर्वित्त निधि आवंटित की गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 -गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

8. गंगा तटीय राज्य वर्ष 2040 तक फसल विफलताओं में तीन गुना वृद्धि को दर्शाते हैं।
- केंद्रीय जल आयोग को विश्व बैंक द्वारा प्रस्तुत किए गए एक आकलन के अनुसार, गंगा नदी के तटों पर फसल की विफलता तीन गुना बढ़ सकती है और वर्तमान और वर्ष 2040 के मध्य कुछ राज्यों में पेयजल की कमी 39% तक बढ़ सकती है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि उचित कदम न उठाए गए तो उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में वर्तमान स्तर की तुलना में वर्ष 2040 में सिंचाई के पानी में क्रमशः 28%, 10%, 10% और 15% की कमी का सामना करना पड़ सकता है।
- इसी अवधि के दौरान मध्य प्रदेश, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में पेयजल की क्रमशः 39 प्रतिशत, 22 प्रतिशत और 25% की कमी होगी।

संबंधित जानकारी

- गंगा घाटी, जलग्रहण क्षेत्र के मामले में भारत की सबसे बड़ी नदी घाटी है, जो देश के 26% भूभाग से मिलकर बनी है और इसकी 43% आबादी का समर्थन करती है।

- इस घाटी में 11 राज्य: उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और दिल्ली शामिल हैं।
- एन.एम.सी.जी. की विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय गंगा नदी घाटी परियोजनाएं (एन.जी.आर.बी.पी.) का वर्तमान में संपूर्ण ध्यान गंगा नदी के मुख्य भागों के पांच राज्यों- उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल पर केंद्रित है।

नोट: भारत का उपलब्ध सतही जल के एक तिहाई से अधिक भाग गंगा घाटी द्वारा पानी उपलब्ध कराया जाता है, जो राष्ट्रीय जल प्रयोग के आधे से अधिक का योगदान देता है, जिसमें से 90% पानी सिंचाई के लिए है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

9. **व्याख्या कीजिए: पी.आर.सी. पर अरुणाचल प्रदेश में विरोध प्रदर्शन क्यों हो रहे हैं?**
- अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में छह समुदायों- आदिवासी, देओरी, गोरखा, मिशिंग, मोरन और सोनोवालकाचारी के सदस्यों को स्थायी निवास प्रमाणपत्र (पी.आर.सी.) देने की संभावना के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन समुदायों के लोग मुख्य रूप से राज्य के नामसाई और चांगलांग जिलों के निवासी हैं।

संबंधित जानकारी

स्थायी निवासी प्रमाणपत्र क्या है?

- स्थायी निवासी प्रमाण पत्र, भारतीय नागरिकों को जारी किया जाने वाला एक कानूनी दस्तावेज है जो निवास के साक्ष्य के रूप में कार्य करता है और आधिकारिक उद्देश्य के लिए आवासीय प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

राज्य सरकार ने क्या प्रस्ताव दिया है?

- राज्य सरकार, नामसाई और चांगलांग जिलों में रहने वाले छह गैर-ए.पी.एस.टी. समुदायों और विजयनगर में रहने वाले गोरखाओं को प्रमाण पत्र जारी करने पर विचार कर रही है।

- इन समुदायों में दियोरिस, सोनोवालकाचारी, मोरान, आदिवासी और मिशिंग शामिल हैं।
- इनमें से अधिकांश समुदायों को पड़ोसी असम में अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- एक संयुक्त उच्च शक्ति समिति (जे.एच.पी.सी.) ने हितधारकों के साथ चर्चा करने के बाद छह समुदायों को पी.आर.सी. देने की सिफारिश की है, जो अरुणाचल प्रदेश के मूल निवासी नहीं हैं लेकिन दशकों से नामसाई और चांगलांग जिलों में रह रहे हैं।

अरुणाचल में लोग पी.आर.सी. के खिलाफ विरोध क्यों कर रहे हैं?

- अरुणाचल प्रदेश में कई समुदाय-आधारित समूहों और संगठनों में नाराजगी है, जो ऐसा महसूस कर रहे हैं कि प्रस्ताव लागू होने पर स्वदेशी लोगों के अधिकारों और हितों के साथ समझौता करना पड़ेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

10. **संयुक्त राष्ट्र ने महिला आरक्षण पर उड़ीसा का अभिवादन किया है।**
- संयुक्त राष्ट्र लैंगिक समानता एवं महिला सशक्तीकरण संस्था (यू.एन. वूमेन) ने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण के प्रस्ताव को पारित करने हेतु उड़ीसा सरकार की सराहना की है।

संबंधित जानकारी

यू.एन. वूमेन के संदर्भ में जानकारी:-

- संयुक्त राष्ट्र लैंगिक समानता एवं महिला सशक्तीकरण संस्था को यू.एन. वूमेन के नाम से भी जाना जाता है, यह महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एक संस्था है।
- जनवरी, 2011 में इसका संचालन शुरू किया गया था।
- ये संयुक्त राष्ट्र विकास समूह के सदस्य हैं।
- इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।

- नई दिल्ली स्थित यू.एन. वूमेन के कार्यालय में चार देश: भारत, भूटान, मालदीव और श्रीलंका शामिल हैं।
- इन देशों में संगठन महिलाओं, पुरुषों, नारीवादियों, महिलाओं के नेटवर्क, सरकारों, स्थानीय अधिकारियों और नागरिक समाज के साथ काम करके महिलाओं के अधिकारों को मजबूती प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महिला सशक्तीकरण

स्रोत- पी.आई.बी.

11. इस्लामिक सहयोग संगठन (ओ.आई.सी.)

- भारत के विदेश मंत्री को पहली बार इस्लामिक सहयोग संगठन (ओ.आई.सी.) के विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

इस्लामिक सहयोग संगठन (ओ.आई.सी.) के संदर्भ में जानकारी:

- चार महाद्वीपों में 57 देशों की सदस्यता के साथ संयुक्त राष्ट्र के बाद इस्लामिक सहयोग संगठन (ओ.आई.सी.) दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है।
- संगठन का दावा है कि वे मुस्लिम दुनिया की सामूहिक आवाज हैं।
- यह विश्व के विभिन्न लोगों के मध्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने की भावना के साथ मुस्लिमों के हितों की रक्षा और संरक्षण करने का प्रयास करता है।
- इस संगठन की स्थापना 25 सितंबर, 1969 को मोरक्को के राबत में हुए ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के एक निर्णय के आधार पर की गई थी।
- पहला ओ.आई.सी. घोषणापत्र वर्ष 1972 में आयोजित तीसरे आई.सी.एफ.एम. सत्र द्वारा अपनाया गया था।
- इस घोषणापत्र ने संगठन के उद्देश्यों और सिद्धांतों को स्थापित किया और इसका मूलभूत उद्देश्य सदस्य राज्यों के मध्य एकजुटता और सहयोग को मजबूत करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- टी.ओ.आई.

12. बांदीपुर, वायनाड के जंगलों में भयंकर आग लगी थी।

- हाल ही में बांदीपुर के जंगलों में भयंकर आग लगी थी।
- संसाधन प्रबंधन प्रणाली हेतु नासा की अग्नि सूचना (नासा-एफ.आई.आर.एम.एस.) से प्राप्त एक चेतावनी के अनुसार, उपग्रह के ऊपर से गुजरने के दौरान 21 आग अथवा हॉटस्पॉटों का पता चला था।

संबंधित जानकारी

जंगल की आग के संदर्भ में जानकारी:

- जंगल की आग, जंगलों में होने वाली एक सामान्य हानि है। ये वन संपदा और वनस्पतियों एवं जीवों के लिए भी खतरा पैदा करती हैं, इस प्रकार जैव विविधता और क्षेत्र की पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण को भी असंतुलित करती है।

जंगल की आग के क्या कारण हैं?

- तापमान, मिट्टी में नमी का स्तर और वातावरण और शुष्क अवधि जैसी जलवायु परिस्थितियां प्राकृतिक रूप से आग का कारण बनती हैं।
- तेज़ हवा के वेग या पत्थरों के टकराने के कारण पेड़ की शाखाओं के घर्षण से चिंगारी उत्पन्न होती है और जिससे पत्तियों के ढेर में आग लग जाती है।
- मानवजनित गतिविधियाँ- उत्तर पूर्वी क्षेत्रों और पूर्वी तटीय क्षेत्रों में खेती को स्थानांतरित करने की पारंपरिक प्रथा ने वन भूमियों को जला दिया है। खुली लौ, सिगरेट के फिल्टरों, बिजली की चिंगारी अथवा मनुष्यों द्वारा किसी भी प्रज्वलन के कारण जंगलों में आग लगने को जंगल की आग कहते हैं।

काउंटर फायर के संदर्भ में जानकारी:-

- काउंटर फायर एक ऐसी तकनीक है जिसमें जंगली आग को जानबूझकर आग की लपटों के विपरीत दिशा में पानी डाला जाता है।
- काउंटर फायर के अंदर की ओर बढ़ने से सभी प्रकार की वनस्पतियां और जलने हेतु बिना ईंधन की पृथ्वी की नंगी परत और जंगली आग प्राकृतिक रूप से बुझ जाती है।

नोट: यह अनुमान लगाया गया है कि भारत में 90% जंगल की आग मानव निर्मित कारणों से लगती है, जब लोग मवेशियों को चराने, ईंधन की लकड़ी, लकड़ी और अन्य मामूली वन उपज इकट्ठा के लिए जंगलों में प्रवेश करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

13. सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद "विरोध" हेतु नियामगिरि का डोंगरिया कोंध

- हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से संभावित निष्कासन को लेकर वनवासियों में दहशत पैदा हो गई है, उड़ीसा के नियामगिरि के डोंगरिया कोंध जनजातियों ने उन्हें बाहर निकालने के किसी भी प्रयास का विरोध करने का संकल्प लिया है।

मुद्दा क्या था?

- जनजातियों के संभावित निष्कासन का मुद्दा है, वन अधिकार अधिनियम (एफ.आर.ए.), 2006 के अंतर्गत नियमितिकरण हेतु जिनके आवेदन खारिज कर दिए गए थे।
- डोंगरिया कोंध वर्तमान में नियामगिरि के सुरम्य पहाड़ी पर अपना वार्षिक नियमजा उत्सव आयोजित कर रहे हैं।
- पारिस्थितिकी और खनिज से भरपूर नियामगिरि पर्वत श्रृंखला में बॉक्साइट की खान के वेदांता समूह की योजना के खिलाफ उनके सफल प्रतिरोध के कारण यह जनजाति सुर्खियों में आई थी।

संबंधित जानकारी

डोंगरिया कोंध जनजाति के संदर्भ में जानकारी:

- डोंगरिया कोंध के लोग उड़ीसा की नियामगिरी पहाड़ियों में रहने वाली एक जनजाति हैं।
- वे वनवासी हैं और नियामगिरी जंगलों के संसाधनों से खुद को सतत बनाए रखते हैं, ये बागवानी का अभ्यास करते हैं और खेती को स्थानांतरित करते हैं।

- डोंगरिया में विशिष्ट आभूषण, टैटू और हेयर स्टाइल हैं। महिलाएं अपने कानों में कई छल्ले पहनती हैं और अपनी नाक में तीन छल्ले पहनती हैं, जब कि लड़के नाक में दो छल्ले पहनते हैं।
- डोंगरिया लड़कियां अपने बालों में क्लिप और गले में अंगूठी और माला पहनती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

26.02.2019

1. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पी.एम.-किसान)

- प्रधानमंत्री ने 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पात्र किसानों के बैंक खातों में पहली किस्त को इलेक्ट्रॉनिक रूप से हस्तांतरित करने के लिए 24 फरवरी, 2019 को उत्तर प्रदेश (यू.पी.) के गोरखपुर में पी.एम.-किसान योजना शुरू की है।
- इस योजना के अंतर्गत, दो हेक्टेयर तक संयुक्त भूमि रखने वाले/ स्वामित्व वाले पात्र छोटे और सीमांत किसान परिवारों को प्रत्येक वर्ष 6,000 रुपये दिए जाएंगे।
- यह धनराशि दो हजार रुपये प्रत्येक की तीन किस्तों में प्रदान की जाएगी।

संबंधित जानकारी

- पी.एम.-किसान योजना के अंतर्गत, सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली के तंत्र के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डी.बी.टी.) किया जा रहा है।
- पी.एफ.एम.एस. एक वेब-आधारित भुगतान है और भारत सरकार का एम.आई.एस. आई.टी. एप्लीकेशन है जिसे भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के नियंत्रक महालेखा अधीक्षक (सी.जी.ए.) द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- भारत सरकार की योजनाओं के लिए सभी डी.बी.टी. भुगतान, पी.एफ.एम.एस. के माध्यम से किए जा रहे हैं।

विषय- जी.एस. पेपर 2-गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. अफगानिस्तान ने ईरान से होते हुए भारत के लिए एक नया निर्यात मार्ग शुरू किया है।

- अफगानिस्तान ने ईरान के चाबहार बंदरगाह से होते हुए भारत के लिए एक नया निर्यात मार्ग शुरू किया है।
- ईरान का चाबहार बंदरगाह, अफगानिस्तान के लिए समुद्र तक आसान पहुँच प्रदान करता है।
- यह मार्ग भारत और अफगानिस्तान दोनों को पाकिस्तान से गुजरे बिना व्यापार करने की अनुमति प्रदान करता है।
- यह नया मार्ग, भारत और अफगानिस्तान की सरकारों द्वारा व्यापार संबंधों को बढ़ाने के लिए की गई कई पहलों में से एक है।

संबंधित जानकारी

- भारत-अफगानिस्तान व्यापार में अफगान का भारत को वर्ष 2018 में किया गया निर्यात \$ 740 मिलियन था और भारत, अफगानिस्तान के लिए सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है।
- व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत और अफगानिस्तान दोनों देशों ने वर्ष 2017 में एक हवाई गलियारा स्थापित किया था।

नोट:

जे.सी.पी.ओ.ए. से हटने और ईरान पर प्रतिबंधों को फिर से लागू करने के बाद, अमेरिका ने कुछ ऐसे अमेरिकी प्रतिबंधों को छूट प्रदान की थी, जिन्होंने चाबहार बंदरगाह के विकास को अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और खाद्य एवं दवाओं जैसे गैर-प्रतिबंधित उत्पादों की उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए नए परिवहन गलियारे के हिस्से के रूप में अनुमति प्रदान की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. "हॉटहाउस" की स्थितियां

- शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि वायुमंडल में कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा तीन गुनी हो जाए तो समुद्री बादल जो अंतरिक्ष में वापस आने वाले सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करके पौधा-घर पृथ्वी स्थितियों से हमारी रक्षा करते हैं, ये समाप्त हो सकते हैं और नष्ट हो सकते हैं।

संबंधित जानकारी

- यदि वायुमंडल में कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा में वृद्धि हो जाए तो उपोष्णकटिबंधीय महासागरों के लगभग 20% भाग को कवर करने वाले स्ट्रेटोक्यूम्युलस बादल जो अधिकतर पश्चिमी समुद्र तटों जैसे कि कैलिफोर्निया, मैक्सिको और पेरू के तटों के पास पाए जाते हैं, वे गायब हो सकते हैं।

प्रभाव

- एक अध्ययन के अनुसार, "जब स्ट्रेटोक्यूम्युलस बादल गायब हो जाएंगे तो केवल विकसित ग्रीनहाउस सांद्रता से आने वाली ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही पृथ्वी नाटकीय रूप से लगभग आठ डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो जाएगी।"
- इतना अधिक तापमान बढ़ने से ध्रुवीय बर्फ पिघल जाएगी और समुद्र का स्तर दस मीटर तक बढ़ जाएगा।
- पिछली बार कुछ 50 मिलियन वर्ष पूर्व इओसीन युग के दौरान जब वह ग्रह इतना गर्म हुआ था तब मगरमच्छ आर्कटिक में घूमते थे।
- पेरिस जलवायु संधि 2015 तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस "से कम" रखने के लिए राष्ट्रों को संयुक्त करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3-विज्ञान

स्रोत- द हिंदू

4. डिलॉइट ने महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु भारत में वैश्विक पहल की घोषणा की है।

- डिलॉइट ने महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु भारत में अपनी वैश्विक पहल "वर्ल्डक्लास" शुरू करने की घोषणा की है।
- भारत में इस पहल का उद्देश्य शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से वर्ष 2030 तक 10 मिलियन लड़कियों और महिलाओं का समर्थन करना है।

संबंधित जानकारी

- भारत में वर्ल्डक्लास कार्यक्रम, विद्यालय में लड़कियों की अवधारण दर में सुधार करने, उच्च शैक्षणिक परिणामों और महिलाओं को रोजगार प्राप्त करने हेतु कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा।

- इस पहल का उद्देश्य महिला शिक्षा को बढ़ावा देना है क्योंकि 15 से 18 वर्ष की लगभग 40 प्रतिशत लड़कियां बीच में स्कूल और कॉलेज छोड़ देती हैं और केवल 26 प्रतिशत महिलाएँ ही कार्यरत हैं।
- विश्व स्तर पर, वर्ल्डक्लास पहल वर्ष 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) की तर्ज पर भविष्य के कामों के लिए बेहतर रूप से सुसज्जित 50 मिलियन लोगों को तैयार करना चाहती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- महिला सशक्तीकरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. वायु सेना ने हवाई निगरानी शुरू कर दी है।
- भारतीय वायु सेना (आई.ए.एफ.) ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर और देश के भीतर कुछ हिस्सों में घने पर्णपाती क्षेत्रों के अंतर्गत संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी करने हेतु हवाई निगरानी प्रणाली के विकास की शुरुआत की है।
- यह देश का पहला कार्यक्रम है जो संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने और पहचानने की कोशिश करता है और इसके अगले दो वर्षों में चालू हो जाने की उम्मीद है।

संबंधित जानकारी

- यह हाइपरस्पेक्ट्रल काल्पनिक कार्यक्रम है जो दिन और रात दोनों में पेड़ों, घने पर्णपाती, झाड़ियों अथवा किसी संरचना के भीतर मानव की उपस्थिति की पहचान करने में मदद करेगा।
- यह केवल हवा से मानवीय उपस्थिति का पता लगा सकता है, चाहे भले ही उस क्षेत्र के बादल घने कोहरे या बर्फ से ढके हों।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

6. आर.टी.आई के अंतर्गत ई.वी.एम. 'सूचना' है।
- केंद्रीय सूचना आयोग ने फैसला लिया है कि सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत एक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) "सूचना" है।
- आर.टी.आई. अधिनियम की धारा 2(एफ) के अंतर्गत सूचना की परिभाषा के अनुसार, "किसी

भी रूप में कोई भी सामग्री शामिल है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक रूप में रिकॉर्ड, दस्तावेज, मेमो, ई-मेल, राय, सलाह, प्रेस विज्ञप्ति, सर्कुलर, आदेश, लॉगबुक, अनुबंध, रिपोर्ट, कागजात, नमूने, मॉडल, डेटा सामग्री शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

केंद्रीय सूचना आयोग

- इसकी स्थापना वर्ष 2005 में केंद्र सरकार द्वारा सूचना के अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम (2005) के प्रावधानों के अंतर्गत की गई थी।
- यह एक संवैधानिक निकाय नहीं है लेकिन इसमें अर्ध-न्यायिक शक्तियाँ निहित हैं।
- आयोग में 1 मुख्य सूचना आयुक्त (सी.आई.सी.) और 10 से अधिक सूचना आयुक्त (आई.सी.) शामिल हैं जिन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।

कार्य:-

- आयोग के पास आर.टी.आई. अधिनियम, 2005 की धारा 18, 19, 20 और 25 में उल्लिखित निश्चित शक्तियाँ और कार्य हैं।
- ये व्यापक रूप से निम्न से संबंधित हैं:-
- 1. जानकारी देने के लिए दूसरी अपील में न्यायिक निर्णय;
- 2. रिकॉर्ड रखने हेतु दिशानिर्देश, आर.टी.आई. दाखिल करने में असमर्थता पर एक शिकायत प्राप्त करने और पूछताछ करने हेतु स्व:प्रेरणा का प्रकटीकरण;
- 3. वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने सहित दंड और निगरानी और रिपोर्टिंग का आरोपण
- आयोग के निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. मुख्यमंत्री युवा स्वाभिमान योजना
- मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य सरकार की प्रमुख योजना "मुख्यमंत्री युवा स्वाभिमान योजना" की शुरुआत की है जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के शहरी युवाओं को प्रत्येक वर्ष 100 दिनों के रोजगार की गारंटी देती है।

संबंधित जानकारी

- इस योजना के अंतर्गत, युवाओं को 100 दिनों की अवधि के दौरान प्रति माह 4,000 रुपये दिए जाएंगे और उन्हें स्वतंत्र बनाने के क्रम में कौशल विकास प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।
- केवल वे युवा, जिनके परिवार की वार्षिक आय 2 लाख रुपये से कम है और जो 21-30 वर्ष की आयु वर्ग के हैं, वे ही इस योजना के पात्र हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 -गवर्नंस

स्रोत- एन.डी.टी.वी.

8. लघु वन उत्पादन योजना हेतु एम.एस.पी. में नौ उत्पादों को शामिल किया गया है।

- जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एम.ओ.टी.ए.) ने एम.एस.पी. योजना के लिए अपने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) में नौ लघु वन उत्पादन (एम.एस.पी.) उत्पादों को शामिल किया है।
- नौ नए उत्पाद: बकुल (सूखी छाल), कुटज (सूखी छाल), नोनी/ आल (सूखे हुए प्याज़), सोनपाथा/ स्योनक की फली, चनोथी के बीज, कलिहारी (सुखाए हुए कंद), मकोय (सूखे हुए फल), अपंग पौधा और सुगंधरन्त्री मूल/ कंद हैं।
- जनजातीय समुदाय एम.एस.पी. पर निर्भर हैं। वे सैकड़ों वन उत्पाद एकत्र करते हैं और उन पर जीवित रहते हैं।

संबंधित जानकारी

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.)

- यह भारत सरकार द्वारा कृषि उत्पादकों को कृषि उत्पादों की कीमतों में किसी भी प्रकार की तीव्र गिरावट से सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए बाजार हस्तक्षेप का एक रूप है।
- कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सी.ए.सी.पी.) की सिफारिशों के आधार पर कुछ फसलों के बुवाई के मौसम की शुरुआत में भारत सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है।
- भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई.), अनाज, दलहन और तिलहन के लिए मूल्य समर्थन संचालन हेतु नामित केंद्रीय नोडल संस्था है।
- भारतीय कपास निगम (सी.सी.आई.), कपास के लिए मूल्य समर्थन कार्य करने हेतु केंद्रीय नोडल संस्था है।

लघु वन उत्पाद (एम.एस.पी.)

- एम.एस.पी. संग्रहकर्ताओं को उचित और पारिश्रमिक मूल्य सुनिश्चित करने हेतु एम.एस.पी. योजना के लिए एम.एस.पी. वर्ष 2013 में शुरू किया गया था।

नोट: सामान्यतः वन उत्पादों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है अर्थात्

1. प्रमुख वन उत्पाद (पल्पवुड, चंदन, ईंधन, इमारती लकड़ी आदि)
2. लघु वन उत्पाद (इमली, करी पत्ता, तेंदूपट्टा, मालूफल, गन्ना, साबुन, बांस आदि)

सरकार द्वारा चलाई जा रही एम.एस.पी. के समान योजनाएं

बाजार हस्तक्षेप योजना

- यह बाजार की कीमतों में गिरावट की स्थिति में खराब होने वाली और बागवानी वस्तुओं की खरीद के लिए राज्य सरकारों के अनुरोध पर लागू की जाती है।

मूल्य समर्थन योजना (पी.एस.एस.)

- कृषि एवं सहकारिता विभाग एन.ए.एफ.ई.डी. के माध्यम से तेल बीज, दालों आदि की खरीद के लिए पी.एस.एस. को लागू करता है, जो सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर एक केंद्रीय नोडल संस्था है।

मूल्य न्यूनता खरीद योजना

- यह योजना, किसानों की फसलों को खरीदने के बजाय एम.एस.पी. और विक्रय मूल्य के अंतर को सीधे किसानों को भुगतान करती है।
9. **भारतीय वायु सेना के 12 मिराज -2000 लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया और 1,000 किलोग्राम का लेजर-निर्देशित बम गिराए हैं।**
- डसॉल्ट एविएशन द्वारा निर्मित भारतीय वायु सेना के 12 मिराज -2000 लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तानी वायु क्षेत्र में प्रवेश किया और नियंत्रण के उस पार जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी लांच पैडों पर 100 कि.ग्रा. का लेजर निर्देशित बम गिराए हैं। डसॉल्ट, एक फ्रांसीसी कंपनी है, जो राफेल मीडियम मल्टी-रोल लड़ाकू विमानों का भी निर्माण करती है।

संबंधित जानकारी

आई.ए.एफ. मिराज 2000

- मिराज-2000, निःसंदेह ही भारतीय वायु सेना (आई.ए.एफ.) के सबसे बहुमुखी और घातक विमानों में से एक है और इसे पहली बार वर्ष 1985 में साधिकार किया गया था।
- मिराज को शामिल करने के तुरंत बाद आई.ए.एफ. ने इसे वज्र नाम दिया, जिसका संस्कृत में अर्थ वज्रपात होता है।
- इसे डसॉल्ट एविएशन द्वारा विकसित किया गया था और वर्ष 1978 में इसने अपनी पहली उड़ान भरी थी और वर्ष 1984 में इसे फ्रांसीसी वायु सेना में शामिल किया गया था।
- भारत के अतिरिक्त डसॉल्ट ने मिराज-2000 को 8 अन्य देशों को भी बेचा है, जिनमें फ्रांस, मिस्र, यू.ए.ई., पेरू, ताइवान, पेरू, ग्रीस और ब्राजील शामिल हैं।
- मिराज -2000 ने वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई थी और इस युद्ध के परिणाम को भारत के पक्ष में कर दिया था।
- वर्ष 2011 में विमानों के जीवन को बढ़ाने हेतु मौजूदा मिराज 2000 को मिराज-2000-5 एम.के. के अपग्रेड करने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे, ये विमान अब वर्ष 2030 तक सेवा करने के लिए तैयार हैं।

विशेषता

- मिराज -2000 एकल शाफ्ट इंजन का उपयोग करता है जो अन्य लड़ाकू विमान इंजनों की तुलना में हल्का और साधारण है और इसे एस.एन.ई.सी.एम.ए. एम.53 कहा जाता है।
- इसकी लंबाई 14.36 मीटर और पंखों का दायरा 91.3 मीटर है।
- इस विमान का वजन 7500 किलोग्राम (खाली) है और इसका उड़ान भरने में सक्षम कुल वजन 17000 किलोग्राम है।
- इसमें मच 2.2 (2336 किमी प्रति घंटे) की अधिकतम गति है और यह 1550 कि.मी. की यात्रा कर सकता है।
- भारत के अन्य लड़ाकू और अधिक उन्नत लड़ाकू विमानों की तुलना में रूस ने सुखोई

एस.यू.30एम.के.आई. का निर्माण किया है जिसकी गति 2120 कि.मी./घंटा (मच 2), जो मिराज -2000 की तुलना में धीमा है और अधिक भारी भी है। यह मिराज-2000 को त्वरित संचालन में विशेषता प्रदान करता है।

- आयुध के संदर्भ में मिराज-2000 लेजर-निर्देशित बम, हवा से हवा और हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल ले जा सकता है और इसमें बोर्ड पर एक थॉमसन-सी.एस.एफ. आर.डी.वाई. (रडार डॉप्लर मल्टी-टारगेट) रडार लगा हुआ है।

27.02.2019

1. परम्परागत औषधि रणनीति 2014-2023

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने दिसम्बर 2013 में परम्परागत औषधि रणनीति 2014-2023 को लांच कर दिया है।
- यह स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के नेताओं को एक समाधान निकालने में मदद करेगा जो बेहतर स्वास्थ्य एवं रोगी स्वशासन की व्यापक लक्ष्य में योगदान देगा।
- रणनीति के दो प्रमुख लक्ष्य हैं:
 - (a) स्वास्थ्य, कल्याण और जन-केंद्रित स्वास्थ्य देखभाल के लिए पारंपरिक एवं पूरक औषधि (टी. एंड सी.एम.) के संभावित योगदान का दोहन करने में सदस्य राज्यों का समर्थन करना।
 - (b) उत्पादों, अभ्यास और चिकित्सकों के विनियमन के माध्यम से टी.एंड सी.एम. के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना।
- तीन रणनीतिक उद्देश्यों को लागू करके इन लक्ष्यों को प्राप्त किया जाएगा
 - (1) ज्ञान का आधार बनाना और देश की नीतियों को तैयार करना।
 - (2) विनियमन के माध्यम से सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभाविकता को मजबूत करना।
 - (3) सार्वभौमिक स्वास्थ्य प्रणालियों को बढ़ावा देना।

संबंधित जानकारी

- विश्व स्वास्थ्य संगठन पारंपरिक औषधि रणनीति 2014-2023 का विकास एवं इसकी

शुरुआत पारंपरिक चिकित्सा (WHA13) पर विश्व स्वास्थ्य सभा के प्रस्ताव के उत्तर हुई थी।

- वर्ष 2016 में डब्ल्यू.एच.ओ. और आयुष मंत्रालय के बीच परियोजना सहयोग समझौते (पीसीए) पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- यह डब्ल्यू.एच.ओ. और आयुष मंत्रालय (2016-2020) के बीच पारंपरिक और पूरक औषधि में सेवा प्रावधान की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता को बढ़ावा देने पर सहयोग प्रदान करेगा।

विषय-सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – स्वास्थ्य एवं सेवाएं
स्रोत - पी.आई.बी.

2. सम्प्रति 2019: भारत और बांग्लादेश ने संयुक्त सैन्य अभ्यास किया

- यह भारत और बांग्लादेश के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है जिसे बांग्लादेश के तंगेल आयोजित किया जाएगा।
- यह इस सैन्य अभ्यास का आठवां संस्करण होगा जिसे दोनों देशों द्वारा एकांतर रूप से आयोजित किया जाता है।
- इस अभ्यास का उद्देश्य भारतीय और बांग्लादेश सेनाओं के बीच अंतरसामंजस्य और सहयोग के पहलुओं को मजबूत करना और व्यापक बनाना है।
- इस अभ्यास में संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत एक काउंटर इंसरजेंसी और आतंकवाद के खिलाफ माहौल में सामरिक स्तर के ऑपरेशन शामिल होंगे।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – रक्षा

स्रोत - बिज़नेस स्टैंडर्ड

3. भारत ने सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया: QRSAM

- भारत ने ओडिशा के तट पर परीक्षण रेंज से एक छोटी दूरी की क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (QRSAM) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- इसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है।

मिसाइल की विशेषताएं

- इस मिसाइल की मारक क्षमता 25 कि.मी. से 30 कि.मी. है और यह कई लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है।
- इसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है।
- इसे भारतीय सेना के लिए विकसित किया गया है।
- स्वदेश में विकसित QRSAM 'आकाश' मिसाइल रक्षा प्रणाली की जगह लेगा।
- यह एक सभी मौसम, सभी स्थलाकृति (ऑल-वेदर, ऑल-टेरेन) मिसाइल है जिसमें एयरक्राफ्ट राडार द्वारा जाम किए जाने से बचने के लिए इलेक्ट्रॉनिक काउंटरमेशर्स हैं।

विषय- जीएस पेपर 3-विज्ञान और प्रौद्योगिकी

सोर्स- इंडियन एक्सप्रेस

4. वैश्विक स्वास्थ्य नेताओं ने चौथी डिजिटल स्वास्थ्य अंतर-सरकारी बैठक में 'दिल्ली घोषणा' को अपनाया

- डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक अंतर सरकारी बैठक को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और ग्लोबल डिजिटल हेल्थ पार्टनरशिप (GDHP) के सहयोग से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया।
- डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक अंतर-सरकारी बैठक के अवसर पर, वैश्विक स्वास्थ्य नेताओं ने 'दिल्ली घोषणा' को अपनाया।
- डिजिटल स्वास्थ्य पर आधारित 'दिल्ली घोषणा' हमारे प्रधानमंत्री की 'डिजिटल इंडिया' पहल से मजबूती के साथ जुड़ी है।
- यह अपने सदस्य राज्यों को सहयोग करने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य को केन्द्रीय रूप से समन्वयित करने के लिए एक विशिष्ट तंत्र स्थापित करने में मदद करेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2-स्वास्थ्य और सेवाएँ
स्रोत- पी.आई.बी.

5. जैवप्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना दिवस पर प्रमुख मिशन शुरू किए गए

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने नई दिल्ली में अपना 33वां स्थापना दिवस मनाया।
- विषय "जैव प्रौद्योगिकी जश्न: एक अभिनव राष्ट्र के रूप में भारत का निर्माण" रहा है।
- मंत्री ने स्थापना दिवस समारोह में प्रमुख मिशनों की घोषणा की:
 - (A) अटल जय अनुसंधान बायोटेक मिशन - राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक प्रौद्योगिकी नवाचार का उपक्रम (UNaTI) है, इससे अगले 5 वर्षों के दौरान स्वास्थ्य, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों को बदलने की उम्मीद है।
 - (B) GARBH-ini- यह मिशन माता एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और समय पूर्व जन्म की भविष्यवाणी करने वाले उपकरणों का विकास करने के लिए है।
 - (C) IndCEPI- यह मिशन स्थानीय रोगों के लिए सस्ती टीके विकसित करने, पोषण अभियान में योगदान देने के लिए बायोफोर्टिफाइड और प्रोटीन समृद्ध गेहूं का विकास करने के लिए है।
 - (D) सूक्ष्मजीवाणु प्रतिरोधी मिशन- किफायती नैदानिक एवं चिकित्सीय मिशन।
 - (E) स्वच्छ ऊर्जा मिशन- यह मिशन स्वच्छ भारत के लिए नवीन प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप विकसित करने के लिए है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 - विज्ञान और प्रौद्योगिकी
स्रोत-PIB

6. आरबीआई शीघ्र सुधारात्मक कार्रवाई ढांचे से 3 बैंकों को हटाता है

शीघ्र सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए)

- पी.सी.ए. एक फ्रेमवर्क है जिसके तहत कमजोर वित्तीय लेखाजोखा वाले बैंकों पर भारतीय रिजर्व बैंक निगरानी करता है।
- इसे वर्ष 2002 में रिजर्व बैंक द्वारा उन बैंकों के लिए एक संरचित प्रारंभिक हस्तक्षेप तंत्र के रूप में पेश किया गया था, जो खराब परिसंपत्ति की गुणवत्ता के कारण, अथवा लाभप्रदता में नुकसान के कारण कमजोर हो गए।

- इसका उद्देश्य भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में गैर-निष्पादित संपत्तियों (एन.पी.ए.) समस्या की जांच करना है।
- वर्ष 2017 में भारत में वित्तीय संस्थानों और वित्तीय क्षेत्र विधायी सुधार आयोग के लिए संकल्प विनियमों पर वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद के कार्य समूह की सिफारिशों के आधार पर फ्रेमवर्क की समीक्षा की गई थी।
- पी.सी.ए. का उद्देश्य यदि बैंक परेशानी में है, तो नियामक के साथ-साथ निवेशकों और जमाकर्ताओं को सतर्क करने में मदद करना है।
- पी.सी.ए. फ्रेमवर्क बैंकों को जोखिम भरा मानकर चलता है, यदि वे कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं से फिसल जाते हैं। ये महत्वपूर्ण बिंदु हैं - कैपिटल टू रिस्क-वेटेड एसेट्स रेशियो (CRAR), नेट एन.पी.ए., रिटर्न ऑन एसेट्स (RoA) और टियर 1 लीवरेज अनुपात।
- ऐसे महत्वपूर्ण बिंदुओं से फिसलने वाले बैंकों के लिए कुछ संरचित और विवेकाधीन कार्रवाई शुरू की जाती है।
- पी.सी.ए. फ्रेमवर्क केवल वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर लागू है।

विषय- जीएस पेपर 3-अर्थशास्त्र

सोर्स- द हिंदू

7. अंगकोर में अचानक गिरावट नहीं आयी

- एक अध्ययन के अनुसार, खमेर साम्राज्य की प्राचीन राजधानी अंगकोर को एक भयावह पतन के बजाय एक क्रमिक पतन का सामना करना पड़ा था।

संबंधित जानकारी

अंगकोर

- अंगकोर खमेर साम्राज्य की राजधानी थी, जिसे यशोधरापुरा के नाम से भी जाना जाता था।
- यह लगभग 9 वीं से 15 वीं शताब्दी तक फली-फूली थी।
- शहर में कंबोडिया के लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों में से एक शानदार अंगकोर वाट है।

- अंगकोर काल सन् 802 ईस्वी में शुरू हुआ, जब खमेर के हिंदू सम्राट जयवर्मन द्वितीय ने खुद को "सार्वभौमिक सम्राट" और "देवराज" घोषित किया और यह 14वीं शताब्दी के अंत तक चला।
- यह यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल के रूप में संरक्षित है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 1- कला और संस्कृति
स्त्रोत- द हिंदू

8. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय - ब्रिटेन को मॉरीशस को चागोस द्वीप सौंप देना चाहिए
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने कहा कि ब्रिटेन का दायित्व है कि वह चागोस द्वीपसमूह पर अपने प्रशासन को हटा ले।
 - चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता ब्रिटेन और मॉरीशस के बीच विवादित है।

संबंधित जानकारी

पृष्ठभूमि

- चागोस द्वीप वर्ष 1960 के दशक से संयुक्त ग्रेट ब्रिटेन के पट्टे पर डिएगो गार्सिया के अमेरिकी सैन्य अड्डे का केन्द्र है।
- वर्ष 1971 के बाद से, केवल डिएगो गार्सिया की कोरल भित्तियां, और केवल सैन्य और नागरिक अनुबंधित कर्मियों द्वारा ही यहां रहा जा रहा है।
- यूनाइटेड किंगडम ने मॉरीशस के वर्ष 1965 में स्वतंत्रता प्राप्त करने से तीन साल पहले वर्ष 1965 में मॉरीशस क्षेत्र से द्वीपसमूह का अधिग्रहण किया था।
- 25 फरवरी 2019 को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) ने फैसला किया कि यूनाइटेड किंगडम को द्वीपसमूह को छोड़ देना चाहिए। ब्रिटिश सरकार ने इन मामलों पर विचार करने के लिए अदालत के किसी भी अधिकार क्षेत्र को खारिज कर दिया।

चागोस द्वीपसमूह

- यह सात करोड़ रीफ का एक समूह है जिसमें मालदीव द्वीपसमूह से लगभग 500 किलोमीटर दक्षिण में हिंद महासागर में 60 से अधिक अलग उष्णकटिबंधीय द्वीप शामिल हैं।

- द्वीपों की यह श्रृंखला हिंद महासागर में पनडुब्बी पर्वत श्रृंखला के साथ, चागोस-लकाडिव रिज का सबसे दक्षिणी द्वीपसमूह है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध
सोर्स- द हिंदू

9. रेल मंत्रालय ने 'रेल दृष्टि डैशबोर्ड' की शुरुआत की

- रेल मंत्रालय द्वारा 'रेल दृष्टि डैशबोर्ड' शुरू किया गया है।
- डैशबोर्ड (cris.org.in) एक ही मंच पर विभिन्न स्रोतों से जानकारी लाता है और देश के प्रत्येक नागरिक को प्रमुख आँकड़ों और मापदंडों तक पहुँच प्रदान करता है।
- इसमें यात्री और माल गाड़ियों से संबंधित जानकारी और आई.आर.सी.टी.सी. रसोई के लाइव फीड के लिंक शामिल हैं।
- यह भारतीय रेलवे में सभी डिजिटलीकरण प्रयासों को शामिल करता है और पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है।
- इसमें 6 सेवाएं शामिल हैं, जैसे, पी.एन.आर. पूछताछ, ओ.डी.सी. आवेदन पूछताछ, शिकायत पूछताछ, निविदा पूछताछ, श्रमिक पूछताछ और माल संबंधी पूछताछ आदि।
- SUGAM – एक फ्राइट ऐप है जो डैशबोर्ड पर दी गई सेवाओं में से एक है।
- यह ग्राहकों को उनके माल पर नज़र रखने में मदद करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2- प्रशासन

स्त्रोत - इंडियन एक्सप्रेस

28.02.2019

1. भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान गिरा, पायलट पाकिस्तानी सेना की गिरफ्त में।
- पाकिस्तानी जंगी जहाजों से लोहा लेते समय भारत की मिग-21 जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान से जिनेवा संधि के तहत विंग कमांडर के 'सुरक्षित एवं तत्काल सुपुर्दगी' की मांग की है।

संबंधित जानकारी

जिनेवा संधि

- सन् 1949 की जिनेवा संधि में चार संधियाँ और तीन अतिरिक्त नियम शामिल हैं जो युद्ध में मानवीय व्यवहार के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून के मानकों को परिभाषित करते हैं।
- संधि में युद्ध में शामिल देशों से गैर-योद्धा जैसे नागरिक और चिकित्सीय कर्मियों के साथ ही वे योद्धा जो अब युद्ध का हिस्सा नहीं हैं, जैसे युद्ध के कैदी अथवा घायल योद्धा के साथ मानवीय व्यवहार करने पर जोर देती है।

चार संधियाँ

1. पहली जिनेवा संधि युद्ध के दौरान भूमि पर घायल एवं बीमार सैनिकों की रक्षा करता है।
2. दूसरी जिनेवा संधि युद्ध के दौरान समुद्र में घायल, बीमार और टूटे जहाज पर सैन्य कर्मियों की रक्षा करता है।
3. तीसरी जिनेवा संधि युद्ध के कैदियों पर लागू होता है।
4. चौथी जिनेवा संधि कब्जे वाले क्षेत्र सहित नागरिकों को संरक्षण प्रदान करता है।

तीन अतिरिक्त नियम

1. अतिरिक्त नियम I - अंतरराष्ट्रीय संघर्ष
2. अतिरिक्त नियम II - गैर-अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष
3. अतिरिक्त नियम III - अतिरिक्त विशिष्ट प्रतीक

भारत की स्थिति

- अब तक, भारत ने चार संधियों और नियम III पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन अभी भी नियम I और II में सहमति प्रकट नहीं की है।
- नियम- II आंतरिक संघर्ष से संबंधित है, जबकि नियम- I औपनिवेशिक वर्चस्व के खिलाफ युद्ध से संबंधित है।

जिनेवा संधि का प्रमुख अनुच्छेद 3

- अनुच्छेद 3 सभी चार जिनेवा संधियों में प्रमुख है, जिसमें भारत भी भागीदार है।
- इनमें पारंपरिक गृहयुद्ध, आंतरिक सशस्त्र संघर्ष शामिल हैं जोकि अन्य राज्यों तक फैले हुए हैं

अथवा वह आंतरिक संघर्ष जिसमें सरकार के साथ तीसरे राज्य अथवा किसी बहुराष्ट्रीय बल हस्तक्षेप करता है।

- अनुच्छेद 3 उन मूलभूत नियमों की स्थापना करता है जिनसे किसी भी प्रकार के अपमान की अनुमति नहीं है।
 - यह संधियों के भीतर एक उप-संधि की तरह है क्योंकि इसमें जिनेवा संधियों के आवश्यक नियम एक संघनित प्रारूप में हैं और यह एक गैर-अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति के संघर्षों पर लागू होता है:
1. इसमें शत्रु के हाथों में सभी व्यक्तियों के साथ मानवीय व्यवहार करना होता है चाहे शत्रुता कितनी भी क्यों नहीं हो। यह विशेष रूप से हत्या, उत्पीड़न, यातना, क्रूर, अपमानजनक और शर्मनाक व्यवहार, बंधक बनाना और अनुचित मुकदमे पर रोक लगाता है।
 2. इसके लिए आवश्यक है कि घायल, बीमार और टूटे जहाज पर सैनिकों को एकत्रित किया जाए और उनकी देखभाल की जाए।
 3. यह आई.सी.आर.सी. को संघर्ष में भागीदार पक्षों को अपनी सेवाएँ देने की अनुमति देता है।
 4. यह संघर्ष में भागीदार पक्षों से विशेष समझौतों के माध्यम से जिनेवा सम्मेलनों के सभी या कुछ हिस्सों को शामिल करने का आग्रह करता है।
 5. यह स्वीकार करता है कि इन नियमों के लागू होने से संघर्ष भागीदारों की वैधानिक स्थिति प्रभावित नहीं होती है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 - अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

स्त्रोत - द हिंदू

2. प्रणाम (PRANAM) अधिनियम

- असम के मुख्यमंत्री ने पैरेंट्स रिस्पॉंसबिलिटी एंड नॉर्म्स फॉर एकाउंटबिलिटी एंड मॉनिटरिंग (PRANAM) आयोग का गठन किया।
- यह गुवाहाटी, असम में राज्य सरकार के कर्मचारियों के माता-पिता की सुरक्षा के लिए लाए गए PRANAM विधेयक के संबंध में मुद्दों को देखने के लिए गठित एक पैनल है।

- इसे राज्य मंत्रिमंडल द्वारा वर्ष 2018 में अनुमोदित किया गया था।

विधेयक की प्रमुख विशेषताएं

- विधेयक के प्रावधान के अनुसार, यदि PRANAM आयोग को यह शिकायत मिलती है कि राज्य सरकार कर्मचारी के माता-पिता की अंदेखी की जा रही है, तो राज्य सरकार द्वारा कर्मचारी के वेतन का 10% या 15% भाग काटकर माता-पिता अथवा दिव्यांग भाई-बहनों को दिया जाएगा।
- बाद के चरण में इस विधेयक में असम में कार्यरत निजी कंपनियों के कर्मचारियों और केंद्र सरकार के कर्मचारियों को भी शामिल किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक विधेयक, 2007

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

- माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक देखभाल एवं कल्याण विधेयक, 2007 बच्चों और उत्तराधिकारियों को अपने बुजुर्गों की देखभाल करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य बनाता है।
- यह राज्य सरकारों को हर जिले में वृद्धाश्रम स्थापित करने की भी अनुमति देता है।
- वरिष्ठ नागरिक जो खुद की देखभाल करने में असमर्थ हैं, उन्हें अपने बच्चों या उत्तराधिकारियों से मासिक भत्ता पाने के लिए एक देखभाल अधिकरण में आवेदन करने का अधिकार होगा।
- राज्य सरकारें देखभाल के स्तर को तय करने के लिए प्रत्येक उप-प्रभाग में रखरखाव देखभाल अधिकरण स्थापित कर सकती हैं।
- अपीलीय अधिकरणों को जिला स्तर पर भी स्थापित किया जा सकता है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 - प्रशासन

स्त्रोत - पी.आई.बी.

3. बायोएशिया 2019

- एशिया के सबसे बड़े जैव प्रौद्योगिकी एवं जीव विज्ञान मंच - बायोएशिया 2019 का 16वां संस्करण हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित किया गया।

- सम्मेलन का विषय "जीव विज्ञान 4.0 - व्यवधान को रोकना" था।

संबंधित जानकारी

बायोएशिया

- बायोएशिया तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है और यह मुख्यतः तकनीकी अवरोधों के बाद स्वास्थ्य सेवा की पुनर्कल्पना करने पर केंद्रित है।
- कार्यक्रम के लक्ष्य में नवाचार और अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण, डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल, निदान और अस्पताल के संक्रमण से लेकर सूक्ष्मजीवाणु प्रतिरोध तक कई क्षेत्रों को शामिल हैं।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

स्त्रोत - द बिज़नेस स्टैंडर्ड

4. केन्द्र सरकार ने 42 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाइयों पर मूल्य नियंत्रण लागू किया
- नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) व्यापार सीमांत युक्तिकरण के माध्यम से 42 गैर-अनुसूचित कैंसर-रोधी दवाओं को मूल्य नियंत्रण में लाया है।
- यह औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अनुच्छेद 19 के तहत किया गया है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए)

- एन.पी.पी.ए. रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत फार्मास्युटिकल्स विभाग के अधीन एक स्वतंत्र निकाय है।
- इसे 1997 में स्थापित किया गया था।
- एन.पी.पी.ए. वर्तमान में डी.पी.सी.ओ. की अनुसूची-1 के तहत आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एन.एल.ई.एम.) में रखी गई दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करता है।
- आवश्यक दवाओं की गणना विशेष चिकित्सीय क्षेत्र में सभी दवाइयों के साधारण औसत से वार्षिक 1% से अधिक बिक्री कीमत पर आधारित है।

- गैर-अनुसूचित दवाओं में हर साल कीमतों में 10% तक की वृद्धि की अनुमति है, जिसकी निगरानी एन.पी.पी.ए. द्वारा की जाती है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – स्वास्थ्य एवं सेवाएं

स्त्रोत - दि हिंदु

5. कटक आधारित राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान ने 4 जलवायु स्मार्ट किस्में जारी की

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीनस्थ संस्थान कटक स्थित राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (NRRI) ने चार नए चावल किस्मों का विकास किया है, जिसमें दो उच्च-प्रोटीन युक्त और दो जलवायु-स्मार्ट किस्में शामिल हैं।
- संस्थान ने हाल ही में दो उच्च-प्रोटीन चावल किस्मों (सी.आर. धान 310 और सी.आर. धान 311) और दो जलवायु-स्मार्ट किस्मों (सी.आर. धान 801 और सी.आर. धान 802) को जारी किया है।
- ये किस्में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए बाढ़ और सूखा तथा कुछ जैविक खतरों के प्रति सहनशील हैं।

संबंधित जानकारी

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान

- राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान कटक ओडिशा में स्थित है।
- यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत प्रमुख राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों में से एक है।
- एन.आर.आर.आई. पूर्वी भारत में हरित क्रांति लाने के कार्यक्रम की योजना बनाने, कार्यान्वयन तथा निगरानी करने के लिए नोडल एजेंसी है।

महत्वपूर्ण आई.सी.ए.आर. संस्थान

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	नई दिल्ली
भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान	बरेली, उत्तर प्रदेश
राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान	करनाल, हरियाणा
केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान	मुंबई, महाराष्ट्र
भैंस पर अनुसंधान हेतु केंद्रीय संस्थान	हिसार, हरियाणा
केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान	नागपुर, महाराष्ट्र

केंद्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान	अवीकानगर, राजस्थान
भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान	बेंगलुरु, कर्नाटक
भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान	कालीकट, केरल
भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान	लखनऊ, उत्तर प्रदेश

विषय-सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
स्त्रोत - इंडियन एक्सप्रेस

6. केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने राजस्थान के बगरू में टाइटनवाला संग्रहालय का उद्घाटन किया

- केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने बगरू में 'टाइटनवाला संग्रहालय' का उद्घाटन किया जिसमें छीपा समुदाय की हस्त-चौखाने की चित्रकारी कला का प्रदर्शन किया गया है।

संबंधित जानकारी

बगरू ब्लॉक प्रिंटिंग

- बगरू छपाई प्राकृतिक रंगों के साथ छपाई की पारंपरिक तकनीकों में से एक है, जिसे राजस्थान के दूरस्थ स्थान के छीपा समुदाय द्वारा किया जाता है।
- बगरू चित्रकार डब्बू नामक तकनीक का उपयोग करते हैं जिसमें काली मिट्टी, बबूल का गोंद, खराब गेहूं का आटा, चूना पत्थर के मिश्रण को कपड़े पर छापा होता है।
- फिर कपड़े को रंगा जा सकता है और सूखने के लिए धूप में छोड़ा जा सकता है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 1 – कला एवं संस्कृति
स्त्रोत - इंडियन एक्सप्रेस

7. श्रेयस - शिक्षता एवं कौशल में उच्चतर शिक्षा युवाओं के लिए योजना

- मानव संसाधन विकास मंत्री ने शिक्षता एवं कौशल में उच्च शिक्षा युवाओं के लिए योजना (SHREYAS) शुरू की है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय युवाओं को 'कार्य वातावरण देकर और वज़ीफा अर्जन द्वारा' उनके रोजगार प्राप्ति के अवसरों को बढ़ाना है।

- श्रेयस एक कार्यक्रम समूह है जिसमें तीन केंद्रीय मंत्रालयों मानव संसाधन विकास मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और श्रम और रोजगार मंत्रालय की पहलें शामिल हैं।
- श्रेयस पोर्टल शिक्षण संस्थानों और उद्योगों को लॉग इन करने और अपनी संबंधित मांग और शिक्षुता की आपूर्ति प्रदान करने में सक्षम बनाएगा।
- राज्य सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे क्षेत्रीय कौशल परिषदों के अलावा अप्रेंटिसशिप के अवसरों को हासिल करने में एक प्रमुख भूमिका निभाएँ, जिससे अप्रैल 2019 में उत्तीर्ण होने वाले सामान्य डिग्री वाले छात्र उद्योग और सेवा क्षेत्र के अप्रेंटिसशिप का अवसर प्राप्त कर सकें।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 - प्रशासन
स्त्रोत - पी.आई.बी.

8. **रेड सैंडर्स अब निर्यात प्रतिबंध से मुक्त है**
- सभी रेड सैंडर्स किसानों को, जिन्हें विदेशी व्यापार नीति के तहत अपने उत्पादों को बेचने की अनुमति नहीं थी, वे अब इसका निर्यात कर सकते हैं।

- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की एक संस्था विदेश व्यापार महानिदेशालय (डी.जी.एफ.टी.), ने अपनी निर्यात नीति में संशोधन किया है और खेती से पैदा होने वाले उत्पाद के निर्यात की मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

रेड सैंडर्स

- रेड सैंडर्स, अपने समृद्ध रंग और चिकित्सीय गुणों के लिए विख्यात हैं।
- यह पेड़ आंध्र प्रदेश के कई जिलों और तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।
- सौंदर्य प्रसाधन और औषधीय उत्पादों के साथ-साथ फर्नीचर, लकड़ी की नक्काशी और संगीत वाद्ययंत्र बनाने के लिए एशिया में, विशेष रूप से चीन और जापान में इसकी अधिक मांग है।
- (लुप्तप्राय वन्यजीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन) CITES की अनुसूची II में रेड सैंडर्स शामिल था।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 - पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्त्रोत - डाउन टू अर्थ
